फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 39 प्रभात जयपुर, मंगलवार 9 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Giorgio Armani Has Passed Away

The Armani Group was fined 3.5 million Euros for making misleading sustainability statements

Pour, Scent, Glow

He Soared Before His Time

His design heavily influenced the Avro 504, one of World War I's most widely used trainer and bomber planes

कई देशों में ''जैनरेशन ज़ी'' का असंतोष प्रस्फुरित हो रहा है

भारी भ्रष्टाचार के कारण ''जैन ज़ी'' को लगता है उसके साथ विश्वासघात हुआ है

- नेपाल में सड़कों पर उतरी जनता पर सरकार ने वॉटर कैनन, आंसू गैस का इस्तेमाल किया, और फायरिंग की, जिसमें 20 लोग मर गए हैं और 350 से ज्यादा घायल हुए हैं।
- नेपाल में सड़कों पर उतरी युवा पीढ़ी भारी भ्रष्टाचार से पहले से ही गुस्से में है और सरकार ने सोशल मीडिया पर बैन लगाकर इसे भड़का दिया है।
- नेपाल में गत दिनों एयर बस खरीद में 10.4 मिलियन डॉलर का घोटाला हुआ, 5 साल जांच चली, कई आरोपी सामने आए पर कार्यवाही नहीं हुई।
- इतना ही नहीं, नेताओं के बच्चों के लग्ज़री जीवन के वीडियोज़ ने भी युवा असंतोष को भड़काया है।
- भारी भ्रष्टाचार से उभरे असंतोष ने श्रीलंका में तख्ता पलट किया और बांग्लादेश में भी जनता ने सड़कों पर आकर सरकार बदल दी।
- महत्वपूर्ण बात यह है कि हर जगह युवा पीढ़ी का यह विरोध प्रदर्शन स्वप्रेरित है, जिसमें राजनैतिक दलों का कोई योगदान नहीं है।

-डॉ सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितंबर। नेपाल में सरकार द्वारा फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, यूट्यूब और स्नैपचैट सहित, 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद आज बड़े पैमाने पर हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए, जिनमें सुरक्षा बलों के साथ झड़प में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 350 से ज्यादा घायल हो गए। घायलों में इसकी हालत नाज़ुक है।

हज़ारों प्रदर्शनकारी, जो खुद को ''जनरेशन ज़ी'' कह रहे थे, सरकार के इस फैसले के खिलाफ काठमांडू में संसद भवन के पास इकट्ठा हुए। उन्होंने फेसबुक, एक्स और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर लगे प्रतिबंध और सरकार में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया।

देश में लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार के प्रति युवाओं में असंतोष और नाराज़गी अब प्रदर्शन के रूप में सामने आया है।

पिछले कुछ वर्षों में भ्रष्टाचार की कई घटनाएं, जिनकी सार्वजनिक रूप से और संसद में निरन्तर चर्चा होती रही है, लेकिन जिन पर कभी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, इन प्रदर्शनों को हवा देने का काम कर रही हैं।

इनमें वर्ष 2017 की एयरबस डील शामिल है, जिसमें नेपाल एयरलाइंस ने दो ए 330 वाइड-बॉडी जेट खरीदे थे। संविधान के तहत गठित निगरानी संस्था ''कमीशन फॉर द इन्वेस्टिगेशन ऑफ अब्यूज़ ऑफ अथॉरिटी (सीआईएए)'' द्वारा की गई पाँच साल लंबी जांच से गत वर्ष पता चला कि इस सौदे के कारण सरकारी खजाने को 1.47 अरब नेपाली रुपये (लगभग 10.4 मिलियन डॉलर) का नुकसान हुआ। जांच के बाद कई शीर्ष अधिकारियों को भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया।

2022 में श्रीलंका और 2024 में बांग्लादेश में सरकारों को सत्ता से हटाने वाले आंदोलनों ने भी नेपाल के युवाओं को प्रेरित किया। इसके अलावा, फिलीपींस में नेताओं के बच्चों की ऐशो-आराम की ज़िंदगी की सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना और नेपाल के राजनेताओं के बच्चों के लग्ज़री जीवन को दिखाते हुए टिकटॉक पर वायरल हुए वीडियोज़ ने भी देश के युवाओं में आक्रोश को बढ़ावा दिया-खासकर एक ऐसे देश में, जहां प्रति व्यक्ति आय सिर्फ 1300 डॉलर प्रति वर्ष है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्हें टैक्स तो भरना पड़ता है, लेकिन उस पैसे के उपयोग का कोई स्पष्ट हिसाब नहीं दिया जाता।

प्रदर्शनों में स्कूल और कॉलेज के छात्रों की भारी भागीदारी देखी गई, जिनमें से कुछ ने तो स्कूल यूनिफॉर्म भी पहनी हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सोशल मीडिया पर प्रतिबंध नहीं हटेगा'

नयी दिल्ली, 08 सितंबर। नेपाल में बड़े पैमाने पर हुए उपद्रव और 20 युवाओं की मौत के बाद भी प्रधानमंत्री के पी ओली ने सोशल मीडिया को खोलने को लेकर अपने रुख में किसी तरह के बदलाव का कोई संकेत नहीं दिया है।

कांतिपुर ऑनलाइन के अनुसार, कांग्रेस की बैठक में सोशल मीडिया को तुरंत खोलने पर दबाव डाला गया, लेकिन प्रधानमंत्री ओली के अड़ियल रुख के कारण कोई फैसला नहीं हो सका। प्रधानमंत्री ओली अब भी सोशल मीडिया खोलने के पक्ष में नहीं हैं।

इस आपात बैठक में शामिल एक

- नेपाल के प्रधानमंत्री के पी ओली ने अड़ियल रुख अपनाते हुए घोषणा की।

मंत्री के अनुसार, गृह मंत्री रमेश लेखक ने अपना इस्तीफा सौंपते हुए सोशल मीडिया खोलने के मुद्दे पर प्रधानमंत्री का ध्यान आकर्षित किया था। इसके अलावा, स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल ने भी सोशल मीडिया खोलने की ज़रूरत पर अपना रुख़ रखा, पर ओली अपने रुख पर कायम रहे।

सरकार ने सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की जाँच के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया है। एक मंत्री के अनुसार, तथ्यों की जाँच और रिपोर्ट तैयार करने के लिए तत्काल एक जाँच समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।

भारत पर ''वो'' असर नहीं हो रहा ट्रम्प की मीठी बातों का

जानकार सूत्रों का मानना है, भारत अभी सतर्क निगाहों से देख रहा है अमेरिका के हृदय परिवर्तन को

- ट्रम्प ने शुक्रवार को पत्रकारों से वाइट हाउस में कहा था, अमेरिका व भारत के बीच विशेष रिश्ता है, तथा मोदी एक महान प्र.मंत्री हैं, तथा उनके सदा मित्र रहेंगे।
- मोदी ने प्रत्युत्तर में कहा, वे ट्रम्प की भावना को सकरात्मक मानते हैं, पर गौर-तलब बात है, कि मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया में ''मित्र'' कहकर सम्बोधित नहीं किया, जिसका मतलब यह लगाया जा रहा है, कि मोदी बड़ी सतर्कता से सम्बंधों की यात्रा में आगे बढ़ना चाह रहे हैं।
- भारत सरकार के अनुसार ट्रंप के वात्तव्य, इस बात का संकेत नहीं हैं, कि अमेरिका, भारत के सम्बंधों को अब नए नज़रिये से देख रहा है बल्कि भारत, वॉशिंगटन से मैत्रीपूर्ण संकेतों का इन्तज़ार करेगा, अमेरिका से रिश्ते सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने से पहले।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। पिछले कुछ हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव, विशेष रूप से अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाए जाने के बाद, अब जब राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के प्रति अपनी भाषा नरम की है, तो भारत ने इस बदलाव पर सावधानीपूर्वक प्रतिक्रिया दी है।

ट्रंप ने शुक्रवार को वाइट हाउस में कहा कि भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है और दोनों देशों के बीच एक विशेष संबंध है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''महान प्रधानमंत्री'' बताया और कहा कि वे हमेशा मोदी के मित्र रहेंगे। मोदी ने कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे ट्रंप की भावनाओं की ''गहराई से सराहना करते हैं और उनका सम्मानपूर्वक उत्तर देते हैं।'' हालांकि, नई दिल्ली के अधिकारियों का कहना है कि वे ट्रंप की टिप्पणी को सकारात्मक संकेत के रूप में देख रहे हैं, लेकिन अतीत की तुलना में मोदी का रुख इस बार अलग था। इस बार उन्होंने ट्रंप को व्यक्तिगत मित्र कहकर संबोधित नहीं किया, जो यह संकेत देता है कि भारत सावधानी से आगे बढ़ रहा है।

मामले की संवेदनशीलता को मद्देनजर रखते हुये, गोपनीयता की शर्त पर बात कर रहे अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप की हालिया टिप्पणी को भारत-अमेरिका संबंधों में नई शुरुआत के तौर पर नहीं देखा जा सकता। उनका कहना था कि वॉशिंगटन की ओर से और भी भरोसेमंद संकेत मिलने तक भारत रिश्तों को सामान्य मानकर नहीं चलेगा।

''आधार कार्ड'' स्वीकार्य होना चाहिये पहचान जताने के लिये

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पुनः दोहराया, कि आधार कार्ड उन बारह दस्तावेजों में शामिल होना चाहिये, जो पहचान स्थापित करते हैं

- पर, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, कि ''आधार कार्ड'' को नागरिकता स्थापित करने के काम में नहीं लिया जा सकता।
- पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग का तर्क स्वीकार नहीं किया, कि जाली आधार कार्ड बनाये जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट का जवाबी तर्क था, फर्ज़ी या जाली, वो तो सभी दस्तावेज बनाये जा सकते हैं, जिन्हें चुनाव आयोग पहचान स्थापित करने के लिये काम में लेता है।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मतदाता सूची के गहन पूनरीक्षण मामले में कहा कि, चुनाव आयोग को आधार कार्ड को पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार करना होगा और इसे उन 11 अन्य दस्तावेज़ों की सूची में शामिल करना होगा जिन्हें इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता दोबारा सत्यापन के लिए वैध माना गया है।

सोमवार सुबह अदालत में मौखिक आदेश जारी करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि आधार कार्ड को पहचान साबित करने के लिए 12वें दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए, ताकि मतदाता सूची में किसी का नाम जोड़ा या हटाया जा सके।

हालाँकि, चुनाव आयोग की पहले की इस आपत्ति को ध्यान में रखते हुए कि आधार कार्ड नकली बनाया जा सकता है और इसलिए पहचान साबित करने का उपयुक्त विकल्प नहीं है, अदालत ने कहा कि चुनाव अधिकारी कार्ड की ''प्रामाणिकता की जांच'' कर सकते हैं, लेकिन इसका उपयोग नागरिकता साबित करने के लिए नहीं किया जा सकता।

सोमवार का यह आदेश जुलाई में अदालत की एक टिप्पणी की प्रतिध्वनि है; तब अदालत ने इशारा किया था कि फर्जीवाड़े का खतरा किसी भी दस्तावेज़ में हो सकता है, जबकि चुनाव आयोग ने इसी कारण दो अन्य दस्तावेज़ों को सूची से बाहर रखा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टेलीग्राफ के संपादक संकर्षण ठाकुर का निधन

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 सितम्बर। टेलीग्राफ के संपादक संकर्षण का सोमवार सुबह गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में कैंसर से निधन हो गया। वे 63 वर्ष के थे ठीक उसी उम्र में, जिस उम्र में उनके पिता और प्रसिद्ध पत्रकार जनार्दन ठाकुर का 1999 में निधन हुआ था। जनार्दन ठाकुर उस समय फ्री प्रेस जर्नल के संपादक थे।

- जाने माने पत्रकार जनार्दन ठाकुर के बेटे संकर्षण कैंसर से पीड़ित थे और गुरुग्राम के मेदान्ता अस्पताल में भर्ती थे।

अंतिम संस्कार सोमवार शाम 5 बजे लोधी रोड शवदाहगृह में किया जाएगा।

संकर्षण ने रविवार को फेफड़ों के कैंसर की सर्जरी करवाई थी। उनके मित्र ए प्लस रक्त के डोनर की तलाश कर रहे थे ताकि उन्हें बचाया जा सके, लेकिन प्रयास सफल नहीं हो सका।

जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति चुनाव में 75 प्रतिशत वोट मिले थे

सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों का अच्छा समर्थन मिला था, तथा गत तीन दशकों में इतने भारी मतों से कोई भी उपराष्ट्रपति नहीं जीता था

- इस बार भी साधारण अंक गणित के अनुसार, उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 881 वोटर हैं, तथा 391 मत प्राप्त करने वाला उम्मीदवार विजयी होता है, तथा एन.डी.ए. के 425 सांसद हैं, लोकसभा व राज्यसभा में। अतः भाजपा के उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित है।
- पर, इस बार के.सी.आर. की पुत्री, के. कविता बगावत की मुद्रा में हैं, अतः हो सकता है कि के.सी.आर. की पार्टी, जिसने धनखड़ के चुनाव में एन.डी.ए. का साथ दिया था, इस बार मतदान में भाग न ले।
- नवीन पटनायक की बी.जे.डी. भी संभवतया गत चुनाव की भांति, एन.डी.ए. के उम्मीदवार को समर्थन देगी, पर इस बार स्थिति स्पष्ट नहीं है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 सितंबर। सूत्रों ने आज सुबह एन.डी.टी.वी. को जानकारी दी कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव जीतने की उम्मीद है, हालांकि, इस बार जीत का अंतर पिछले चुनावों जितना बड़ा नहीं होगा।

एन.डी.ए. सूत्रों के अनुसार, इसीलिए हर वोट पर नज़र रखी जा रही है।

उपराष्ट्रपति का चुनाव सभी सांसद गुप्त मतदान से करते हैं। इसका मतलब है कि सांसद अपनी इच्छा से वोट डाल सकते हैं, हालांकि ज़्यादातर समय वे पार्टी लाइन पर चलते हैं। फिर भी, क्रॉस वोटिंग आम है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन रेड्डी की वायएसआर कांग्रेस और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री, के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पहले भी कई बार भाजपा का समर्थन कर चुकी हैं।

उदाहरण के लिए, 2022 में जगदीप धनखड़ ने तीन दशकों में सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी, जब उन्हें विपक्षी खेमे से भी समर्थन मिला था। इसमें वायएसआर कांग्रेस और उस समय ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल (बीजद) का भी समर्थन शामिल था। धनखड़ को लगभग 75 प्रतिशत वोट मिले थे।

इस बार भी क्रॉस वोटिंग की संभावना जताई जा रही है।

वर्तमान में राज्यसभा में 239 और लोकसभा में 542 सांसद हैं। यानी कुल 781 सांसद वोट डालने के पात्र हैं और बहुमत का आंकड़ा 391 है। एनडीए के पास 425 सांसद हैं। इस हिसाब से भाजपा के उम्मीदवार, महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, साफ़ तौर पर विजेता दिखते हैं, जब तक कि भारी क्रॉस वोटिंग न हो।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा को 2022 की तरह औपचारिक गठबंधन से बाहर का समर्थन मिलने का भरोसा भी है। जगन रेड्डी की वायएसआर कांग्रेस पहले ही राधाकृष्णन को समर्थन दे चुकी है।

वायएसआर कांग्रेस के पास कुल 11 सांसद हैं, राज्यसभा में सात और लोकसभा में चार।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पीलीभीत में नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ी

पीलीभीत, 08 सितंबर। नेपाल में बैन-भ्रष्टाचार के विरुद्ध संसद में घुसे युवाओं पर सेना की फायरिंग में 20 मौतों और 250 घायलों के घटे घटना क्रम के बाद पीलीभीत नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा को पर प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। पीलीभीत के जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह

- नेपाल में हिंसक घटनाक्रम के बाद पीलीभीत प्रशासन ने सशस्त्र सीमा बल को बॉर्डर पर तैनात किया है।

एवं एसएसपी अभिषेक यादव ने बताया कि घटना क्रम की जानकारी के बाद नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एसएसबी सशस्त्र सीमा बल को सतर्क किया गया है। घटना क्रम का संज्ञान लेते हुए वहां के घटना क्रम पर दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए गए है। दोनों अधिकारियों ने पीलीभीत से सटी नेपाल सीमा पर किसी भी प्रतिबंध एवं कर्फ्यू लगाए जाने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वो बात सारे फसाने में जिसका ज़िक्र ना था, वो बात उनको बहुत ना-गवार गुज़री है'

राजस्थान हाईकोर्ट की डबल बैंच ने 20 मिनट की सुनवाई के बाद एसआई भर्ती प्रकरण में सिंगल बैंच के 202 पेज के आदेश पर अंतरिम रोक लगाई

- डबल बैंच ने स्टे देते हुए सवाल उठाया है कि, याचिकाकर्ता ने जो एस.आई.टी. रिपोर्ट एकलपीठ में पेश की थी, वह रिपोर्ट वास्तविक है या नहीं?
- बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि एसआई भर्ती 2021 केस में हाईकोर्ट की एकलपीठ के समक्ष प्रस्तुत जिस एसआईटी रिपोर्ट पर डबल बैंच सवाल उठा रही है उसे ना तो कभी एसओजी ने झूठा बताया और ना ही राज्य सरकार या प्रतिवादी पक्ष ने इसे चुनौती दी, फिर खंडपीठ सवाल क्यों खड़े कर रही है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर 8 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में एकलपीठ के गत 28 अगस्त के आदेश पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। इस मामले की अगली तारीख 8 अक्टूबर को रखी गयी है। अदालत ने इस मामले पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि, अगली सुनवाई तक इस भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को फील्ड पोस्टिंग नहीं दी जाये, परंतु वह ट्रेनिंग में हिस्सा ले सकते हैं। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश अमर सिंह व अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। गौरतलब है कि एकलपीठ ने गत 28 अगस्त को याचिकाओं पर फैसला करते हुए भर्ती रद्द करने की मंशा जताते हुए राज्य सरकार को आरपीएससी में विस्तृत रिपोर्ट देने और उसके बाद आगामी कार्रवाई के आदेश दिए थे।

इस मामले में खंडपीठ ने यह सवाल उठाया कि, एकलपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान प्रस्तुत की गई याचिका में एस.ओ.जी. द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एस.आई.टी.) की जो रिपोर्ट संलग्न की गई थी, उसे एडीजी एस.ओ.जी. द्वारा सत्यापित किया गया था या नहीं। अदालत ने अपील में आए याचिकाकर्ता की ओर से पूछा गया कि सिंगल बैंच में याचिका दायर करने वालों के पास एस.ओ.जी. की रिपोर्ट कहां से आई, क्योंकि यह रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं थी। इस प्रश्न को उठाते हुए अदालत में अपने आदेश में कहा कि, वह इस बिंदु पर संतुष्ट नहीं हुए कि यह रिपोर्ट कैसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत की गई और इसकी वास्तविकता क्या है?

गौरतलब है कि एकलपीठ के समक्ष अदालती आदेशों पर इस मामले में एस.ओ.जी. द्वारा ही चार्जशीट और अपनी रिपोर्ट भी पेश की गई थी। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से भी जांच पडताल के संबंधित सभी दस्तावेज गृह विभाग की सिफारिश, एस.ओ.जी. की एसआईटी की सिफारिश, मंत्रिमंडलीय समिति की सिफारिश और गृह विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय को दी गई सिफारिश के दस्तावेज अदालत में मुहैया करवाए गए थे। इसके अलावा इस मामले में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता तथा महाधिवक्ता और प्रतिवादी पक्ष के अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता पेश हुए थे। इसके अलावा याचिकाकर्ता की ओर से भी वरिष्ठ अधिवक्ता पेश हुए थे और साथ ही कम से कम 2 बार अदालत के सवालों के जवाब देने के लिए ए.डी.जी. वी.के.सिंह अदालत में पेश हुए थे।

एकलपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान किसी भी पक्ष द्वारा कभी भी याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत एसआईटी की रिपोर्ट की वास्तविकता पर सवाल नहीं उठाया गया और यह भी नहीं कहा कि उसे निजी स्वार्थ अथवा दुर्भावनावश फेरबदल किया गया है। इस मामले में रोचक बात यह है कि, एक तरफ राज्य सरकार ने ही दिसंबर-2023 में सत्ता में आते ही एस.आई. भर्ती-2021 की जांच एसओजी को सौंप दी थी। परंतु अदालत के समक्ष के सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हो गया था कि, कई कारण जो कि राजनैतिक प्रतीत हो रहे थे, की वजह से परीक्षा रद्द करने के विरोध में ही अदालत में जिरह की थी। जबकि स्वयं महाधिवक्ता अपनी कानूनी राय में कह चुके थे कि, एस.आई.टी. की जांच से स्पष्ट होता है, इस मामले में दूध का दूध-पानी का पानी नहीं किया जा सकता और वास्तविक अभ्यर्थियों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संघ के सरकार्यवाह होसबोले जोधपुर एम्स में भर्ती

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की तबीयत बिगड़ गई। बीपी हाई होने पर उनको एम्स में भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों की टीम की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। एम्स की सूचना पर पुलिस अधिकारी

- दोपहर में अचानक बीपी हाई हो जाने के कारण उन्हें भर्ती कराया गया।

भी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार, 5 से 7 सितंबर तक जोधपुर में आर एस एस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत बैठक में शामिल होने के लिए 1 सितंबर को ही जोधपुर आ गये थे। अगले दिन 2 सितंबर को दत्तात्रेय होसबोले पहुंचे। दोनों लोगों ने 7 सितंबर तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक ली। बैठक के बाद,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK

विचार बिन्दु

जहाँ चक्रवर्ती सम्राट की तलवार कुंठित हो जाती है, वहाँ महापुरुष का एक मधुर वचन ही काम कर देता है। –हरिऔध

उमर खालिद की जमानत याचिका निरस्त होने के निहितार्थ

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवीन चावला और शैलेंद्र कौर की खंडपीठ ने उमर खालिद और आठ अन्य लोगों के विरुद्ध यू ए पी ए और भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत चल रहे प्रकरण में जमानत याचिका 2 सितंबर 25 को खारिज कर दी । यह छठी बार था जब उमर खालिद की याचिका खारिज की गई। यहां यह लिखना प्रासंगिक होगा कि बलात्कार के आरोप में दोषी और सजा याफ़्ता आसाराम और बाबा राम रहीम अनेक पार पेरोल पर जेल से बाहर आ चुके हैं।

आइए, देखते हैं, उमर खालिद और आठ अन्य लोगों पर वास्तव में क्या आरोप हैं? इनके विरुद्ध फरवरी,2020 में दिल्ली में हुए दंगों की साजिश रचने का आरोप है। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे। इन पर यू ए पी ए भी लगाया गया है। जमानत याचिका खारिज करने वाले 133 पृष्ठों के निर्णय में न्यायालय ने विस्तार से यह लिखा है कि अभियुक्तों ने आतंकवादी गतिविधियां फैलाने के लिए सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र किया, देश को विदेशों में बदनाम किया एवं सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया । यह उल्लेखनीय है कि उमर खालिद और आठ अन्य लोग गत 5 वर्षों से जेल में बंद हैं। इनके विरुद्ध अभी तक न्यायालय में सुनवाई प्रारंभ भी नहीं हो पाई है । अब तक छह बार इनकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अनेक बार यह कह चुके हैं कि न्यायिक प्रकरणों में जेल अपवाद है और बेल यानि जमानत ,नियम । उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज कर के यह स्पष्ट संदेश दे दिया गया है कि यह सिद्धांत सभी लोगों के लिए समान रूप से लागू नहीं होता है । प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और चुनाव विश्लेषक योगेंद्र यादव ने 'इंडियन एक्सप्रेस' में दिनांक 5 सितंबर 2025 को प्रकाशित अपने लेख में यह स्पष्ट बताया है कि मुंबई में जनवरी, 2020 में आयोजित एक बड़े सम्मेलन में जो बातें उमर खालिद ने नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में कही थीं, उस सम्मेलन में वह भी मौजूद थे। उन्होंने भी लगभग वही बातें कही थीं । अतः, उन्हें भी जेल में होना चाहिए था। उन्हें तो एक बार भी पूछताछ तक के लिए नहीं बुलाया गया। इस सम्मेलन में लगभग एक लाख व्यक्ति उपस्थित थे। अतः एक संदेश तो यह गया है कि देश के सभी नागरिकों के लिए कानून समान रूप से लागू नहीं होता। यदि आप बहुत संख्यक वर्ग से हैं तो कानून एक तरह से लागू होगा और यदि अल्पसंख्यक वर्ग से हैं तो वही अलग तरह से लागू होगा ।

इसी प्रकार यदि आप सरकार समर्थक विचार के हैं तो आप के साथ उदारता बरती जाएगी और यदि विरोधी विचार के हैं तो वही कानून पूरी सख्ती के साथ लागू किया जाएगा। यह भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत है, जिसकी प्रस्तावना में कहा गया है कि देश के सभी नागरिकों को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय बिना जाति, धर्म, लिंग, भाषा का भेदभाव के सुनिश्चित कराया जाएगा। उमर खालिद से संबंधित यह निर्णय संविधान की मूल भावना पर गहरी चोट करता है। यह प्रकरण उसी प्रकार इतिहास में कुख्यात होगा जिस प्रकार एडीएम जबलपुर वाला मामला, जिसका निर्णय आपातकाल में दिया गया था और जिसे आज भी नागरिक अधिकारों के हनन के फैसले के रूप में याद किया जाता है।

अभियुक्त के वकीलों ने जब न्यायालय का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि 5 वर्ष तक बिना ट्रायल के उनके पक्षकार जेल में बंद हैं और इस कारण उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है तो न्यायालय ने कहा कि प्रकरण सामान्य गति से चल रहा है और न्याय मिलेगा । यह समझ से परे है कि 5 वर्ष तक ट्रायल प्रारंभ न होना क्या सामान्य गति है? तो फिर, असामान्य गति किसे कहेंगे?

इस निर्णय से दूसरा संदेश यह जाता है कि यदि आप सरकार की विचारधारा के समर्थक हैं तो आपको कानूनी संरक्षण प्राप्त होगा और आपके नागरिक अधिकारों की रक्षा भी होगी, किंतु यदि आप सरकार के किसी भी निर्णय के विरुद्ध खड़े हैं तो फिर न केवल सरकार बल्कि न्यायपालिका भी आपके अधिकारों का हनन करने के लिए तत्पर दिखाई देगी। माना जाता है कि सरकार जब नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करे तो न्यायपालिका उसकी रक्षा के लिए आगे आएगी। इस प्रकरण में तो ऐसा लगता है, सरकार के दमनकारी रवैये पर न्यायालय ने भी एक प्रकार से न्यायिक मुहर लगा दी है। ऐसे में सामान्य नागरिक क्या करेगा और कहां जाएगा ? संदेश स्पष्ट है, आपकी जो भी विचारधारा हो उसे आप अपने तक सीमित रखिए उसे सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त मत करिए और भूल कर भी सरकार की किसी नीति या निर्णय की सार्वजनिक रूप से आलोचना मत करिए ।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णयों में कई बार कहा है कि केवल अपने विचार को अभिव्यक्त करना, व्हाट्सएप पर संदेश भेजना, कविता लिखना, नारा लगाना या सरकार कके किसी कानून के विरोध में प्रदर्शन करने को आतंकवादी गतिविधि नहीं माना जा सकता । इसी तर्क के आधार पर अनेक आरोपियों को जमानत भी मिली है। यह जानना भी रोचक है की उमर खालिद वाले प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय में 14 बार तारीख बदली गई । कुछ न्यायाधीशों ने अपने आपको इसकी सुनवाई से अलग कर लिया । इसके कारण सरकार आरोपियों को जेल में रखने में सफल हुई। होना तो यह चाहिए था कि जो व्यक्ति बिना दोष सिद्ध हुए जेल में बंद हो उसके प्रकरण का निस्तारण शीघ्र किया जाना चाहिए था।

> **जब न्यायपालिका भी अपने आपको स्वतंत्र अनुभव नहीं करेगी एवं दबाव में काम करती दिखाई देगी तो फिर लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होने की आशंका उत्पन्न होती है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत को एक कमजोर लोकतंत्र के रूप में देखा जाने लगा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैमाने पर भारत दुनिया के नीचे पायदान वाले देशों में सम्मिलित हो गया है।**

उमर खालिद और उसके साथियों का दोष केवल यह था कि उसने सी ए ए के विरुद्ध प्रदर्शन में बैठे हुए लोगों का साथ दिया और उनके समर्थन में भाषण दिए और उसने इसे मुसलमान विरोधी बताया।

जब दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मुरलीधर ने भड़काऊ भाषण देने और गोली मारने के लिए उकसाने वाले मंत्री अनुराग ठाकुर, भाजपा नेता कपिल मिश्रा एवं अन्य लोगों के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज करने के आदेश दिए तो रातों-रात न्यायाधीश मुरलीधर का स्थानांतरण दिल्ली से बाहर कर दिया गया ताकि वह इस प्रकरण को न सुन सकें न उसके ऊपर कोई निर्णय दे सकें। यही नहीं, वरिष्ठ होने के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश भी इन्हें नहीं बनाया गया ।

इससे यह संदेश दिया गया कि जो न्यायाधीश सरकार की इच्छानुसार सत्ताधारी लोगों के पक्ष में निर्णय नहीं देंगे उनके प्रति सरकार कड़ा रुख अपनाएगी ऐसा हमने गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अकील अहमद कुरैशी के मामले में भी देखा था जिन्हें योग्य और वरिष्ठ होने के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नहीं बनाया गया। न्यायाधीश पंचोली की हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति कर दी गई जबकि इसका स्पष्ट विरोध सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश एवं कॉलेजियम की सदस्य न्यायमूर्ति नागरत्ना ने किया था। उन्होंने अपनी विमत वाली टिप्पणी को सार्वजनिक करने हेतु कहा था किंतु ऐसा नहीं किया गया ।

जब न्यायपालिका भी अपने आपको स्वतंत्र अनुभव नहीं करेगी एवं दबाव में काम करती दिखाई देगी तो फिर लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होने की आशंका उत्पन्न होती है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत को एक कमजोर लोकतंत्र के रूप में देखा जाने लगा है।अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैमाने पर भारत दुनिया के नीचे पायदान वाले देशों में सम्मिलित हो गया है।

न्यायपालिका का समझौतावादी दृष्टिकोण बिहार के एस आई आर (मतदाता सूचियों का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) वाले प्रकरण से भी स्पष्ट होता है। इसके कारण होने वाली अनेक समस्याओं को प्रभावी रूप से न्यायालय में प्रस्तुत करने के बावजूद इसे अभी तक निरस्त नहीं किया गया। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश कोई अंतिम स्पष्ट आदेश जारी करते हैं अथवा नहीं ? यदि ऐसा नहीं किया गया तो सितंबर के अंत में चुनाव आयोग बिहार के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर देगा और उसके बाद न्यायालय का दखल वैसे ही संभव नहीं हो पाएगा ।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सबसे प्रमुख मौलिक अधिकार है जो लोकतंत्र का प्रमुख स्तंभ भी है । इसी अधिकार पर कार्यपालिका द्वारा लगातार प्रहार किया जा रहा है। कुछ न्यायाधीशों ने साहस करके समय-समय पर इस अधिकार की रक्षा करने का प्रयास भी किया है।

जिस प्रकार से न्यायिक नियुक्तियां में समझौता किया जा रहा है उससे तो लगता है आने वाले समय में न्यायपालिका, कार्यपालिका एवं विधायिका की इच्छा अनुसार ही काम करता हुई दिखाई देगी । यह लोकतंत्र के लिए घातक होगा और फिर देश अघोषित आपातकाल की स्थिति में पहुंच जाएगा।

सभी सरकारी और संवैधानिक संस्थाओं में तो सरकार ने अपनी पसंद के लोगों की नियुक्तियां पहले ही कर रखी हैं । केवल न्यायपालिका कभी कभार स्वतंत्र दिखाई देती है ।

उमर खालिद की जिस प्रकार से जमानत याचिका रद्द की गई है, उसे देखते हुए यह आशंका हो गई है कि अब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की कोई संस्था साहस ही नहीं करे। यह देश के लिए चिंता का विषय है। ऐसा सामान्यतया "banana republic" देशों में होता है । भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यहां का संविधान सर्वश्रेष्ठ है। यह 145 करोड लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है । इसे बचाने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है क्योंकि गणतंत्र में उसी की सत्ता सर्वोच्च है। असहमति लोकतंत्र की आत्मा है, ऐसा हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है। इसे बचाने की जिम्मेदारी भी सबसे अधिक उन्हीं की है। आशा है, उमर खालिद और उसके आठ साथी शीघ्र जेल से बाहर आएंगे और सच्चे देशभक्त की तरह देश को आगे बढ़ाने में अपना पूरा योगदान देंगे, अहिंसक जन आंदोलन चलाने को किसी भी रूप में आतंकवादी गतिविधि नहीं माना जाना चाहिए। लोगों को संगठित करना और प्रदर्शन करना गांधी, वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद और डॉ बी आर अंबेडकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों ने ही सिखाया है। आशा है संवैधानिक संस्थाएं, विशेषकर न्यायपालिका, पूरी निष्पक्षता और निर्भीकता से नागरिकों के संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों की रक्षा करके लोकतंत्र को सुदृढ़ करने का कार्य करेंगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

शैक्षणिक संस्थान - बुनियादी ढाँचे स्थापित करने के बाद ही खोले जाएं

अशोक कुमार

आज की दुनिया में शिक्षा का महत्व बहुत बढ़ गया है, और शिक्षण संस्थानों का बुनियादी ढाँचा इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किसी भी शिक्षण संस्थान की स्थापना से पहले यह सुनिश्चित करना कि उसके पास आवश्यक बुनियादी ढाँचा है, शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारत में नए शिक्षण संस्थानों की स्थापना एक गंभीर मुद्दा है। अक्सर देखा जाता है कि नए स्कूल, कॉलेज, और विश्वविद्यालय बिना पर्याप्त बुनियादी ढांचे के ही खोल दिए जाते हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि नए संस्थान तभी स्थापित किए जाएं जब उनके पास सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों।

एक शिक्षण संस्थान केवल इमारत नहीं है, बल्कि एक ऐसा वातावरण है जहाँ ज्ञान का आदान-प्रदान होता है। एक अच्छी तरह से बनी हुई इमारत, हवादार क्लासरूम, और पर्याप्त रोशनी छात्रों को सीखने के लिए एक बेहतर माहौल प्रदान करते हैं। यह छात्रों की एकाग्रता और शिक्षकों के प्रदर्शन को भी बढ़ाता है।

आज के समय में सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और कार्यशालाएं आवश्यक हैं। बिना इनके, छात्र केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रह जाते हैं और उन्हें व्यावहारिक अनुभव नहीं मिल पाता।

वर्तमान स्थिति और समस्याएं

वर्तमान में, भारत में शिक्षा क्षेत्र में मात्रा पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जबकि गुणवत्ता को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है।

अधूरी इमारतें: कई संस्थानों के पास पूरी तरह से बने हुए भवन नहीं होते। क्लासरूम, लाइब्रेरी, और प्रशासनिक कार्यालय आधे-अधूरे होते हैं।

शिक्षकों की कमी: सबसे बड़ी चुनौती योग्य और पर्याप्त शिक्षकों की कमी है। कई संस्थान सिर्फ कागजों पर ही चलते हैं, और वहां पढ़ाने वाले शिक्षक या तो अनुपलब्ध होते हैं या फिर उन्हें सही वेतन नहीं मिलता, जिससे उनका मनोबल कम होता है।

प्रयोगशाला और पुस्तकालय का अभाव: विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के लिए प्रयोगशालाएं और सभी विषयों के लिए पुस्तकालय अत्यंत आवश्यक हैं। बिना पर्याप्त उपकरणों और किताबों के, छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान मिलता है, जो उनके भविष्य के लिए पर्याप्त नहीं होता।

कर्मचारियों की कमी: शिक्षण संस्थानों को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रशासनिक और सहायक कर्मचारियों की भी आवश्यकता होती है, जिनका अक्सर अभाव होता है।

यह स्थिति न केवल छात्रों के भविष्य को खतरे में डालती है, बल्कि पूरे शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को भी कम करती है।

वर्तमान में प्रमुख समस्याएं

भारत में कई नए शिक्षण संस्थान बिना पर्याप्त तैयारी के खोले जाते हैं। इसके कुछ प्रमुख कारण हैं:

निजीकरण और मुनाफाखोरी: कई बार, निजी संस्थान शिक्षा को एक व्यवसाय के रूप में देखते हैं, और जल्द से जल्द मुनाफा कमाना चाहते हैं। इस प्रक्रिया में, वे लागत कम करने के लिए बुनियादी ढाँचे पर खर्च नहीं करते।

सरकार की ढिलाई: नियामक निकाय (जैसे UGC और AICTE) द्वारा बनाए गए नियमों का सख्ती से पालन नहीं कराया जाता। निरीक्षण अक्सर कागजी कार्यवाही तक ही सीमित रह जाते हैं।

राजनीतिक दबाव: कुछ मामलों में, राजनीतिक प्रभाव के कारण भी संस्थानों को बिना पर्याप्त सुविधाओं के ही मान्यता मिल जाती है।

समाधान: सम्पूर्ण बुनियादी ढांचे के बाद ही स्थापना

समस्या का समाधान करने के लिए, सरकार और नियामक निकायों को कुछ कड़े कदम उठाने होंगे:

सख्त नियम और उनका पालन: नए शिक्षण संस्थानों को मान्यता देने से पहले सभी आवश्यक बुनियादी ढाँचों का भौतिक सत्यापन (physical verification) अनिवार्य किया जाना चाहिए। शिक्षकों की भर्ती: यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि किसी भी संस्थान को मान्यता देने से पहले, वहाँ पर्याप्त संख्या में योग्य शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी हो। लोगों को भी इस विषय पर जागरूक होना चाहिए। छात्रों और अभिभावकों को किसी भी संस्थान में दाखिला लेने से पहले उसके बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं की जांच करनी चाहिए।

सरकार और नियामक निकाय (Regulatory Bodies) नए शिक्षण संस्थानों को तभी लाइसेंस या मान्यता दें, जब वे निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करें:

भवन और क्लासरूम: संस्थान के पास सभी आवश्यक क्लासरूम, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, और प्रशासनिक कार्यालय पूरी तरह से तैयार हों।

योग्य शिक्षक: नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो चुकी हो और सभी शैक्षणिक पदों पर योग्य और अनुभवी शिक्षक नियुक्त हों। शिक्षकों की संख्या छात्रों के अनुपात (Student-Teacher Ratio) के अनुसार होनी चाहिए। बिना उचित बुनियादी ढाँचे के योग्य शिक्षक उस संस्थान से जुड़ने में हिचकिचाते हैं। एक अच्छी तरह से सुसज्जित संस्थान, जिसमें शिक्षकों के लिए स्टाफ रूम, लाइब्रेरी और अन्य सुविधाएं हों, उन्हें बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करती हैं।

पूर्ण कर्मचारी: प्रशासनिक और सहायक कर्मचारियों की भर्ती भी पूरी हो चुकी हो, ताकि संस्थान का दैनिक कामकाज सुचारू रूप से चल सके।

आधुनिक प्रयोगशालाएं: विज्ञान, इंजीनियरिंग, और अन्य विषयों के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हों।

पुस्तकालय और संसाधन: एक विशाल और सुव्यवस्थित पुस्तकालय हो जिसमें पर्याप्त किताबें, जर्नल्स और डिजिटल संसाधन उपलब्ध हों।

छात्रों के समग्र विकास के लिए: बुनियादी ढाँचे में सिर्फ क्लासरूम ही नहीं, बल्कि खेल के मैदान, कैफेटेरिया, सभागार और अन्य गतिविधियां शामिल होती हैं। ये सभी छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं।

संक्षेप में, **"शैक्षणिक संस्थान बुनियादी ढाँचे स्थापित करने के बाद ही खोले जाएँ" का सिद्धांत केवल एक सुझाव नहीं है, बल्कि एक** आवश्यकता है। यह शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने, छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने, और भारत को एक मजबूत ज्ञान अर्थव्यवस्था बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय; पूर्व विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ब्रॉडगेज विद्युतीकरण और सौर ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रगति के पथ पर अजमेर मंडल

अजमेर मंडल पर ब्रॉडगेज के सभी खंडों पर 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूर्ण

अजमेर, (कासं)। अजमेर मंडल पर ब्रॉडगेज के सभी खंडों पर 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूर्ण कर लिया गया है। डीआरएम राजू भूतड़ा ने कहा कि भारतीय रेल में आजादी से पूर्व वर्ष 1925 को प्रथम इलेक्ट्रिक गाड़ी का संचालन मुंबई व कुर्ला स्टेशन के बीच किया गया था। इस प्रकार इलेक्ट्रिक गाड़ियों का संचालन करते हुए भारतीय रेलवे को 100 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इस 100 वें वर्ष में अब अजमेर मंडल भी पूर्ण रूप से ब्रॉडगेज खंड पर इलेक्ट्रीफाइड हो गया है और अधिकांश गाड़ियों का संचालन विद्युत इंजन द्वारा किया जा रहा है। अजमेर मंडल ने मावली-नाथद्वारा खंड का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में अपने समस्त ब्रॉडगेज रेल मार्गों का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

- **वर्तमान में अजमेर मंडल के अंतर्गत 110 जोड़ी यात्री ट्रेनों का संचालन विद्युत इंजन के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे न केवल इंधन की बचत हो रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है**
- **अब तक मंडल में कुल 1030.21 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है**

भूतड़ा ने कहा कि अब तक मंडल में कुल 1030.21 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया जा चुका है। इस वर्ष 194 करोड़ की लागत के 210 किलोमीटर लंबे उदयपुर-हिम्मतनगर खंड का विद्युतीकरण कार्य भी पूर्ण किया गया तथा इस खंड में 07 जोड़ी यात्री ट्रेनों का संचालन इलेक्ट्रिक ट्रॅक्शन पर प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में अजमेर मंडल के अंतर्गत 110 जोड़ी यात्री ट्रेनों का संचालन विद्युत इंजन के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे न केवल इंधन की बचत हो रही है बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है। विद्युतीकरण के प्रमुख लाभों में डीजल के मुकाबले ऊर्जा दक्ष व इको फ्रेंडली होता है। जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य प्राप्ति में मददगार साबित होता है साथ ही आयातित डीजल पर निर्भरता भी कम होती है। अजमेर मंडल ने विगत समय में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की हैं। मंडल पर अब तक कुल 3590 किलोवॉट पावर क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किये गये हैं। इनसे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 में 72.3 लाख एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 34 लाख रूपये के राजस्व की बचत भी हुई है।

एनआईआरएफ-2025 रैंकिंग में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को 89वां स्थान मिला

यह स्थान उच्च शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में भारत के प्रमुख केंद्रों में स्थापित करता है

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 में भारत के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। विश्वविद्यालय श्रेणी में 89वां स्थान हासिल किया है, जो इसे उच्च शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में भारत के प्रमुख केंद्रों में स्थापित करता है। विश्वविद्यालय परिसर में इस उपलब्धि का जश्न मनाया गया।

- **यह रैंकिंग प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक, शोधकर्ता और कर्मचारी की सामूहिक मेहनत और समर्पण का परिणाम है : कुलपति प्रो. आनंद भालेराव**

इस उपलब्धि के साथ, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय अब भारत के शीर्ष उच्च शिक्षा संस्थानों की विशिष्ट श्रेणी में शामिल हो गया है और यह नए विकास, अवसरों और आकांक्षाओं के अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

इस अवसर पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने कहा कि यह रैंकिंग प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक, शोधकर्ता और कर्मचारी की सामूहिक मेहनत और समर्पण का परिणाम है। शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में स्थान बनाना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है, यह तो नियति का अद्भुत उपहार है। विश्वविद्यालय परिसर में इस उपलब्धि का जश्न बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। पूरे कैंपस में खुशी की लहर दौड़ गई और वातावरण आतिशबाज़ी, तालियों और हर्षोल्लास से गूंज उठा।

जालोर में आठ दिन से पेयजल आपूर्ति ठप्प

बारिश में विद्युत कटौती के चलते आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

जालोर, (कासं)। जालोर जिला मुख्यालय पर आठ दिन से पेयजल आपूर्ति नहीं होने से पेयजल संकट गहरा गया है। वहीं बारिश में विद्युत कटौती के चलते आमजन को परेशान का सामना करना पड रहा है।

जालोर में जलदाय विभाग की उदासीनता के चलते पिछले आठ दिन से पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। आठ दिन से पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोगों को मजबूरी में उच्च दाम पर पानी के टैंकर डलवाने पड़ रहे हैं। पानी की किल्लत के चलते पानी के टैंकर वाले मुँह मांगे दाम वसूल कर रहे हैं। वहीं बारिश में अघोषित विद्युत कटौती के चलते लोगों को बारिश में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत शिकायत का निवारण भी शिकायत दर्ज करवाने के कई दिनों बाद समाधान नहीं हो रहा है। विद्युत व पेयजल समस्या से शहरवासी परेशान हो रहे हैं, लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है।

जलदाय विभाग जालोर के जेईएन ने बताया कि विद्युत कटौती लगातार होने से पानी की सप्लाई टंकियों में नहीं हो पाई। वहीं स्थानीय कुंओं की मोटरों में भी पानी भर गया है। अब कुछ जगह विद्युत आपूर्ति बहाल हुई है। एक-दो दिन में नियमित पानी की आपूर्ति हो जायेगी।

राशिफल मंगलवार 9 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, डत्तरा भाद्रपद नक्षत्र सायं 6:07 तक, गंड योग रात्रि 11:59 तक, तैतिल करण प्रातः 7:51 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धियोग और राजयोग सूर्योदय से सायं 6:07 तक है। आज पंचक, ग्रहण वैध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया चर 9:19 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 1:57 तक, शुभ 3:50 से 5:03 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35

मेष

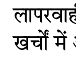

घर-गृहस्थी के खर्चों कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष

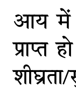

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन

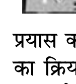

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

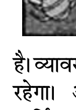

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

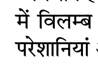

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

कन्या

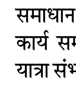

परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

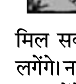

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

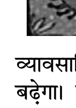

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु

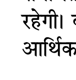

घर-परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

मकर

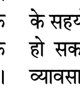

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं।

कुंभ

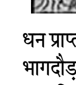

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

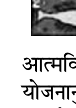

मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कांग्रेस विधायक स्पीकर की कुर्सी की ओर बढ़े तो सदन में बुलाने पड़े मार्शल

विपक्ष के हंगामे और विरोध के कारण सोमवार को 4 बार स्थगित हुई सदन की कार्यवाही

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । कांग्रेस विधायकों ने शून्यकाल में हंगामा और विरोध-प्रदर्शन करते हुए जब स्पीकर वासुदेव देवनानी की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो सदन में मार्शल बुलाने पड़े। दरअसल विपक्ष ने प्रदेश में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के नाम पर सोमवार को दिनभर विधानसभा में हंगामा किया। इस शोरगुल के कारण माहौल इतना बिगड़ा कि सदन की कार्यवाही भी 4 बार स्थगित करनी पड़ गई। दिनभर में हंगामे के बीच ही राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान जयपुर विधेयक-2025 ध्वनिमत से पारित हुआ।

दरअसल कांग्रेस, इस मानसून सत्र में लगातार अलग-अलग मुद्दे उठाकर सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर माहौल बनाने में जुटी है। पहले झालवाड़ हादसा, फिर फसल खराबे और अब कानून-व्यवस्था के नाम पर सोमवार को विरोध-प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस विधायक प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ने संबंधी नारे लिखे हुए पोस्टर पहनकर विधानसभा पहुंचे, जिस पर उन्हें स्पीकर वासुदेव देवनानी ने फटकार भी लगाई।

सुबह 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरु हुई, तभी विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पोस्टर पहनकर सदन में पहुंचे कांग्रेस सदस्यों से आग्रह किया कि इस तरह व्यवहार सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं और यह शोभा नहीं देता। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि यह राजस्थान विधानसभा की परम्परा एवं वैभवशाली इतिहास को तार-तार करने का काम किया गया हैं। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पोस्टर उतारते हुए कहा कि वह सदन की परम्परा का सम्मान करते हैं। इसके बाद देवनानी ने प्रश्न के लिए विधायक पूसाराम गोदारा का नाम पुकार लिया।

प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ने जैसे नारे लिखे हुए पोस्टर पहनकर कांग्रेसी विधायक सोमवार को विधानसभा पहुंचे और नारेबाजी कर विरोध-प्रदर्शन किया।

- प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के नाम पर कांग्रेस ने दिनभर विधानसभा में किया हंगामा
- दरअसल कांग्रेस, इस मानसून सत्र में लगातार अलग-अलग मुद्दे उठाकर सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर माहौल बनाने में जुटी है। पहले झालवाड़ हादसा, फिर फसल खराबे और अब कानून-व्यवस्था के नाम पर सोमवार को विरोध-प्रदर्शन किया गया।

प्रश्नकाल में एक-दो प्रश्न के उत्तर के दौरान मामूली शोरशराबा हुआ और प्रश्नकाल शांति से गुजर गया और शून्यकाल शुरु हो गया। शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव के तहत जब विधायक अपनी बात रख रहे थे, तभी कांग्रेस सदस्य पुनः प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर वैल में आ गए। विपक्ष की नारेबाजी के कारण सदन में शोरशराबा हुआ। देवनानी ने हंगामा कर रहे विधायकों को अपनी-अनी जगह पर जाने और सदन की गरिमा बनाये रखने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने और हंगामा जारी रहा। इस दौरान सदन की कार्यवाही चलती रही।

करीब 12 बजकर 51 मिनट पर कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन (स्पीकर की कुर्सी) की तरफ बढ़ने लगे। इस पर देवनानी ने मार्शल बुला लिए और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। तभी कांग्रेस विधायक रीटा चौधरी आगे आई और आसन की तरफ बढ़ने का प्रयास किया लेकिन महिला मार्शलों ने उन्हें भी रोक दिया। इस दौरान हंगामा जारी रहा और बाद में देवनानी ने 12 बजकर 54 मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी। इसके बाद 2 बजे सदन की कार्यवाही जैसे ही शुरु हुई, तो कांग्रेस के सदस्यों ने अपना हंगामा जारी रखा।

इस कारण अध्यक्ष ने पुनः 2:12 बजे सदन की कार्यवाही को अपराह्न 3 बजे तक के लिए दूसरी बार स्थगित कर दिया। जब 3 बजे भी गतिरोध नहीं टूटा तो तीसरी बार अपराह्न साढ़े 3 बजे और पुनः 4 बजे तक के लिए स्थगित की गई।

अपराह्न 4 बजे सदन की कार्यवाही फिर शुरु हुई और इस दौरान राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान जयपुर विधेयक-2025 को ध्वनिमत से पारित किया गया। इससे पहले इस विधेयक पर जब विधायक सुभाष गर्ग बोल रहे थे, तब सभापति संदीप शर्मा ने उनका समय समाप्त होने की बात कहते हुए अगले विधायक का नाम पुकारा तो नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें और समय देने की बात कही। इस बात पर भी सदन में थोड़ा शोर-शराबा हुआ। बाद में आसन पर आये वासुदेव देवनानी ने राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान जयपुर विधेयक 2025 के ध्वनिमत पारित होने के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित कर दी।

सदन में पोस्टर पहनकर पहुंचे कांग्रेसी विधायकों को स्पीकर ने फटकार लगाई

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को कानून-व्यवस्था को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। कांग्रेस ने राज्य में बढ़ते अपराध, पुलिस की कार्यशैली और महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। विधायक आवास से लेकर विधानसभा तक कांग्रेस विधायकों ने बैनर-पोस्टर पहनकर प्रदर्शन किया, जिसे लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नाराजगी जताते हुए इसे सदन की गरिमा के खिलाफ बताया। उनकी इस आपत्ति के बाद कांग्रेस विधायकों ने अपने-अपने पोस्टर-बैनर हटा लिए।

- विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इसे सदन की गरिमा के खिलाफ बताते हुए कहा कि ''विरोध प्रकट करने के मर्यादित तरीके भी हो सकते हैं, लेकिन सदन की परंपराओं और गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए।''खराबे और अब कानून-व्यवस्था के नाम पर सोमवार को विरोध-प्रदर्शन किया गया।

कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायक कानून-व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विधानसभा पहुंचे। उनके हाथों और शरीर पर पोस्टर-बैनर लगे हुए थे, जिन पर राज्य में हो रही आपराधिक घटनाओं और पुलिस ज्यादती के खिलाफ संदेश लिखे थे।

प्रदर्शन के बाद जब विधायक सदन में पहुंचे, तो स्पीकर ने इस तरीके को अनुचित बताते हुए फटकार लगाई। स्पीकर देवनानी ने कहा कि विरोध प्रकट करने के मर्यादित तरीके भी हो सकते हैं, लेकिन सदन की परंपराओं और गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए।

मीडिया से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राजस्थान में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की पुलिस खुद अपराधों में लिप्त है और 'मंथली' के नाम पर वसूली कर रही है। जूली ने कहा कि सरकार हिरासत में 11 मौतों की बात कह रही है, जबकि वास्तविक आंकड़ा 20 से अधिक है। उन्होंने दावा किया कि जिनकी मौतें हुई हैं, वे सभी गरीब और मजदूर वर्ग के लोग थे, जिन्हें पुलिस ने टॉर्चर किया।

जूली ने बांसवाड़ा की एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि वहां एक नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार हुआ, लेकिन सरकार चुप है। उन्होंने कहा कि चेन स्नेचिंग, साइबर ठगी और महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। जूली ने यह भी कहा कि जब जनप्रतिनिधियों को अपनी एफआईआर दर्ज कराने के लिए धरना देना पड़े, तो आम आदमी की स्थिति की कल्पना की जा सकती है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार ने एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य बनाया था, लेकिन मौजूदा सरकार ने अघोषित रूप से एफआईआर दर्ज करना बंद कर दिया है। अलवर, नागौर और मकराना की घटनाओं का जिक्र करते हुए जूली ने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार, दलितों के साथ भेदभाव जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के इस प्रदर्शन को नौटंकी करार देते हुए कहा कि यह विधानसभा की मर्यादा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि विपक्ष विधानसभा की परंपराओं को तार-तार कर रहा है और मुद्दों को राजनीतिक रंग देकर जनता को गुमराह कर रहा है। इसके जवाब में जूली ने कहा कि जब भाजपा विपक्ष में थीद्ध तब उन्होंने भी ऐसे ही प्रदर्शन किए थे। उन्होंने कहा कि यदि जनता के सवाल उठाना नौटंकी है, तो वह इसे बार-बार दोहराएंगे। राजस्थान विधानसभा का यह मानसून सत्र अब कानून-व्यवस्था और जनहित से जुड़े सवालों को लेकर और भी तीखा होने के संकेत दे रहा है। विपक्ष सरकार को हर मोर्चे पर घेरने के मूड में है, जबकि सत्तापक्ष इसे सिर्फ राजनीतिक ड्रामा करार दे रहा है।

झोटवाड़ा में हौम्योपैथिक डॉक्टर बनकर रह रहे थे सर्वोदय सोसायटी के शातिर ठग

ए.टी.एस. ने 50 हजार रुपये के इनामी इन दोनों शातिर बदमाशों को धर-दबोचा

जयपुर। आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) ने ऑपरेशन डेविल लॉयन एवं ऑपरेशन टंडन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार इनामी दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया। जिन पर पचास हजार रुपए का इनाम घोषित था। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एटीएस पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि एटीएस टीम ने वर्ष 2017 से फरार सर्वोदय आपरेटिव सोसायटी में निवेश करने के नाम पर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले इनामी आरोपित शैलेंद्र सिंह और ऋषि राज राठौड़ को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपित गांव गिरवा जिला बाडमेर हाल सिरोही जिला सिरोही के रहने वाले हैं। यह लोग झोटवाड़ा थाना इलाके में पहचान छिपा कर होम्योपैथिक डॉक्टर बन कर रहे थे। दोनों आरोपियों के पिता देना बैंक में कर्मचारी थेद्ध जो इस केस में गिरफ्तार भी हो चुके हैं। दोनों बदमाशों पर जालोर पुलिस अधीक्षक की ओर से 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पिछले 8 साल से दोनों बदमाश पुलिस को चकमा देकर फरारी काट रहे थे। इन दोनों बदमाशों पर 30 से भी अधिक मामले दर्ज हैं। इन दोनों ने कम समय में पैसे दोगुने करने का झांसा देकर लोगों की मेहनत के करोड़ों रुपए लूट लिए थे।जांच पड़ताल में सामने आया कि बदमाशों ने वर्ष 2009 में सर्वोदय आपरेटिव सोसाइटी सिरोही, पाली व जालोर में खोली। इन लोगों ने कुल 28 शाखाओं से यह शुरू किया था।

राज्यपाल बागडे ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ राज्य और राष्ट्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद भी किया। इस दौरान राज्यपाल ने मोदी को राजस्थान म ं अपने कार्यकाल के एक वर्ष के आलोक में प्रकाशित पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' की प्रति भी भेंट की। मोदी ने ''अभ्युदय की ओर'' पुस्तक का अवलोकन किया तथा उसकी सराहना की। मोदी ने बागडे के एक वर्ष के कार्यकाल को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके द्वारा डेयरी, सहकारिता और प्राकृतिक खेती के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने बागडे को जमीन से जुड़ा आदर्श व्यक्तित्व बताया। राज्यपाल बागडे ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों, विशेष रूप से नैक एक्रिडिएशन के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा आदिवासी कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। राज्यपाल ने राज्य के सभी 41 जिलों में केन्द्र एवं राज्य सरकार के विकास कार्यक्रमों, कल्याणकारी योजनाओं आदि के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए की गई समीक्षा बैठकों, सीमावर्ती क्षेत्रों के दौरों, डेयरी, सहकारिता एवं प्राकृतिक खेती के लिए प्रारंभ हुए कार्यों के बारे में जानकारी दी।

- ''अभ्युदय की ओर'' पुस्तक की प्रधानमंत्री ने की सराहना

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ राज्य और राष्ट्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद भी किया।

''मुंगेरीलाल के हसीन सपने'' देख रही कांग्रेस : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। राजस्थान में हाल ही में संपन्न नगर निकाय उपचुनावों को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखकर खुद को खुश कर रहे हैं।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 4 वार्डों में हुए उपचुनावों में कांग्रेस को केवल एक वार्ड में जीत मिली, जबकि भाजपा ने तीन वार्डों में स्पष्ट बहुमत हासिल किया। इसके बावजूद कांग्रेस 'ताल ठोकने' की राजनीति कर रही है, जो केवल एक दिखावा है।राठौड़ ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य में हुए कुल 80 उपचुनावों में से भाजपा ने 59 में जीत दर्ज की है, जो जनता के भाजपा के प्रति अटूट विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न प्रदेश में टिक पा रही है, न ही जनता के बीच उसका कोई भरोसा बचा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयान पर पलटवार करते हुए राठौड़ ने कहा, गहलोत कहते हैं कि भजनलाल से मुकाबले में मजा नहीं आ रहा, तो मैं पूछता हूं कि उपचुनावों में बार-बार हार के बाद भी मजा आ रहा है क्या? अगर अब भी मजा नहीं आया, तो आने वाले चुनावों में ऐसा चखाएंगे कि चारों खाने चित हो जाओगे।

आर.यू.एच.एस. और कैंसर इंस्टीट्यूट के विलय से जयपुर में बनेगा रिम्स

सरकार ने इसके विकास के लिए 750 करोड़ रु. का प्रावधान रखा, जिसमें शुरूआती चरण में 100 करोड़ रु. खर्च करके बुनियादी ढांचे का विकास किया जायेगा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राज्य सरकार ने सोमवार को विधानसभा में राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान, जयपुर विधेयक 2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इस विधेयक के पीछे सरकार ने मंशा जताई है कि, राजधानी जयपुर में एम्स की तर्ज पर 'रिम्स' (राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) की स्थापना की जायेगी।

- विपक्ष की नोंकझोंक के बीच विधानसभा से पारित हुआ राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान विधेयक
- उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि रिम्स में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, ट्रांसप्लांट यूनिट जैसी सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।खराबे और अब कानून-व्यवस्था के नाम पर सोमवार को विरोध-प्रदर्शन किया गया।

उपमुख्यमंत्री और चिकित्सा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने विधेयक पर जवाब देते हुए कहा कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार चिकित्सा क्षेत्र में लगातार नवाचार कर रही है और रिम्स उसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह संस्थान स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करेगा, जिसमें राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज और कैंसर इंस्टीट्यूट का विलय किया जाएगा।

डॉ. बैरवा ने बताया कि रिम्स के निर्माण और विकास के लिए बजट 2024-25 में 750 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है, जिसमें शुरुआती चरण में 100 करोड़ रुपये से बुनियादी ढांचे का विकास होगा। रिम्स में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, ट्रांसप्लांट यूनिट जैसी सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।यह संस्थान राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के तहत डिग्री, डिप्लोमा और अन्य चिकित्सा शिक्षा प्रदान करेगा। इसके अलावा क्वाटरनरी स्तर के रेफरल अस्पताल सेवाएं, आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान, आयुष पद्धितयों और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। रिम्स की गवर्निंग काउंसिल का अध्यक्ष राज्य का मुख्य सचिव होगा। इसमें राज्य और देशभर के प्रमुख चिकित्सा और अनुसंधान संस्थानों के निदेशकों को भी सदस्य बनाया गया है।

हालांकि, आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग ने बिल पर चर्चा के दौरान इस बात पर आपत्ति जताई कि गवर्निंग काउंसिल में एक भी जनप्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया है, जबकि एम्स की गवर्निंग काउंसिल में सांसद होते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ''क्या आप अफसरों को जनता का मालिक और विधायकों को उनका सेवक बनाना चाहते हैं? विधेयक पर बहस के दौरान सदन में गर्मागर्म माहौल देखने को मिला। कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने उपमुख्यमंत्री बैरवा से रिम्स का पूरा नाम पूछते हुए कटाक्ष किया और कहा कि ''उन्हें खुद संस्थान का नाम तक पता नहीं है, तो जवाब क्या देंगे?'' इस पर बैरवा ने पलटवार करते हुए कहा, आप वृद्ध हो चुके हैं, आपको च्यवनप्राश भिजवाऊंगा, ताकि याददाश्त ठीक रहे।

धारीवाल और खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के बीच भी तीखी नोकझोंक हुई। गोदारा ने कहा, आपको प्रदेश की तरक्की रास नहीं आ रही, आपके राज में क्या हुआ सबको पता है। जवाब में धारीवाल ने कहा, यह आपका विषय नहीं है, ज्यादा ज्ञानी बनने की कोशिश न करें। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच वाकयुद्ध और बढ़ गया।ज्ञात रहे कि सरकार ने रिम्स को स्वायत्त संस्था का दर्जा दिया गया है, जिसके लिए अलग वित्तीय कोष की स्थापना होगी। सरकार प्रतिवर्ष 5 करोड़ रुपये का अनुदान देगी, जिसे आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकेगा। संस्थान के कार्मिक यह तय कर सकेंगे कि वे राज्य सरकार की सेवा में रहेंगे या रिम्स में कार्य करेंगे। इसके लिए चयन समिति बनाई जाएगी। रिम्स बिल के साथ-साथ मत्स्य क्षेत्र संशोधन विधेयक भी सोमवार को पारित हो गया। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

एक किमी पैदल चलकर स्वास्तिक नगर के पीड़ितों के पास पहुंची दिया कुमारी

अजमेर के स्वास्तिक नगर में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पीड़ित परिवारों से बात की

अजमेर, (निसं)। अजमेर के बोराज तालाब की पाल टूटने से जलभराव के बाद जिले की प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सोमवार को स्वयं पीड़ितों के बीच पहुंची। वे करीब एक किलोमीटर तक पैदल चलकर जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्रों, कॉलोनी, पाल, खेत व आसपास के इलाके में पहुंची। उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात की और जल्द मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अनेक घरों को स्वयं अन्दर जाकर देखा। दिया कुमारी ने नुकसान पीड़ितों को क्षति की भरपाई शीघ्र करने को आश्वस्त कर ढांढस बंधाया। दिया कुमारी ने का कि क्षेत्रो में सर्वे के अनुसार परिवारों को मुआवजा दिलाया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने तालाब की पाल टूटने से जलभराव के पश्चात स्वास्तिक नगर में हुई क्षति का जिला कलक्टर लोकबंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा एवं एडीए व नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोराज तालाब की पाल टूटने से स्वास्तिक नगर सहित आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बनीं थी। इसके चलते भवनों एवं संपत्तियों को हुए नुकसान का सर्वे कराया गया है। प्रशासन द्वारा गुरूवार रात्रि से ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। जलभराव वाले क्षेत्रों से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। उनके लिए भोजन, पानी, दवा एवं ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने को निर्देशित किया है। प्रभावित व्यक्तियों के नुकसान का सर्वे कर मुआवजा एवं नियमानुसार क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा तालाब के पास जल बहाव और जलभराव के पश्चात क्षेत्र से निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी राजकीय विद्यालय में बनाए आश्रय स्थल पर भेजा गया था।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वे अनुसार त्वरित क्षतिपूर्ति की जाए। जल निकासी के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। साथ ही तालाब की पाल के पुनर्निर्माण और भविष्य में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए पुख्ता जल निकासी व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा पश्चात तालाब की पाल की मरम्मत कराई जाएगी और प्रभावितों को नियमानुसार क्षित के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है। उन्हें हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पूरे राजस्थान में अप्रत्याशित रूप से बारिश हुई है। इसे देखते हुए शहरों के ड्रेनेज सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से सुदृढ़ किया जाएगा। अजमेर में प्रशासन के द्वारा तत्परता से कार्य किया गया। इससे जनहानि से बचा जा सका। इस दौरान देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, अध्यक्ष रमेश सोनी, नगर निगम की महापौर ब्रजलता हाडा, उपमहापौर नीरज जैन, जिला कलेक्टर लोकबंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, अजमेर विकास प्राधिकरण की आयुक्त नित्य के., नगर निगम आयुक्त देशलदान, उपखंड अधिकारी गरिमा नरूला आदि मौजूद थे।

अजमेर के बोराज तालाब की पाल टूटने से जलभराव के बाद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी पीड़ितों के बीच पहुंची और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

- **दिया कुमारी ने अनेक घरों को स्वयं अन्दर जाकर देखा और नुकसान पीड़ितों को क्षति की भरपाई शीघ्र करने को आश्वस्त कर ढांढस बंधाया**

घग्घर नदी में पानी की आवक बढ़ने से चार गांवों का संपर्क टूटा, ग्रामीण परेशान

प्रभावित गांवों में 91 जीबी, 92 जीबी, 94 जीबी और पुराना बिंजोर शामिल हैं

- **ग्रामीणों को 90 जीबी जाने के लिए घग्घर नदी से होकर गुजरना पड़ रहा है**
- **90 जीबी के स्कूली बच्चों के लिए 92 जीबी में वैकल्पिक व्यवस्था की**

अनूपगढ़, (निसं)। क्षेत्र में घग्घर नदी में पानी की आवक बढ़ने से गांव 90 जीबी का चार गांवों से संपर्क टूट गया है। प्रभावित गांवों में 91 जीबी, 92 जीबी, 94 जीबी और पुराना बिंजोर शामिल हैं। ग्रामीणों को 90 जीबी जाने के लिए घग्घर नदी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

90 जीबी के सरकारी स्कूल में इन चारों गांवों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। अनूपगढ़ एसडीएम सुरेश राव ने समस्या का संज्ञान लेते हुए सीबीईओ पंकज जांगिड़ को वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए। इसके बाद 92 जीबी के सरकारी स्कूल में इन बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था की गई। स्कूल की प्रिंसिपल कंचन सेठिया के अनुसार, कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक अध्यापकों की ड्यूटी लगा दी गई है। विद्यार्थियों का अध्ययन कार्य शुरू हो गया है। एडीएम अशोक सांगवा, एसएचओ ईश्वर जांगिड़ और बीएसएफ के अधिकारी भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घग्घर नदी के पानी की स्थिति का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

गांव 90 जीबी की प्रिंसिपल कंचन सेतिया ने बताया कि विद्यार्थियों को सुरक्षित माध्यमों जैसे वर्क फ्रॉम होम या वॉट्सऐप से भी पढ़ाई करवानी शुरू में दी गई है। इसके अलावा सीबीईओ के निर्देशों की पालना करते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 90 जीबी प्रशासन ने 7 सितम्बर को आदेश जारी कर 91 जीबी, 92 जीबी और पुराना बिंजौर के लगभग 100 विद्यार्थियों की कक्षाएं अब 92 जीबी प्राथमिक विद्यालय में संचालित करने का निर्णय लिया। इसके लिए शिक्षकों की ड्यूटी रोटेशन आधार पर तय की गई है। एसडीएम सुरेश राव ने प्रभावित गांवों में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए एसडीआरएफ की मदद से नाव उपलब्ध कराने का निर्णय भी लिया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे सतर्क रहें।

गणपति विसर्जन के दौरान डूबे युवक का शव तीसरे दिन मिला

- **दूसरे युवक की तलाश जारी, पुलिस ने शव को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया**
- **रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एसडीआरएफ के एक जवान को नदी में सांप ने काट लिया था**

पाली, (निसं)। पाली के इंद्रा कॉलोनी निवासी 35 वर्षीय विजय सिंह, जो 6 सितंबर की शाम गणपति विसर्जन के दौरान नदी में डूब गया था, उसका शव सोमवार को मिला। घटना के तीन दिन बाद शव घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर बांड़ी नदी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के पास मिला। पुलिस ने शव को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया है।

इस घटना के दौरान विजय सिंह के साथ उसका दोस्त ललित सैन (32) भी नदी में बह गया था, जिसकी तलाश अब भी जारी है। एसडीआरएफ टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई है।

वहीं रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एसडीआरएफ के एक जवान को नदी में सांप ने काट लिया। उसे तुरंत उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इसकी जानकारी पर एसपी आदर्श सिंधु के साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपीन शर्मा बांगड़ अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सको से स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। गौरतलब है कि 6 सितंबर की शाम इंद्रा कॉलोनी में हाइवे की ओर जाने वाली रपट पर गणपति विसर्जन के दौरान दोनों युवक फिसलकर नदी के गहरे पानी में बह गए थे। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया था। दूसरे युवक के नहीं मिलने पर सोमवार को शहर के शिवाजी सर्कल पर युवक के परिजन और लोगों द्वारा जाम लगा प्रदर्शन किया।

नदी पार करते वृद्ध पानी में डूबा

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना क्षैत्र में नदी पार करते समय तेज बहाव में बहने पर पानी में डूबने से वृद्ध की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सायरा थाना क्षैत्र रोहेडा गांव निवासी जालूराम (60) पुत्र भावाराम गमेती सोमवार सवेरे नदी पार कर रहा था, जहां तेज बहाव के साथ पानी में बह गया, जिससे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। इसका पता चलने पर थानाधिकारी किशोरसिंह शक्तावत के नेतृत्व में एएसआई राजेन्द्रसिंह, कांस्टेबल नरपतराम मय टीम ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी, जहां एसडीएम शुभम, तहसीलदार राजेश मेहता मौके पर पहुंचे, जहां पुलिस एवं ग्रामीणों ने तलाश कर करीब डेढ़ किलोमीटर दूर तिरोल गांव के समीप नदी पेटे में जालूराम मृत हालत में मिला, जिसे बाहर निकाल पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

सर्पदंश से युवती की मौत

उदयपुर, (निसं)। खेत पर कृषि काम करते समय सांप के काटने से युवती की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सांय ऋषभदेव थाना क्षेत्र पगलियाजी निवासी सोनू (25) पुत्री कन्हैयालाल की सांप के काटने से मौत हो गई। सांप काटने से अचेत होने पर परिजन उसे ऋषीदेव चिकित्सालय ले गए, जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर हेडकांस्टेबल शंकरलाल ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

आर.पी.एस.सी. ने पेपर खुला मिलने की अफवाहों को खारिज़ किया

- **'2023 से सभी प्रश्न पत्र 7 स्तरीय सुरक्षा उपायों के साथ लेमिनेटेड मेटल बॉक्स में भेजे जाते हैं'**
- **आयोग अध्यक्ष यूआर साहू ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही होगी**

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रश्न पत्रों की सुरक्षा व्यवस्था का खुलासा करते हुए साफ़ किया कि पेपर खुला मिलने की अफवाहें निराधार हैं। आयोग अध्यक्ष यूआर साहू ने बताया कि 2023 से सभी प्रश्न पत्र 7 स्तरीय सुरक्षा उपायों के साथ लेमिनेटेड मेटल बॉक्स में भेजे जाते हैं। बॉक्स खोलने का कोड परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले ही केन्द्राधीक्षक के मोबाइल पर भेजा जाता है और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होती है।

आयोग अध्यक्ष साहू ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न पत्र प्रिंटिंग प्रेस से परीक्षा केंद्र पर पहुंचने था सात चक्रीय सुरक्षा व्यवस्था होती है। प्रमुख रूप से ओएमआर सहित एकल प्रश्न पत्र को पारदर्शी पॉलीपैक में सील किया जाता है। ऐसे 24 पैकों को अपूर्णतः अपारदर्शी पॉलीपैक में दोबारा पैक करते हैं। पैक को मेटल बॉक्स में रखा जाता है। बॉक्स पर एकाधिक नम्बर लॉक लगाए जाते हैं। प्रत्येक लॉक पर इंटैक्ट गम पेपर सील किया जाता है। बॉक्स पर अलग से सिक्योरिटी स्ट्रिप सील लगाई जाती है। अंत में मोटी प्लास्टिक शीट से पूरा बॉक्स लेमिनेट किया जाता है। बॉक्स खोलते समय केन्द्राधीक्षक के कक्ष में दो परीक्षार्थियों सहित कुल नौ लोग शामिल होते हैं। जिनमें केंद्राधीक्षक, सहायक, दो पर्यवेक्षक, दो राजकीय अभिजागर तथा वीडियोग्राफर मौजूद रहते हैं। वे पुष्टि करते हैं कि प्रश्न-पत्र सुरक्षित हैं। यह विवरण एक निर्धारित प्रपत्र में दर्ज होता है। किसी भी विसंगति पर परीक्षा शुरू होने से पहले ही आयोग को रिपोर्ट भेजी जाती है, जिससे रिवर्स ऑडिट कर चूक करने वाले की तुरंत पहचान हो सकती है। आयोग अध्यक्ष साहू ने वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा के दौरान 7 सितंबर को जोधपुर में एक अभ्यर्थी ने प्रश्न पत्र खुला होने की अफवाह फैलाई। जांच में सामने आया कि अभ्यर्थी को पूरी आस्तीन की शर्ट पहनने के कारण ड्रेस कोड में रोका गया था, जिससे नाराज़ होकर उसने झूठा प्रचार किया। आयोग ने उसे व्यक्तिगत सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया है।

अलवर मिनी सचिवालय को तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी का मेल मिला

- **आरडीएक्स की तलाश में दिन पर जुटी रही पुलिस, लेकिन कुछ नहीं मिला**

अलवर, (निसं)। अलवर मिनी सचिवालय को छह महीने में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सोमवार को फिर से प्रशासन के पास मेल आया। इसमें लिखा कि मिनी सचिवालय को आठ सितंबर को बम से उड़ा दिया जाएगा। इसके बाद कलेक्टर, एसपी सहित पूरा स्टाफ बाहर हो गया। आमजन को अंदर जाने से रोक दिया। मुख्य गेट बंद कर दिया गया। वहीं आरडीएक्स की तलाश में दिनभर पुलिस जुटी रही, लेकिन कुछ नहीं मिला।

जानकारी के अनुसार इसी तरह का गत 15 अप्रैल व 14 मई को भी धमकी भरा मेल आया था। हालांकि उस समय कुछ संदिग्ध नहीं मिला था। पहले की तरह इस बार भी धमकी भरा मेल आने के बाद मिनी सचिवालय से सबको बाहर कर दिया। अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। एडीएम बीना महावर ने बताया कि दो बार पहले जिस तरह मेल आया ठीक वैसे ही आया है। ये किसी ने जिले के अंदर से नहीं भेजा बल्कि बाहर से भेजा है। पहले भी चेन्नई से मेल आया था। इस बार भी चेन्नई काउंबटूर से आया हुआ लगता है। मेल की भाषा से नहीं लगता कि किसी ने जिले से भेजा है। फिर पुलिस के जरिए पूर मिनी सचिवालय की गहनता से जांच करा रहे रहे हैं। मुबीन साहून के नाम मेल आया है।

गौरतलब है कि 14 मई को सुबह करीब दस बजे के आस पास प्रशासन को मेल मिला, जिसमें लिखा था कि मिनी सचिवालय में अमोनियम नाइट्रेट फास्फेट लगा दिया है। दोपहर दो बजे से पहले विस्फोट कर उड़ा दिया जाएगा। एक महीने पहले भी मिनी सचिवालय में आरडीएक्स इंस्टॉल करने की धमकी दी थी। हालांकि दोनों बार मिनी सचिवालय परिसर की जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन प्रशासन में हड़कंप मंचा रहा। अब तीसरी बार भी उसी तरह मिनी सचिवालय को उड़ाने की धमकी का मेल आया है। 15 अप्रैल को देश के साउथ से अनजान मेल आया था। जिसमें लिखा था कि कलेक्ट्रेट में आरडीएक्स इंस्टॉल कर दिया है। मिनी सचिवालय को दोपहर 2 बजे तक बम से उड़ा दिया जाएगा। तब जयपुर से बम स्क्वायड टीम भी पहंची थी। लेकिन उस समय भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला था। उसके बाद अब 14 मई को सुबह 10 बजे के आसपास इसी तरह का मेल आया था। प्रशासन की ओर से पुराने मेल की जांच पूरी नहीं हो सकी है। असल में यह पता नहीं चल सका कि मेल कहां से आया। उसके बाद अब दुबारा मेल भेज दिया। प्रारंभिक तौर पर यह माना जा रहा है कि पहले जैसा मेल है। इसलिए उसी व्यक्ति की कारस्तानी है। पहले प्रशासन ने मुकदमा भी दर्ज कराया था।

जांच के दौरान पुलिस ने सभी को बाहर रोक दिया।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- अ.अ./विद्युत-II/राजकाज 17567675 दिनांक :- 04/09/2025

ई-बिड सूचना संख्या :- जोन विद्युत-II/10/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB CODE :- JOD2526A0132
UBN/TENDER ID :- JOD2526WSOB00269
कार्य की अधिकतम अनुमानित लागत – रूपये 14,91,482/–

राज.संवाद/सी/25/9421 अधिशाषी अभियंता (विद्युत-II)

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जो.वि.प्रा./जोधपुर/जोन MP-MLALAD/2025-26/राजकाज 17550630 दिनांक :- 03/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या :- 02 जोन-MLALAD/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदार से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद एवं ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB CODE :- JOD2526A0133, UBN No. :- JOD2526WSOB00270, 00271

राज.संवाद/सी/25/9410 अधिशाषी अभियंता (MP-MLALAD)

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)

क्रमांक :– 129 दिनांक – 28.08.2025

ई–निविदा सूचना वर्ष 2025–26

नगर पालिका सूरौठ द्वारा वर्ष 2025–26 के तहत स्टोर शाखा/संस्थापन शाखा से सामाग्री आपूर्ति एवं अन्य कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई–निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसमें पंजीकृत संवेदको/एन.जी.ओ./प्लेसमेन्ट एजेन्सियों/उत्पादको/संभरण कर्ताओ एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको को ई–निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

NIB CODE : DLB2526A5414

राज.संवाद/सी/25/9385 अध्यक्ष नगर पालिका सूरौठ — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ

कार्यालय, सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, बीकानेर

ई-निविदा सूचना संख्या 04-05/2025-26

राज्य सरकार द्वारा देवस्थान विभाग की बजट घोषणा 36.24.00 वर्ष 2025-26 में इस कार्यालय के नियंत्रणाधीन जिला बीकानेर व चूरू में स्थित राजकीय आत्म निर्भर मंदिर एवं राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिरों में विशेष साज-सज्जा व आरती के कार्यक्रम पर्व मनाया जाना प्रस्तावित है। इस बाबत निम्नलिखित कार्यो/सामग्री आपूर्ति के लिए कार्य की प्रकृति अनुसार सम्बन्धित ठेकेदार आदि से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट www.devasthan.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in तथा htpp://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। यह निविदा देवस्थान विभाग की बजट घोषणा 36.24.00 वर्ष 2025-26 के अधीन रहेगी।

जिला	UBN नम्बर	अनुमानित राशि	निविदा भरने की अंतिम दिनांक
चूरू	DEV2526SLOB00087	50 लाख	10.09.2025
बीकानेर	DEV2526SLRC00086	1.50 करोड़	17.09.2025

(गौरव सोनी) सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, बीकानेर

DIPR/C/12838/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक.... दिनांक...

संशोधन ई-निविदा सूचना संख्या-05/2025-26

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26 जो पत्र क्रमांक 1566-1577 दिनांक 14.08.2025 से जारी हुई है। जिसके प्रकाशन बाबत इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 1575 दिनांक 14.08.2025 के द्वारा डी.पी.आर. को समाचार पत्रो में प्रकाशन हेतु भिजवाया गया है। जो डीआईपीआर के आदेश क्रमांक DIPR/C/11969/2025 दिनांक 21.08.2025 तथा एसपीपी पोर्टल पर एनआईबी कोड सं. PWD2526A2640 से प्रकाशित हुई है। जिसकी तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथियां	संशोधित तिथियां
फार्म मिलने/जमा कराने तारीख	दिनांक 19.08.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 28.08.2025 को सायं 6.00 बजे तक	दिनांक 19.08.2025 प्रात 9.30 बजे से दिनांक 10.09.2025 को सायं 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	दिनांक 29.08.2025 अपरान्ह 3.00 बजे	दिनांक 11.09.2025 अपरान्ह 3.00 बजे

नोट-निविदा की शेष शर्ते यथावत रहगी।

(के.के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/12801/2025

यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

No. :- F. 15(81) /AUK/Machinery/Obsolete Articles-Auction/MAF- Kota/2025/471-78
Date :- 03/09/2025

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा पर कार्यालय वाहनों (ट्रेक्टर, मोटर साइकिल), कृषि यंत्रों (डिस्क प्लाऊ, डिस्क हैरो, थ्रेसर, पावर पैड़ी थ्रेसर, जनरेटर, ट्रेक्टर ऑपरेटेड़ स्ट्रॉ रीपर, फील्ड़ मार्शल डीजल इंजन) एवं अन्य कृषि उपकरण, टायर, प्लास्टिक पाइप व अन्य नकारा/अनुपयोगी सामान जिसका पुस्तक मुल्य ₹ 1977049/– और आरक्षित मूल्य ₹ 702980/– (अक्षरे सात लाख दो हजार नौ सौ अस्सी रूपये) मात्र की नीलामी के लिए सीलबन्द नीलामी बोली आमंत्रित की जाती है। नीलामी प्रपत्र कार्यालय समय में रूपये 500/– प्रभारी अधिकारी, यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा के बैंक खाते में RTGS/NEFT/IMPS द्वारा जमा करवाकर दिनांक 04.09.2025 से 06.10.2025 तक प्राप्त कर सकते है। यह नीलामी सूचना कृषि विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://aukota.org एवं राजस्थान स्टेट संपर्क पोर्टल की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलॉड की जा सकती है। प्राप्त सीलबन्द नीलामी दिनांक 06.10.2025 को दोपहर 02:00 बजे मनोनीत कमेटी द्वारा उपस्थित बोली दाताओं के समक्ष खोली जावेगी। नकारा/अनुपयोगी सामानों का अवलोकन कार्यालय दिवस एवं समय में आकर किया जा सकता है।

UBN : AUK2526GSOB00055
NIB Code : AUK2526A0051

राज.संवाद/सी/25/9424 वित्त नियंत्रक

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2025-26/D-2605 दिनांक :- 03/09/2025

ई-निविदा सूचना सं. 22/2025-26

निम्नलिखित कार्यो के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 01 से 11 तक की निविदा Two Bid System तथा क्रम संख्या 12 एवं 13 की निविदा एकल बिड के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 3753.57 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	09 सितम्बर 2025 प्रातः 9.30 बजे से 06 अक्टूबर 2025 सायं 4.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	06 अक्टूबर 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	07 अक्टूबर 2025 दोपहर 1.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।

UBN No. : RID2526WLOB00245, RID2526WSOB00246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257

राज.संवाद/सी/25/9428 महाप्रबन्धक राजस्थान पुलिस आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड

कार्यालय नगर विकास न्यास जैसलमेर

क्रमांक :- नविन्यास/लेखा/जैसल/2025-26/3341 दिनांक :- 03/09/2025

निविदा सूचना संख्या अभियात्रिकी/05/2025-26

नगर विकास न्यास, जैसलमेर की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत व अन्य विभागों में "ए", "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से एक कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनके UBN No. UJS2526WSRC00013 है। निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्तें इत्यादि वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/9419 अधिशाषी अभियन्ता नगर विकास न्यास, जैसलमेर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल फुलेरा, जिला–जयपुर

क्रमांक/न.पा.फु./नि.शा/2025–26/1363 दिनांक 03.09.2025

–: निविदा सूचना :–

नगर पालिका फुलेरा की और से नियमानुसार विभिन्न कार्य हेतू करवाये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना से सम्बन्धित समस्त शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/http://eproc.nic.in पर NIB Code-DLB2526WLOB16502 है।

राज.संवाद/सी/25/9378 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका फुलेरा

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

क्रमांकः– एफ.10 EE-city /2025–26/5109 दिनांकः– 04.09.2025

–:: ई–निविदा सूचना ::–
(UB No. DLB2526WSOB16610)

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर नगर निगम जोधपुर–दक्षिण — आयुक्त नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9441

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com

No. :- 3607 Date :- 03/09/2025

NIB No. - RWGCL/34/2025-26

Managing Director, ERCPCL invites bid for " Consultancy Services for obtaining Forest clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the construction of Doongri Dam Tehsil Khandar district Sawai Madhopur " from interested bidders upto 16.09.2025 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs 37.23 Lacs. NIB : ERP2526A0036, UBN : ERP2526SLOB00038

Raj.Samwad/C/25/9414 MD cum Chief Engineer RWGCL, Jaipur Rajasthan

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्
(ग्रामीण विकास विभाग)

File No. : F.8(47)RD/RGAVP/2018/P-II/9392 Dated :- 04/09/2025

NOTICE INVITING BIDS

Online Bid for Hire a Chartered Accountant firm (called Financial Management Consultant or FMC) for preparing and maintaining the accounts etc. for RGAVP for FY 2025-26 & 2026-27 for Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad (Third Floor, B-Block, Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur) by 15/9/2025 till 2:30 PM. The estimated value of procurement is Rs 13,00,000/-. Bid is to be applied only through e-Proc https://eproc.rajasthan.gov.in/. Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal http://sppp.rajasthan.gov.in of the State and RGAVP portal.

NIB-RGA2526A0136, UBN RGA2526SLOB00177 Project Director (Admin), RGAVP

Raj.Samwad/C/25/9430

Municipal Corporation Alwar (Raj.)

Sr.No./MCA/NIRMAN /2025/2466-69 Dt. 04.09.2025

Nit No./26/2025-26 E-Procument Notice Inviting Bid

Bid for civil work of " **Work of covering the big drain towards the railway line, taking plot no. C-216 from in front of Krishna Library in Hasan Khan Mewat Nagar**" at Municipal Corporation Alwar invited for interested bidders up 15.09.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal(http://sppp.raj.nic.in & www.eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is 32.29 lac

UBN No	TENDER ID
DLB2526WSOB16592	2025_DLB_498843_1

Raj.Samwad/C/25/9434 Commissioner Municipal Corporation, Alwar

मानसरोवर में निजी स्कूल को बम से उडाने की धमकी के बाद हड़कंप मचा

स्कूल की ई-मेल पर मिली धमकी; पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में बम की धमकियां मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर से किसी अज्ञात व्यक्ति ने मानसरोवर इलाके में किरण पथ स्थित एक प्राइवेट स्कूल को ई-मेल के जरिए बम से उडाने की धमकी दी गई है। मेल पर धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। जिसके बाद स्कूल प्रशासन मेल पर बम ब्लास्ट होने की धमकी मिलने की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड समय तमाम सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंची। स्कूल में मौजूद सभी बच्चों सहित स्टाफ को बाहर निकाला गया। स्कूल के चप्पे-चप्पे की तलाशी शुरू की गई। लेकिन पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस और स्कूल प्रशासन ने राहत की सास ली। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित किशोर शर्मा के मुताबिक जयपुर के मानसरोवर इलाके में किरण पथ स्थित एक प्राइवेट स्कूल (स्प्रिंगफील्ड स्कूल) को ईमेल के जरिए बम से उडाने की धमकी मिली है।

- बम की सूचना के बाद बच्चों को सुरक्षित स्कूल से बाहर निकाला, परिजन भी लेने पहुंचे
- स्कूल में किसी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन ने ली राहत की सांस

मानसरोवर स्थित निजी स्कूल में बम रखे होने की सूचना के बाद बच्चों को तुरंत बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस व डॉग स्क्वॉड टीम ने तलाशी ली।

सोमवार सुबह स्कूल की ऑफिशियल मेल आईडी पर रात को ही धमकी भरा ईमेल भेज दिया गया था, जिसमें स्कूल को बम से उडाने की धमकी दी गई। ईमेल में लिखा था स्कूल में बम रखा गया है और जल्दी फट जाएगा। सभी को दोपहर से पहले सुरक्षित जगह पर चले जाना चाहिए। स्कूल प्रशासन ने पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसी मौके पर पहुंची। स्कूल बिल्डिंग से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल कर स्कूल परिसर खाली करवाया गया। बच्चों के परिजन भी बच्चों को लेने के लिए स्कूल पहुंचे।

स्कूल में बम की सूचना पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वायड, सिविल डिफेंस टीम सभी सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंची। स्कूल के अंदर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड टीम ने जांच की। सर्च ऑपरेशन के दौरान किसी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं शिवदासपुरा के एक स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी भरा संदेश मिला था। वहां भी पुलिस टीम को सर्च अभियान में किसी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस मामले की जांच पडताल में जुट गई है। साइबर एक्सपर्ट की मदद ली जा रही है। ईमेल करने वाले की भी जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी कई बार जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, होटल्स को बम से उडाने की धमकियां मिलने के कई मामले सामने आ चुके है।

अवैध मछली शिकार पर अब 25 हजार रु. जुर्माना

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को हंगामे और नारेबाजी के बीच राजस्थान मत्स्य क्षेत्र संशोधन विधेयक 2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इस दौरान कांग्रेस विधायकों ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए वेल में पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। हंगामे के चलते विधेयक पर केवल दो विधायकों-निर्दलीय रविंद्र सिंह भाटी और बसपा विधायक मनोज न्यांगली-को ही अपनी बात रखने का अवसर मिला।

विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, अवैध रूप से मछली का शिकार करने पर अब पहली बार में 25 हजार रुपए तक का जुर्माना लगेगा, जो पहले मात्र 500 रुपए था। वहीं दूसरी बार अपराध करने पर यह जुर्माना 50 हजार रुपए तक हो सकता है, जिसे पहले 1000 रुपए रखा गया था।

निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने बहस के दौरान कहा कि जुर्माने की राशि अत्यधिक है और इससे गरीब मछुआरों पर अनावश्यक बोझ पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि जुर्माने की राशि को यथोचित स्तर पर लाया जाए, जिससे जरूरतमंदों को राहत मिल सके। भोजनावकाश के बाद जैसे ही दोपहर

- हंगामे के बीच विधानसभा में पारित हुआ मत्स्य क्षेत्र संशोधन विधेयक

दो बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, कांग्रेस विधायक वेल में आ गए और कानून-व्यवस्था पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। इसी बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मत्स्य क्षेत्र संशोधन विधेयक पर बहस शुरू कराई। उन्होंने विधायकों से अपील की कि वे अपनी सीटों पर जाकर चर्चा में हिस्सा लें, लेकिन कांग्रेस विधायक अड़े रहे। हंगामे के चलते अध्यक्ष ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आग्रह किया कि कानून-व्यवस्था पर एक दिन चर्चा के लिए निर्धारित किया जाए, लेकिन उनकी मांग स्वीकार नहीं की गई। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस विधायकों का व्यवहार उनकी पार्टी की संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 8 करोड़ जनता यह सब देख रही है कि विपक्ष बिना ठोस मुद्दे के केवल हंगामा कर रहा है।

अवैध खनन, पुलिस की मिलीभगत और अपराधों पर घेरा

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को शून्यकाल के दौरान विपक्ष ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर जोरदार हमला बोला। विपक्षी विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों से अवैध खनन, महिला सुरक्षा, पुलिस की मिलीभगत और हत्या के मामलों को उठाते हुए सरकार को घेरा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य में माफियाओं के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताते हुए कहा कि माफियाओं का कानून चल रहा है, सरकार कहां है? इस पर सदन में हंगामा शुरू हो गया और विधानसभा अध्यक्ष को पीएसी बैठक में मामले पर चर्चा का आश्वासन देना पड़ा। सोमवार को भीनमाल के विधायक समरजीत सिंह ने जालोर में अवैध खनन और पुलिस-माफिया गठजोड़ का आरोप लगाया। चौमूं की विधायक शिखा बराला ने जयपुर को महिलाओं के लिए असुरक्षित शहर बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष के निजी सचिव तक मानव तस्करी के आरोप से घिरे है। विधायक ने कहा कि जो सरकार महिलाओं की सुरक्षा नहीं दे सकती, वह कल्याणकारी नहीं। विधायक सुरेश मोदी ने हत्या एक मामले में आरोपी के आडियो सबूत मिलने के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए।

जामडोली विमंदित गृह में महिला की मौत पर विधानसभा में हंगामा

अंतिम संस्कार में देरी को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा

जयपुर (विसं)। जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह में एक महिला आवासनी की मौत और उसके अंतिम संस्कार में हुई देरी का मुद्दा सोमवार को विधानसभा में गमार्या रहा। विपक्ष ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया, जबकि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने स्पष्ट किया कि दाह संस्कार की प्रक्रिया पूरी तरह पुलिस विभाग के सर्कुलर के अनुसार हुई है।

मंत्री ने बताया कि मृतका सीमा द्वितीय को 6 अगस्त 2016 को जामडोली स्थित बालिका विंग में भर्ती किया गया था। गत 26 मार्च 2025 को तबीयत बिगड़ने पर उसे सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां 29 अप्रैल की रात 10:30 बजे उसकी मृत्यु हो गई। चूंकि मृतका के माता-पिता अज्ञात थे, इसलिए 30 अप्रैल को जामडोली थाने को सूचित किया गया। नियमानुसार पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर शव का अंतिम संस्कार 5 मई को किया गया। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने

- मंत्री अविनाश गहलोत ने नियमों का हवाला देकर किया बचाव

सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आवासनी की मौत के 6 दिन बाद तक अंतिम संस्कार नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि जब उन्होंने हस्तक्षेप किया, तभी जाकर दाह संस्कार कराया गया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर सारी प्रक्रिया नियमों के मुताबिक थी, तो तत्कालीन अधीक्षक को निलंबित क्यों किया गया।

जिस पर मंत्री अविनाश गहलोत ने जवाब देते हुए कहा कि मृतका अज्ञात श्रेणी में थी और पुलिस विभाग द्वारा 27 सितम्बर 2021 को जारी सर्कुलर के अनुसार शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाना अनिवार्य है, ताकि परिजनों की पहचान हो सके। उन्होंने कहा कि इसी प्रक्रिया के पालन में कुछ समय जरूर लगा, लेकिन सब कुछ नियमों के तहत हुआ। जब अधीक्षक के निलंबन पर सवाल उठे तो मंत्री ने स्वीकार किया कि कुछ प्रशासनिक कमियां सामने आई थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जांच के बाद तत्कालीन अधीक्षक को निलंबित किया गया है।

मंत्री गहलोत ने कांग्रेस कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्ष 2020 से 2023 तक जामडोली स्थित दिव्यांग गृह में कुल 15 मौतें हुईं, जबकि वर्तमान सरकार के दो वर्षों में सिर्फ 4 मौतें दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि यहां रह रहे बच्चे मानसिक रूप से विमंदित होते हैं और उनकी प्रतिरोधक क्षमता भी बेहद कम होती है, जिससे संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं की संभावना बनी रहती है।

मंत्री ने बताया कि अस्पताल की रिपोर्ट के अनुसार मृतका की मृत्यु का कारण निम्न श्वसन तंत्र संक्रमण था। विधानसभा में इस मुद्दे को लेकर कुछ देर के लिए हंगामा और नोकझोंक की स्थिति भी बनी रही। हालांकि मंत्री ने बार-बार यह दोहराया कि सरकार ने सभी कार्यवाहियां निर्धारित प्रक्रियाओं और नियमों के अनुसार की हैं।

फर्जी पट्टा प्रकरण फिर उछला

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम द्वारा बस्सी सीतारामपुरा में 22 पट्टे निरस्त करने के मामले में नया मोड आया है। निगम प्रशासन की ओर से विज्ञप्ति जारी करने के बाद 7 पट्टा धारकों ने अपना पक्ष रखा, जबकि दो मामले कोर्ट में पेश हुए। इनमें से एक पट्टा कोर्ट ने अवैध माना है। जबकि एक अन्य पट्टा धारक का प्रकरण अदालत में लंबित चल रहा है। इसी बीच तीन पट्टों की मूल पत्रावलियां भी नगर निगम से गायब हो गयी है, जिसके संबंध में माणक चौक थाने में मामला दर्ज कराया गया है। एक फर्जी पट्टा संज्ञान में आने के बाद पुलिस को शिकायत दी गई है। अब पुलिस जांच के बाद ही संबंधित अधिकारी और कर्मचारी पर एक्शन होगा। वहीं दूसरी ओर पट्टा धारियों का पक्ष सुनने के बाद ग़लत पट्टे निरस्त की करवाई की जा रही है।

इस पूरे मामले में बस्सी सीतारामपुरी के छह और पट्टे सामने आए है, जिसके साथ ठाठर योजना में भी छह पट्टे जांच के घेरे में है। हैरिटेज निगम प्रशासन ने इस पूरे मामले की जांच अतिरिक्त आयुक्त सुरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी को सौंपी है। अब हैरिटेज नगर निगम प्रशासन शिकायतों के आधार पर पट्टों की जांच कर रहा है। जांच पूरी होने के बाद निगम प्रशासन की ओर स्वायत्त शासन विभाग को रिपोर्ट भेजी जायेगी।

मोबाइल छीनने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पता पूछने के बहाने झपट्टा मार लोगों के मोबाइल छीनने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने गिरफ्तार दोनों बदमाशों के पास छीने गए तीन मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन ने बताया कि सांगानेर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए झपट्टा मार मोबाइल छीनने वाले जयदयाल उर्फ जगराम मीणा(28) निवासी रैणी जिला अलवर और राहुल मीणा (20) निवासी मंडावर जिला दौसा को को गिरफ्तार किया है।

तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवारों को कुचला

जयपुर। दौलतपुरा इलाके में सोमवार सुबह दिल्ली से जयपुर की ओर बाइक पर जा रहे तीन लोगों को तेज रफ्तार से आ रहे एक कंटेनर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हाईवे एंबुलेंस की मदद से तीनों को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने एसएमएस रेफर कर दिया। दोनों मृतकों के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है और घायल का इलाज जारी है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों में चीख पुकार मच गई।

सकड दुर्घटना थाना पश्चिम की थाना प्रभारी राज किरण ने बताया कि बगवाड़ा निवासी बजरंग लाल (45), कानाराम गुर्जर (48) और विक्रम योगी (25) जो अपने गांव बगवाड़ा से जयपुर मजदूरी करने बाइक से जा रहे थे।

- दौलतपुरा इलाके में अप्पू घर के पास यह हादसा हुआ। कंटेनर की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक घायल है। तीनों मजदूर बगवाड़ा से जयपुर मजदूरी करने जा रहे थे।

इसी दरमियान अप्पू घर के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में बजरंग लाल और कानाराम की मौके पर ही मौत हो गई और विक्रम गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की मदद से तीनों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं डॉक्टरों ने विक्रम को एसएमएस इलाज के लिए रेफर कर दिया। मृतक बजरंग लाल के भाई राजेश ने कंटेनर चालक के खिलाफ टक्कर का मामला दर्ज करवाया है।

नकली खाद की फैक्ट्रियों पर छापे मारे परंतु कितने आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया?

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा पर तंज कसा

जयपुर (विसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में यूरिया खाद की आपूर्ति से जुड़े प्रश्न पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और सरकार पर तंज कसे। उन्होंने सत्ता पक्ष को घेरते हुए कहा कि, छापेमारी हुई, नकली खाद भी पकड़ा गया, लेकिन कितने आरोपियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया? इसके जवाब में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल लाल ने कहा कि दो बड़ी कंपनियों के गोदाम सील किए गए हैं। इस वक्त राजस्थान के किसी जिले में यूरिया की कोई कमी नहीं है।

दरअसल प्रश्नकाल के दौरान चूरू में यूरिया खाद की आपूर्ति को लेकर विधायक पूसाराम

- विधायक पूसाराम गोदारा ने कहा कि मंत्री ने नकली खाद की फैक्ट्री पकड़ी, लेकिन लगता है कि कार्रवाई पर पर्दा डाल दिया गया। दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

गोदारा ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जवाब तो मिला, लेकिन आपूर्ति और आवंटन को लेकर सरकार ने गलत जानकारी दी है। इस पर मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल लाल मीणा ने कहा कि इस बार बारिश से यूरिया की डिमांड बढ़ गई है। ये बात सही है कि हम 2 हजार मीट्रिक टन यूरिया ज्यादा दे रहे हैं। डीएपी की थोड़ी कमी है, उसका कारण रूस और यूक्रेन युद्ध है। चीन से हम नहीं मंगवा पाए, यूरिया भरपूर है। किसी प्रकार की कमी चूरू जिले में नहीं है। कालाबाजारी हो रही है तो हम कार्रवाई करेंगे, विजिलेंस की टीम हमने बना दी है। विधायक पूसाराम गोदारा ने कहा कि मंत्री ने नकली खाद की फैक्ट्री पकड़ी, लेकिन लगता है कि कार्रवाई पर पर्दा डाल दिया गया। दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर मंत्री किरोड़ीलाल ने कहा कि हमने 117 औचक निरीक्षण किए। कांग्रेसराज में एक भी नहीं किया गया, 64 एफआईआर दर्ज की गई। एक वर्ष में स्पेशल अभियान चलाकर 423 नमूने एकत्रित किए, कांग्रेस राज में एक भी नहीं किए गए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कितने लोग सलाखों के पीछे गए? एक भी नहीं गया। जवाब में मंत्री मीणा ने कहा कि दो बड़ी कंपनियों के गोदाम सील किए गए है। सीएम खुद केंद्रीय मंत्रियों से इस बारे में मिले हैं, हमें विपक्ष का भी साथ चाहिए। मंत्री मीणा ने कहा कि किसी भी जिले में यूरिया की कोई कमी नहीं है, डीएपी की थोड़ी कमी है। हम कालाबाजारी करने वालों को नहीं छोड़ेंगे।

'1.59 लाख कृषि कनेक्शन जारी'

जयपुर। राजस्थान में गत वर्ष एक जनवरी से इस वर्ष 31 जुलाई तक एक लाख 59 हजार 29 कृषि कनेक्शन जारी किये गये है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सोमवार को विधानसभा में प्रश्नकाल में विधायक विक्रम सिंह जाखल के प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 31 दिसम्बर 2023 तक 1486 जमा मांगपत्र आवेदकों के कृषि कनेक्शन एवं 574 आवेदन मांगपत्र जारी करने के लिए लंबित थे। राज्य सरकार द्वारा एक जनवरी 2024 के पश्चात गत 31 अगस्त तक 1213 कृषि विद्युत कनेक्शन जारी जारी किये गये। शेष लंबित जमा मांग पत्र वाले आवेदकों के कृषि कनेक्शन उपलब्ध संसाधनों के आधार पर वरीयतानुसार जारी किये जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में कृषि कनेक्शन का जिलेवार विवरण सदन के पटल पर रखा।

सार-समाचार

सरपंचों के खिलाफ आंदोलन की घोषणा

जयपुर। घुमंतू समाज को अलग से आदेश देकर स्थाई आवास प्रदान करने के भजन लाल सरकार के आदेश के लिए धन्यवाद देते हुए आदेश की पालना नहीं करने वाले सरपंचों के खिलाफ बड़े आंदोलन की घोषणा भारत छोड़ो मिशन सोसाइटी ने की है। राजस्थान के दूर दराज में हो रहे बारिश के मौसम के चलते विधानसभा घेराव कार्यक्रम को स्थगित करने के बाद सोमवार को जयपुर के विधानसभा के सामने स्थित यूथ हॉस्टल में भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के प्रमुख पदाधिकारियों की मीटिंग में भजनलाल सरकार के पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर के घुमंतू समाज को अलग से पट्टे देने के आदेश का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल तथा पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर के नाम धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। विगत दो माह से माधोराजपुरा ग्राम पंचायत में ऐसे सरपंचों के पुतले लगाकर भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी विरोध प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने घुमंतू समाज को सरकारी आदेश के बावजूद पट्टे देने की दिशा में प्रस्ताव ही पारित नहीं किया। वहीं शहरों में सरकार के सर्वे के आदेश के बावजूद छूट गई कच्ची बस्तियों का पुन: सर्वे की मांग करते हुए बाबा रामदेव नगर में बाबा रामदेव नगर अध्यक्ष प्रेम कोली तथा भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी की बागरी समाज की प्रदेश अध्यक्ष रोडी देवी ने स्थानीय भू माफियाओं के खिलाफ जांच करवाने की मांग रखी।

पड़ाव रेस्टोरेंट में सीट को लेकर विवाद

जयपुर। नाहरगढ में स्थित आरटीडीसी के पड़ाव रेस्टोरेंट में रविवार देर स्टाफ ने पर्यटकों से मारपीट कर दी। जिसमें युवतियां भी शामिल थी। इसी दौरान वहां पर मौजूद अन्य लोगों ने घटना का वीडियों बना लिया और वायरल कर दिया। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने वीडियो के आधार पर दोनो पक्षों की ओर से मारपीट का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि नाहरगढ़ स्थित राजस्थान पर्यटन विकास आरटीडीसी के पड़ाव रेस्टोरेंट में रविवार देर रात 6 युवक ओर दो युवतियों पार्टी करने के लिए आए थे। इसी दौरान बारिश शुरु हो गई उन्होने ओपन एरिया में छाता लगाने के लिए स्टाफ को बोला। लेकिन तेज हवा के कारण स्टाफ ने छाता लगाने से मना कर दिया। जिसके बाद युवक-युवतियां कैफे एरिया में एक रिजर्व सीट पर जाकर बैठ गए। इस पर स्टाफ ने एतराज किया तो युवकों ने स्टाफ से अभद्रता करना शुरु किया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। मारपीट होती देख वहां मौजूद अन्य पर्यटकों ने वीड़ियो बनाना शुरु कर दिया और वायरल कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने वीड़ियों के आधार पर दोनो पक्षों की ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सराफ ने किया ट्यूबवेल का शिलान्यास

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने सोमवार को वार्ड 133 स्थित रामनगर कॉलोनी में जलदाय विभाग द्वारा स्वीकृत नए ट्ययूबवेल का विधिवत शिलान्यास किया। लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को इससे बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।स्थानीय पार्षद रमेश सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि रामनगर और आसपास की कॉलोनियों में लगातार पानी की समस्या बनी रहती थी। क्षेत्रवासियों की मांग पर विधायक सराफ द्वारा इस ट्ययूबवेल की स्वीकृति दिलाई गई, जिसका शिलान्यास आज सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के नागरिकों और विकास समिति के पदाधिकारियों ने विधायक सराफ का जोरदार स्वागत किया और इस जनहित कार्य के लिए आभार प्रकट किया।शिलान्यास कार्यक्रम में विवेक सराफ, वार्ड अध्यक्ष अजीत शर्मा, सुधीर शर्मा, रामस्वरूप अजमेरा, पवन शर्मा, के.के. जयसवाल, आशा शर्मा, राकेश कुमावत, मुकेश कुमावत, राजेश शर्मा, सुरेश कुमावत, विजय कुमार, महेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कैफे में चल रहे हुक्का बार पर छापा

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने जनपथ रोड स्थित हैरो कैफे की आड़ में चल रहे अवैध हुक्का रेड मारी है। पुलिस जानकारी के अनुसार कैफे की आड में ग्राहकों को हुक्के की सप्लाई की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हुक्का पी रहे 10 व्यक्तियों का कोटपा एक्ट में चालान भी किया गया है और साथ ही हुक्के मय पाइप-चिलम फ्लेवर आदि के बरामद हुए। इसके अलावा कैफे मेनेजर को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर राजर्षि राज ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जनपथ रोड स्थित हैरो कैफे में अवैध रूप से ग्राहकों को हुक्का पिलाया जा रहा है। इस पर एक पुलिस टीम मौके पर जाकर सूचना की तस्दीक कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी करते हुए हुक्का पी रहे 10 व्यक्तियों का कोटपा एक्ट में 2 हजार रुपये का चालान किया गया और साथ ही हुक्के मय पाइप-चिलम फ्लेवर आदि के बरामद हुए। इसके अलावा मैनेजर अर्जुन प्रजापत निवासी भरतपुर को गिरफ्तार किया है।

शिक्षकों-कर्मचारियों का धरना आज

जयपुर। राजस्थान में सरकारी सहायता से संचालित हो रहे सभी विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं कर्मचारी 9 सितंबर को प्रात: 11 से 2 बजे तक एम.आई.रोड स्थित शहीद स्मारक पर धरना देंगे। राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन, एव फेडरेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर एच.एस.शर्मा एवं रूपा के महासचिव प्रोफेसर एन के लोहिया ने बताया कि राज्य सहायता से चलने वाले विश्वविद्यालयों की लगातार नाजुक हो रही है। इस कारण विश्वविद्यालयों से सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों और शिक्षकों की पेंशन पर संभावित संकट है, इसी मुद्दे पर धरना दिया जायेगा।

साहसिक नेतृत्व की भूमिका पर सेमिनार

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के आर.ए. पोद्दार प्रबंधन संस्थान में राष्ट्र निर्माण में साहसिक नेतृत्व की भूमिका विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ बडौदा के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अनिल खंडेलवाल तथा भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी एवं भारत के राजदूत गौरीशंकर गुप्ता, ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। सेमिनार की शुरुआत संस्थान के डीन एवं निदेशक प्रो. अनुराग शर्मा द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई। अपने संबोधन में प्रो. शर्मा ने नेतृत्व के मूल्यों और नैतिकताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद विद्यार्थियों को नेतृत्व, निर्णय-निर्माण और व्यक्तित्व विकास के व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। साथ ही, उन्होंने वक्ताओं का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने अपने बहुमूल्य अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। डॉ. खंडेलवाल ने अपने मुख्य भाषण में चुनौतियों को स्वीकारने और आत्मविश्वास बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। उनके अनुसार, नेतृत्व केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय संबंधों, संगठनात्मक संस्कृति और विश्वास, विश्वसनीयता तथा ब्रांड मूल्य जैसी अमूर्त शक्तियों पर आधारित है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी सुविधा-सीमा से बाहर निकलें और चुनौतियों को विकास के अवसर मानें।

17 जर्जर भवनों को नोटिस, एक सीज

जयपुर। सुभाष चौक इलाके में जर्जर इमारत गिरने और पिता-पुत्री की मौत की घटना के बाद ग्रेटर-हैरिटेज निगम प्रशासन जर्जर इमारतों को लेकर सख्त रुख अपना रहा है। सोमवार को झोटवाड़ा में 17 जर्जर भवनों को नोटिस दिया गया, जबकि 1 इमारत सीज की गई। इसी प्रकार मानसरोवर में भी 5 भवन ध्वस्त किए, 22 फ्लैट-भवन सीज किए। यह जानकारी आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने दी है। उन्होंने कहा कि शहरवासियों की सुरक्षा हमारे लिये प्राथमिकता है। मानसरोवर जोन के वार्ड संख्या 85 में कुल 5 भवन जो कि जर्जर एवं असुरक्षित अवस्था में थे तथा सार्वजनिक सुरक्षा के लिये खतरा उत्पन्न कर रहे थे। इन जर्जर भवनों को ध्वस्त किया है। साथ ही फ्लैट संख्या 30/13/1 से 30/13/12 कुल 12 फ्लैट को राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 243 के अन्तर्गत सीजर की कार्रवाई की गई है। वार्ड संख्या 70 में सोमवार को 10 भवन जो कि जर्जर अवस्था में थे, उन्हें भ्ज्ञी उपायुक्त मानसरोवर लक्ष्मीकान्त कटारा के निर्देशन में राजस्व अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता तथा सतर्कता टीम ने सीज किया। झोटवाड़ा जोन में 17 जर्जर भवनों को नोटिस जारी कर भवन को मरम्मत एवं खाली करवाने हेतु व्यक्तिगत समझाइश की गई। साथ ही 2 जर्जर भवनों में निवास कर रहे लोगों को अन्य स्थान पर शिफ्ट भी किया गया और एक आंगनबाड़ी जर्जर भवन को सीज किया गया।

International Sudoku Day - Celebrating the Puzzle of Logic

Observed every year on September 9, International Sudoku Day celebrates the world's most loved number puzzle that blends fun with brainpower. Sudoku, originating from Japan, challenges players to fill a 9x9 grid using logic and reasoning, making it a global symbol of mental agility. Beyond being a pastime, it sharpens memory, improves concentration, and reduces stress, appealing to all age groups. On this day, puzzle enthusiasts gather online and offline to take part in contests, share solving strategies, and enjoy the thrill of cracking patterns. International Sudoku Day honours logic, patience, and the joy of problem-solving.

#GLOWER

Pour, Scent, Glow

The Rise of Homemade Soy Candles

In an era where sustainability and personalization intersect, homemade soy candles are lighting the way for eco-conscious gift-givers and craft lovers alike.

Unlike traditional paraffin candles, which are derived from petroleum and can release harmful soot into the air, soy candles offer a cleaner, longer-lasting burn. Derived from soybeans, these natural candles not only reduce waste but also provide a versatile base for crafting beautiful, non-toxic home decor. With minimal tools and ingredients, making soy candles at home is both an affordable and rewarding DIY project. They've grown in popularity not just for personal use, but also as thoughtful, low-waste gifts for friends and loved ones.

"For anyone whose home looks like it belongs in Martha Stewart Living or Dwell, a hand-poured soy candle in a reused Mason jar or teacup is the perfect touch," says sustainable living advocate Lesly Junieth.

The Process: Simple and Satisfying

The candle-making process starts with melting soy wax flakes, typically using a double boiler method to ensure gentle, even heating. Once melted, the wax is cooled to about 120°F before adding fragrance oils or natural essential oils like lavender, vanilla, or nutmeg.

Crafters can customize scent strength to taste. While synthetic fragrance oils offer potent aromas, many DIYers prefer essential oils for a more natural result, though they may produce a subtler scent once the wax cools.

Next comes wick placement. Using a spoonful of melted wax, or an adhesive like glue or putty, the wick is centered at the bottom of the container. Clothespins or wick holders help keep it upright and in place while the wax is poured.

After filling the jar with wax, the candle is left to harden overnight. Once set, the wick is trimmed to a quarter inch for optimal burning. Optional embellishments like ribbons or vintage matchbook tags can personalize each candle.

An Eco-Friendly Gift With a Personal Touch

Soy candles are not just clean-burning, they're an opportunity to repurpose old containers and reduce reliance on plastic-wrapped, store-bought gifts. Teacups, jelly jars, and even vintage glassware can become beautiful vessels for these natural lights. "Crafting a candle by hand lets you create something that's both beautiful and meaningful," says Junieth. "It's a simple way to show you care, about the person and the planet."

With gifting season always just around the corner, soy candle-making is a trend that continues to shine. Whether it's for a holiday, birthday, or just because, a homemade soy candle brings warmth in more ways than one.

The Giorgio Armani Has Passed Away

Leaving Behind A Scandal And Millions

Over the years, several Bollywood celebrities were invited by the ace designer to fashion weeks showcasing his collections, as well as for milestone celebrations. While Sonam Kapoor and Anand Ahuja were invited to Milan Fashion Week in 2018, Aishwarya Rai Bachchan was invited to attend the 40th anniversary celebrations of Giorgio Armani's fashion house in Milan on April 29, 2015. The 80-year-old Italian designer was believed to have sent a special invitation to the actress.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Fashion icon Giorgio Armani died on September 4, 2025, at the age of 91. Just weeks before his passing, the Armani Group was fined 3.5 million Euros (USD 4 million) by Italy's antitrust regulator for making misleading sustainability statements.

The Controversy

According to Reuters, the regulator said in a statement that Giorgio Armani group and one of its subsidiaries 'issued misleading ethical and social responsibility statements in contrast with the actual working conditions found at suppliers and subcontractors.'

Reportedly, despite Armani's marketing emphasis on sustainability, the fashion house outsourced most of its bag and leather accessory production to third-party suppliers. These suppliers, in turn, subcontracted to other producers that employed workers illegally and in poor conditions, according to the statement.

The Giorgio Armani group denied the claims and expressed 'disappointment and bitterness' at the regulator's decision. In a statement to Reuters, they said, "(The group) always operated with the utmost fairness and transparency towards consumers, the market, and stakeholders, as demonstrated by the Group's history."

Bollywood celebrities featured by Armani

Over the years, several Bollywood celebrities were invited by the ace designer to fashion weeks showcasing his collections, as well as for milestone celebrations. While Sonam Kapoor and Anand Ahuja were invited to Milan Fashion Week in 2018, Aishwarya Rai Bachchan was invited to attend the 40th anniversary celebrations of Giorgio Armani's fashion house in Milan on April 29, 2015. The 80-year-old Italian designer was believed to have sent a special invitation to the actress.

Aishwarya was also invited to the opening of an Armani museum in Milan. In the same year, Sonam Kapoor attended the Paris show of Armani's 2015 Spring Collection at the designer's behest.

Aishwarya Rai, a regular at Cannes, has represented L'Oréal there since 2003, and wore a delicately beaded Armani Privé dress as she hosted the amfAR gala at Cannes with her husband Abhishek in 2014.

"Giorgio Armani is a company with fifty years of history, grown with emotion and patience. Giorgio Armani has always made independence, thought and action his hallmark. The company is a reflection, today and always, of this spirit. The family and employees will carry the Group forward in respect and continuity of these values. The burning room will be ready from Saturday, 6 September, and will be available until Sunday, 7 September, from 9 am to 6 pm, in Milan, at Via Bergognone 59, near the Armani/Teatro. Due to the expressed will of Mr. Armani, the funerals will take place privately," the post concluded.

Giorgio Armani, a stalwart of Milan ready-to-wear, who revolutionised fashion with unstructured looks, starting with an unlined jacket, a simple pair of pants, and an urban palette, put Italian ready-to-wear style on the international fashion map in the late 1970s, creating an instantly recognisable relaxed silhouette that has propelled the fashion house for half a century. From the executive office to the Hollywood screen, Armani dressed the rich and famous in classic tailored styles, fashioned in super-soft fabrics and muted tones. His handsome black-tie outfits and glittering evening gowns often stole the show on award season red carpets. Armani died at home, the fashion house said. The fashion designer failed to appear at his runway shows in June as he was recovering from an undisclosed illness.

#OBITUARY

Armani Worked 'Tirelessly' Until His Last Days

"With infinite condolences, the Armani group announces the passing of its inventor, founder and tireless engine: Giorgio Armani."

"Mr. Armani, as he was always called with respect and admiration by employees and collaborators, passed away peacefully, surrounded by his loved ones. Tireless, he has worked until the last days, dedicating himself to the company, to the collections, to the different and always new projects in being and to becoming."

"Over the years, Giorgio Armani has created a vision that has expanded from fashion to every aspect of life, anticipating the times with extraordinary clarity and precision. He was driven by an inexorable curiosity, attention for the present and people. In this journey, he created an open dialogue with the public, becoming a beloved and respected figure for his ability to communicate with everyone. Always attentive to the needs of the community, he has committed himself on many fronts, above all to his beloved Milan."

Giorgio Armani was planning a major event to celebrate 50 years of his signature Giorgio Armani fashion house during Milan Fashion Week this month.

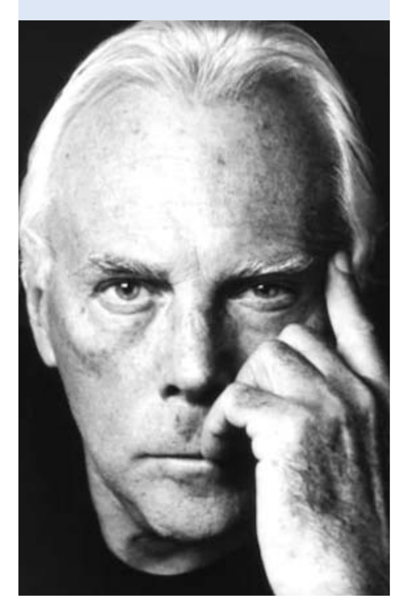

Who Will Inherit Armani's $10-Billion Empire?

Giorgio Armani had no children, but was very close to his niece Roberta. Roberta is the daughter of his late brother Sergio.

At the time of his death, Armani had put together an empire worth over $10 billion, which, along with clothing, included accessories, home furnishings, perfumes, cosmetics, books, flowers, and even chocolates, ranking him in the world's top 200 billionaires, according to Forbes.

The designer also owned several bars, clubs, restaurants, and his own basketball team EA7 Emporio Armani Milan, better known as Olympia Milano. Armani opened more than 20 restaurants from Milan to Tokyo since 1998, and two hotels, one in Dubai in 2009 and another in Milan in 2010.

Armani's style began with Giorgio Armani himself, from the penetrating blue eyes framed in a permanent tan and early-age shock of silver hair, to the trademark jeans and t-shirt work clothes and the minimalist decoration of his private homes.

Armani's fashion vision was that of easygoing elegance where attention to detail made the difference. "I design for real people. There is no virtue whatsoever in creating clothes and accessories that are not practical," he liked to say when asked to identify his clientele.

In conversation, the designer's disarming smile and exquisitely mild manners belied the tough businessman underneath, who was able to turn creative talent into a fashion empire worth over $10 billion. Never a merger or a sale, Re Giorgio, King George as the Italians call him, was always his own boss.

Born July 11, 1934, in Piacenza, a small town south of Milan, Armani dreamed of becoming a doctor before a part-time job as a window decorator in a Milan department store opened his eyes to the world of fashion.

In 1975, Armani and his partner Sergio Galeotti sold their Volkswagen for $10,000 to start up their own menswear ready-to-wear label. Womenswear followed a year later.

The symbol of his new style was the liningless sports jacket, which was launched in the late 1970s and became an instant success from Hollywood to Wall Street. The designer paired the jacket with a simple t-shirt, an item of clothing he termed 'the alpha and omega of the fashion alphabet.'

The Armani suit soon became a must in the closet of the well-heeled man. And for women, the introduction of the pantsuit in the executive workroom was all but revolutionary. Dubbed the 'power suit' with its shoulder-padded jacket and man-tailored trousers, it became the trademark of the rising class of businesswomen in the 1980s.

Over the years, Armani would soften the look with delicate detailing, luxurious fabrics and brighter shades for his basic beige and gray palette. His insistence on pants and jackets led some critics to label his fashion 'androgynous.'

The 1980 film classic *American Gigolo* launched both Armani and actor Richard Gere on their Hollywood careers. Dressed in Armani, Gere became America's new favourite heartthrob, and 'Geeorgeeo' as they called him, the glam set's most popular designer.

The Hollywood connection earned him wardrobe film credits in over 200 films, and in 2003, a place on Rodeo Drive's 'Walk of Fame.'

Oscar night always sparkled, with smart suiting for the men, and glittering gowns for the ladies. The 2009 best actor winner Sean Penn picked up his statue in a black-on-black Armani outfit, while best actress nominee Anne Hathaway walked the red carpet in a shimmering white strapless evening gown from Armani's latest Privé couture collection.

Other longtime devotees included Jodie Foster, George Clooney, Sophia Loren and Brad Pitt. David and Victoria Beckham were the 'face' of his 2009 underwear ad campaign. So significant was the impact of Armani's style, not only on how people dressed but how they approached fashion, that in 2000, New York's Guggenheim museum presented a retrospective of Armani's first 25 years in fashion.

"I love things that age well, things that don't date and become living examples of the absolute best," Armani said of his efforts.

Today, the Armani empire has an army of more than 9,000 employees, with women comprising half of the executive suite, along with seven industrial hubs and over 600 stores worldwide, according to figures released in 2023. Along with clothes and accessories, the company produces perfumes, cosmetics and home furnishings, as well as sells its own candy, flowers and even books. The designer opened his fifth multi-brand store on New York's fashionable Fifth Avenue in February 2009.

In the realm of fashion hobbies, Armani owned several bars, restaurants and clubs, as well as the basketball team. Recreation time was spent in getaways in Broni in the countryside near Milan, the isle of Pantelleria off Sicily and St. Tropez on the French Riviera. Each home bore the trademark of Armani design: bare walls, important pieces, few knick-knacks.

Like many of his colleagues, Armani tried to give back some of the fame and fortune he amassed during the heyday of the 'Moda Milanese,' which put Italian ready-to-wear at the center of the world's fashion map at the turn of the millennium. Personally involved in several charity organisations devoted to children and a staunch supporter of the battle against AIDS, in 2002, Armani was named a U.N. goodwill ambassador for refugees.

Roberta had a budding film career that she abandoned to become her uncle's director of public relations. She often represented Giorgio Armani, who largely stayed away from parties, at social events. In the later years, Roberta was a key person between the brand and the celebrity world.

In 2006, Roberta orchestrated the much-talked-about wedding of Hollywood stars Tom Cruise and Katie Holmes in a medieval castle outside Rome. Giorgio Armani designed the attire for both Cruise and Holmes.

In the past, Armani had indicated that as he considered succession, he was looking towards his longtime head of menswear, Leo Dell'Orco and his niece Silvana Armani, who fills the same role for womenswear.

#S.V. SETTY

He Soared Before His Time

His design heavily influenced the Avro 504, one of World War I's most widely used trainer and bomber planes

In the early 20th century, when the skies were still largely untouched by Indian ambition, a young engineer from Mysore quietly made history. Sriram Venkatasubba Setty, better known as S.V. Setty, carved out a legacy as India's first aviator and a pioneer in aircraft design, decades before India formally entered the aviation industry.

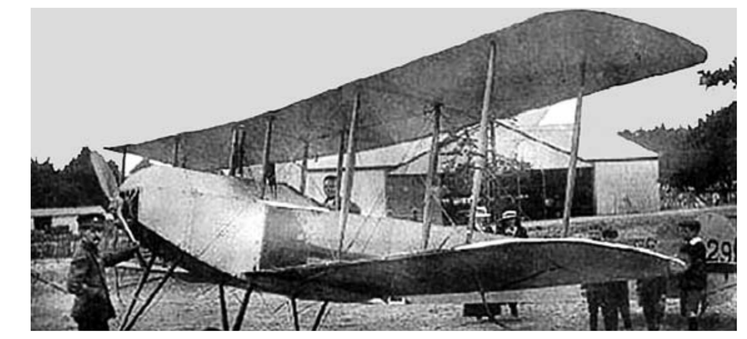

Humble Beginnings and Early Education

Born on December 12, 1879, in Mysore, Setty's academic brilliance was evident early. He completed his Bachelor of Arts at Maharaja's College, Mysore, and went on to study civil and electrical engineering at Guindy College and Thomason College (now IIT Roorkee). His professional journey began with the Mysore Public Works Department, but his ambition stretched far beyond roads and bridges. In 1909, his talents earned him a prestigious government scholarship to pursue advanced studies in electrical engineering at Faraday House, London.

A Soaring Leap into Aviation

While in London, Setty worked with engineering firms in Rugby, Wolverhampton, and London, gaining hands-on experience and earning associate membership of the Institution of Electrical Engineers. But it was in May 1911, when he joined A.V. Roe & Company (AVRO), that Setty found his true calling, aircraft design.

At AVRO, Setty's brilliance quickly came to the fore. In March 1912, he piloted his own aircraft prototype that played a vital role in shaping future aircraft like the Avro Duigan and the Avro 500 series. Most notably, his design work heavily influenced the Avro 504, one of World War I's most widely used trainer and bomber planes.

In recognition of his contributions, Setty received the AVRO Gold Medal in June 1912 for general proficiency in aeronautics.

Returning to Build an Indigenous Dream

Despite his success in Britain, Setty was committed to his homeland. He returned to India later in 1912 with a bold dream, to build airplanes in Bangalore and nurture technical education.

By 1913, he was appointed superintendent of a technical school in Bangalore and helped establish the Karnataka School of Engineering, which eventually became University Visvesvaraya College of Engineering (UVCE), a cornerstone of technical education in Karnataka. Setty even proposed a project to develop a 1,000-kg Indian-built biplane in 1914. However, colonial restrictions and the outbreak of World War I prevented the project from taking off.

A Vision Cut Short

Tragically, Setty's life was cut short by the Spanish flu pandemic. He passed away on October 12, 1918, in Bangalore, at the young age of 38, leaving behind an unfinished but visionary legacy.

Legacy and Rediscovery

For decades, S.V. Setty's contributions remained hidden in the shadows of colonial history. But recent efforts by historians, journalists, and institutions have helped reclaim his rightful place in India's technological narrative.

He is now remembered as:

- India's first aviator and aircraft designer.
- A visionary educator and founder of one of the country's earliest engineering colleges.
- A forerunner to India's aviation industry, laying intellectual groundwork decades before Hindustan Aeronautics Ltd. (HAL) was born in Bangalore.

S.V. Setty's life may have been brief, but his dreams were boundless. He was a skyfarer ahead of his time, whose intellect and courage helped chart a course for India's aviation and engineering future.

As India continues to expand its aerospace horizons, remembering pioneers like S.V. Setty is not just homage, it is inspiration.

THE WALL

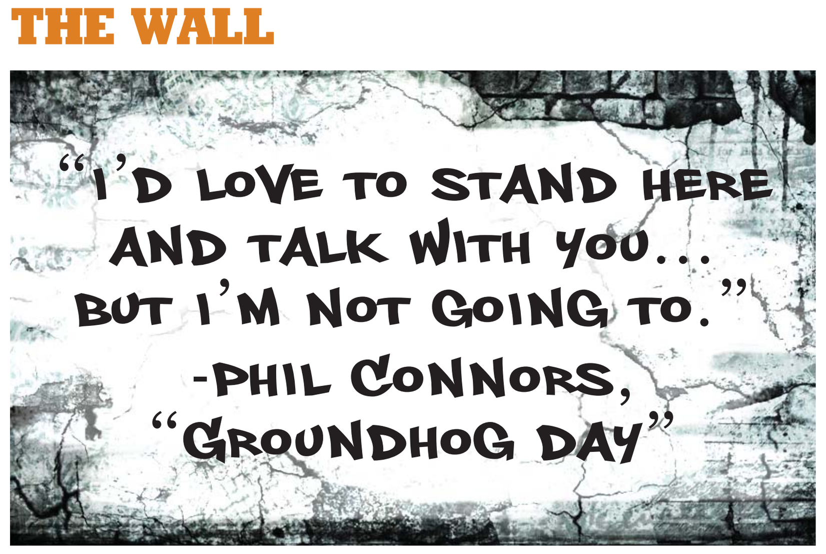

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

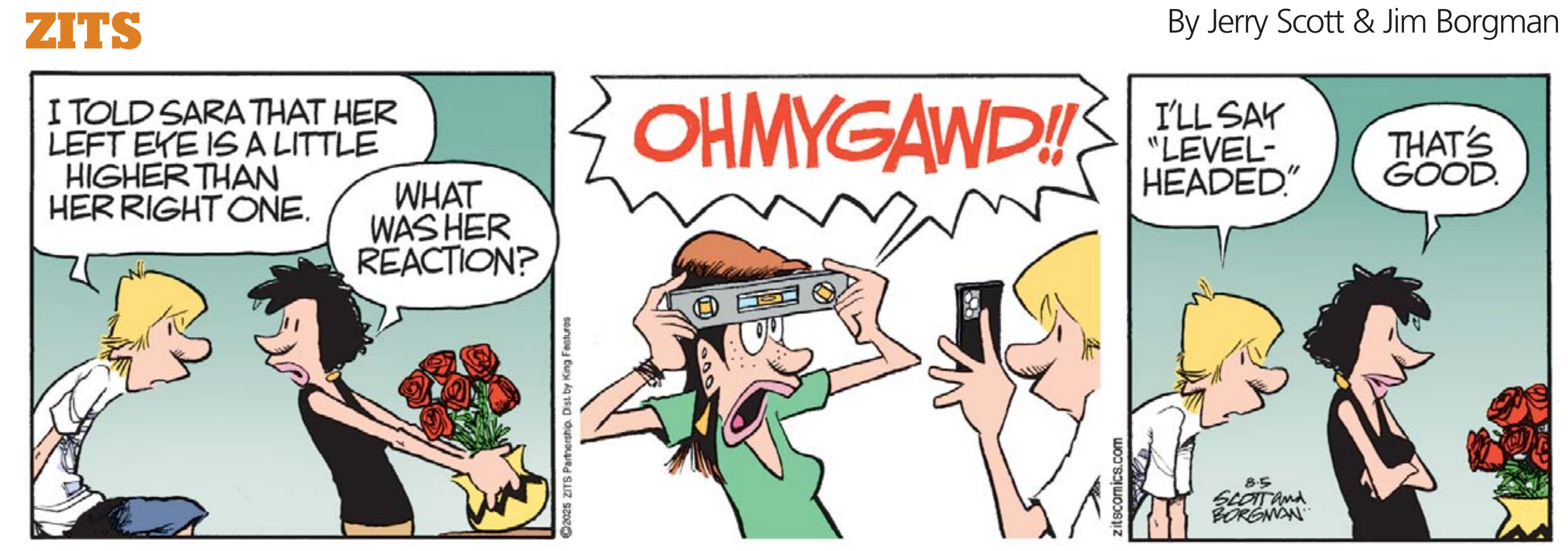

मेडिकल व्यापारी के घर हुई एक करोड़ की लूट की वारदात का खुलासा, चार गिरफ्तार

मेडिकल व्यापारी की दुकान पर काम कर चुके सेल्समैन ने ही रची थी लूट की साजिश

- **सभी आरोपी बाड़मेर के अलग-अलग मेडिकल दुकानों पर काम करते हैं, वारदात का मास्टरमाइंड व्यापारी की दुकान पर काम कर चुका है**
- **मेडिकल व्यापारी उत्तमचंद पुत्र हाथीराम माहेश्वरी के घर से लुटेरे 40-45 तोला सोना, 50-60 किलो चांदी व 1.25 लाख रुपए नकद लूटकर ले गए थे**

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिले के सरहदी गडरा रोड़ कस्बे में गत तीन सितंबर की मध्यरात्रि में मेडिकल व्यापारी के घर हुई करोड़ों की लूट का बाड़मेर पुलिस ने 72 घंटों में पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी अलग-अलग मेडिकल दुकानों पर काम करते है और वारदात का मास्टरमाइंड आरोपी व्यापारी की दुकान पर काम कर चुका है। ऐसे में उसे व्यापारी की पूरी जानकारी थी और अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों की तनख्वाह अधिक नहीं थी, इसलिए अपने मौज और शोक को पूरा करने के लिए इन्होंने यह लूट की। पुलिस ने 72 घंटो के अंदर वारदात का खुलासा किया। मामले में आरोपियों से माल की बरामदगी और अन्य आरोपियों की दस्तयाबी को लेकर जांच जारी है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि गत 4 सितंबर की रात्रि में करीब 1.30 बजे गडरा रोड़ कस्बे में मेडिकल व्यापारी उत्तमचंद पुत्र हाथीराम माहेश्वरी के घर की छत के रास्ते चार नकाबपोश लुटेरों द्वारा घर में प्रवेश कर परिवादी उत्तमचंद व उसके परिवार के साथ मारपीट कर बंधक बनाकर 40-45 तोला सोना, 50-60 किलो चांदी व 1.25 लाख रुपए नकद लूटकर ले गए। जिले में यह लूट की सबसे बड़ी वारदात थी और इस घटना के बाद क्षेत्र में भय व्याप्त हो गया। लूट की घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों सहित मेडिकल एसोसिएशन ने भी आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपे थे। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा व अन्य आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जस्साराम बोस के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधिकारी, महिला अपराध अनुसंधान प्रकोष्ठ नितेश आर्य व रामसर वृताधिकारी मानाराम गर्ग के सुपरविजन में विशेष टीमों व स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन कर आवश्यक निर्देश दिए जिस पर पुलिस टीमों ने मामले में गहन अनुसंधान करते हुए घटनास्थल व अपराधियों के आने जाने के रास्ते, पेट्रोल पंप, टोल नाकों के करीब 100 से ज्यादा कैमरों और 80 किलोमीटर में आने वाले बाड़मेर, जैसलमेर व जालोर के क्षेत्र में समस्त संभावित रास्तों के फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान व भागने के रास्तों का पता लगाने का प्रयास किया। गडरा रोड़ कस्बे में पिछले दिनों आने जाने वाले लोगों की गोपनीय सूचना ली गई और पीड़ित व्यापारी के दुकान व घर में पिछले 15 सालों तक काम करने वाले घरेलू नौकर और सेल्समैन की जानकारी जुटाकर उन पर विशेष निगरानी रखी गई।

पुलिस द्वारा मामले में किए गए अनुसंधान और उच्च अधिकारियों द्वारा घटनाक्रम को बारीकी से समझने पर शक की सुई स्थानीय किसी नौसिखिए बदमाश व पीड़ित परिवार के किसी पहचान वाले पर गई। इस दौरान परिवादी की गडरा रोड़ स्थित मेडिकल दुकान पर कुछ साल पहले काम कर चुके युवक व उसके फार्मा सेल्समैन मित्रों की असामान्य गतिविधियों व डाटा पैटर्न का बारीकी से विश्लेषण किया गया तो उक्त चार युवक संदेह के घेरे में आ गए जिस पर इन युवकों को पुलिस द्वारा सर्विलांस पर रखा गया। पुलिस ने तीन दिन तक अथक प्रयास कर आरोपियों को ट्रेसआउट कर गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि वारदात में शामिल मुख्य आरोपी पहले परिवादी उत्तमचंद की मेडिकल दुकान पर सेल्समैन की नौकरी करता था। ऐसे में उसे परिवादी के घर दुकान की पूरी जानकारी थी। वारदात में शामिल सभी आरोपी बाड़मेर में अलग-अलग मेडिकल की दुकानों पर सेल्समैन की नौकरी करते है तथा सभी अलग अलग गांव के निवासी है। चारों आरोपी मेडिकल की दुकान पर नौकरी करने के दौरान आपस में परिचित हुए थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गडरा निवासी लूटेरे ने अपने पुराना सेठ आयु में अधिक होने, घर पर कम सदस्य रहने तथा ज्यादा माल मिलने की जानकारी होने पर अपने अन्य 3 दोस्तों के साथ मिलकर कई दिनों तक इस लूट की योजना बनाते हुए परिवादी के पुत्र के गडरा से बाहर जाने का इंतजार किया, जब इन्हें पता चला कि परिवादी का पुत्र आज गडरा से बाहर है, घर पर केवल परिवादी व उसकी वृद्ध पत्नी तथा उसकी पुत्री तथा दूधमुंही नातिन होने का मौका देखकर घटना को अंजाम देने का फैसला किया। इन चारों अपराधियों द्वारा अलग-अलग साधनों से 3 तारीख की शाम गडरा पहुंच परिवादी के मकान की रैकी करना प्रारम्भ की तथा मध्य रात्रि में कस्बा में लगे सीसीटीवी कैमरों से बचाव करते हुए परिवादी के पडौसी मकान की छत पर चढ़कर सीढ़ियों के रास्ते परिवादी के घर में प्रवेश किया तथा परिवादी व उसके परिवार को एडेसिव टेप से हाथ व मुंह बांधकर उक्त वारदात को अंजाम दिया। वारदात के पश्चात चारों लूटेरे परिवादी की पुत्री का मोबाइल पास स्थित रेलवे ट्रेक के पास झाड़ियों में फेंककर सीसीटीवी फुटेज से बचने के लिए रेलवे पटरी-पटरी गागरिया कस्बा तक पैदल पहुंचे व सामने से अपने सहयोगी से साधन मंगवाकर गागरिया से उस साधन से पृथक पृथक अपने स्थानों को रवाना हुए। रातभर जगने के बावजूद भी चारों लूटेरे प्रातः नियमित दिनचर्या अनुसार अपनी-अपनी मेडिकल की दुकान पर पहुंचकर कार्य करने लगे जिससे लोगों में किसी प्रकार का शक न हो। उक्त चारों अपराधियों के विरूद्ध पूर्व में कोई प्रकरण दर्ज होना नहीं पाया गया है।

उदयपुर-झाड़ोल हाइवे पर लैंडस्लाइड होने से जाम लगा

- **पहाड़ियों से बड़े-बड़े पत्थर हाइवे पर गिर गए, जिससे यातायात बाधित हो गया**
- **अलीपुरा से बहे युवक का शव मिला, सायरा के पास नदी में बहा वृद्ध**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में सोमवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी हुई। ठंडी हवाएं चलने के साथ ही मौसम में ठंडक घुल गई। इधर मौसम विभाग ने सोमवार को भी येलो अलर्ट के साथ बारिश की चेतावनी दी। वहीं उदयपुर-झाडोल ईडर राष्ट्रीय राजमार्ग 58 ई पर लैंडस्लाइड होने से जाम लग गया था जो पूरी तरह से दोपहर में जाकर खुला। हाइवे पर उन्दवेला में लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ियों से बड़े-बड़े पत्थर हाइवे पर गिर गए जिससे दोनों तरफ से यातायात बाधित हो गया। इससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। वहां पर ग्रामीणों ने अपने स्तर पर रास्ता साफ करने का काम शुरू किया। सूचना पर झाडोल थाने से पुलिस भी मौके पर पहुंची। दोपहर बाद पूरी तरह से मार्ग खुल गया था। रविवार रात को तेज बहाव के चपेट में आये युवक का शव सोमवार को मिला। वहीं सोमवार को एक वृद्ध तेज बहाव में बह गया।

उदयपुर में रविवार रात करीब 11 बजे भूपालपुरा थाना क्षेत्र के अलीपुरा में स्थित शहीद भगत सिंह ब्रिज के वहां पानी में बहे एक युवक का सोमवार तड़के तक पता नहीं चला। सिविल डिफेंस की टीम ने वहां पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। इसके बाद सोमवार सुबह वापस उसे परिजनों और अन्य ने खोजना शुरू किया तो जहां वह गिरा उससे आधा किलोमीटर दूर उसका शव मिला। मृतक की शिनाख्त शेरू (26) के रूप में हुई है। वहीं उदयपुर के सायरा क्षेत्र में तिरोल के बोरमचा पुलिया से एक वृद्ध पानी में बह गया। पुलिया पार करते 60 वर्षीय रोहिडा गांव का रहने वाला जालूराम गमेती तेज पानी के बहाव में बह गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें वृद्ध बह रहा था। सूचना मिलने पर गोगुंदा उपखण्ड अधिकारी शुभम भैसारे, सायरा तहसीलदार सुरेश मेहता, थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत मौके पर पहुंचे। तहसीलदार सुरेश मेहता ने बताया कि सुबह करीब दस बजे की घटना है। ग्रामीणों ने उसे जाने से मना किया लेकिन वह बनास नदी की पुलिया पर गया और तेज पानी के साथ बह गया। उन्होंने बताया कि उसने तैरते हुए बचने की काफी कोशिश की लेकिन पानी का वेग तेज था और वह बह गया। उदयपुर से सिविल डिफेंस की टीम को बुलाया गया लेकिन इससे पहले करीब 400 मीटर की दूरी पर उसका शव नदी किनारे मिला।

उदयपुर जिले के कैचमेंट क्षेत्र में हुई बारिश से जलाशयों में लगातार पानी की आवक जारी है। आयड़ नदी में लगातार पानी बहने से किसानों की फसल चौपट हो गई है। आयड नदी के उफान पर आने के बाद उदयसागर के आस-पास के गांवों में तबाही मची हुई है। उदयसागर की पूर्ण भराव क्षमता 24 फीट है और यह शनिवार देर रात करीब 28 फीट तक भर गया। सोमवार को भी उदयसागर का गेज 27.50 फीट पर था। उदयसागर के बैक वाटर से प्रभावित गांवों में हजारों बीघा खेतों में फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और सब्जियां उदयसागर के बैकवाटर में दफन हो चुकी है। पशुओं को खिलाने वाला चारा भी पानी से बर्बाद हो चुका है।

कानपुर के पूर्व उप सरपंच मदनलाल डांगी ने बताया कि आयड नदी के दोनों छोर पर स्थित गांवों के किसानों की फसलें चौपट हो गई है। प्रभावित गांवों में कानपुर, नदी वाला खेडा, भोईयों की पंचोली, खरबडिया, मटून और लकडवास शामिल हैं। डांगी ने बताया कि किसानों की फसल, सब्जियां और पशुओं का हरा चारा पूरी तरह से तबाह हो गया है। उन्होंने सरकार से तुरंत प्रभाव से मुआवजा जारी करने और सूखा चारा उपलब्ध कराने की मांग की है।

परीक्षा केन्द्र पर कुछ सेकण्ड लेट पहुंची युवती, नहीं मिली परीक्षा की अनुमति

- **मालपुरा क्षेत्र की एक युवती 10-15 सेकेंड लेट होने से पर परीक्षा सेंटर के बाहर गेट पर ही बैठकर खूब देर तक रोई**
- **रोते हुए गेट पर हाथ मार कर काफी देर तक गेट खोलने की गुहार लगाई, लेकिन परीक्षा के नियमों के आगे सब बेबस नजर आए**

टोंक, (निसं)। आरपीएससी की वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन सोमवार को पहली पारी की परीक्षा 29 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। पहली पारी में रजिस्टर्ड 9960 अभ्यर्थियों में से 7675 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं रविवार को मालपुरा क्षेत्र की एक युवती 10-15 सेकेंड लेट होने से पर परीक्षा सेंटर सेंट सोल्जर स्कूल के बाहर गेट पर ही बैठकर खूब देर तक रोई, उसने रोते हुए गेट पर हाथ मार कर काफी देर तक गेट खोलने की गुहार लगाई, लेकिन परीक्षा के नियमों के आगे सब बेबस नजर आए। गेट नहीं खुलने पर लोगों ने उसे समझाकर घर के लिए रवाना कर दिया। ऐसे ही इमानुएल सीनियर सेकेंडरी स्कूल टोंक पर भी एक दो मिनट लेट आए चार अभ्यर्थी परीक्षा देने से वंचित हो गए।

अति. जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया ने बताया कि रविवार को पहली पारी सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी पारी दोपहर बाद तीन बजे से शाम साढ़े 5 बजे तक होगी। एक घंटे पहले परीक्षा सेंटर पर प्रवेश बंद कर दिया जाएगा, पुलिस समेत अन्य की माकूल व्यवस्था की गई है। 12 सितंबर तक चलने वाली सेकंड ग्रेड भर्ती इस परीक्षा के लिए जिले में 72 हजार से अधिक अभ्यर्थी रजिस्टर्ड है। कड़ी चैकिंग के बाद परीक्षार्थी को परीक्षा शुरू होने से सेंटर पर दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जा रहा है।

फर्जी सिम बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार

भवानीमंडी, (निसं)। पुलिस ने साइबर अपराध में लिप्त एयरटेल सिम विक्रेता के खिलाफ साइबर सैल झालावाड़ व भवानीमंडी पुलिस ने संयुक्त कारवाई करते हुए 10 एयरटेल कंपनी की 5 जी सिम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी ग्राहकों कि जानकारी के बिना उनकी आईडी से केवाईसी के नियमों का उल्लंघन कर एक से अधिक बार केवाईसी कर एक से अधिक फर्जी सीमें षडयंत्रपूर्वक धोखाधड़ी से एवं कुटरचित पूर्वक जारी करता था। थानाधिकारी रमेशचंद मीणा ने बताया कि सिम विक्रेता ग्राहकों की जानकारी के बिना उनकी आईडी से सिम जारी करता है।

जुआ खेलने वाले सात जुआरी गिरफ्तार

पुलिस ने जुआ खेलने के मामले में सात जनों को गिरफ्तार किया।

- **रामगढ़ झूठा के जंगल में जुआ खेलते वाले जुआरियों के विरूद्ध कार्रवाई, जुआ राशि जब्त की**

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा, आरपीएस एवं वृत्ताधिकारी राजेश कसाना, आरपीएस के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी सदर, गजराज पु.नि. मय टीम द्वारा थाना क्षेत्र के रामगढ़ झूठा के काकड़ की झाडियों मे दो अलग-अलग स्थानों पर दो समुह में बैठकर जुआ खेलते सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं 30560 रूपये नगद जब्त की है।

थानाधिकारी सदर को मुखबिर से सूचना मिली कि रामगढ़ झूठा के काकड़ की झाड़ियों में 8-10 व्यक्ति ताश के पत्तों पर रूपये-पैसों का दांव लगा कर जुआ खेल रहे हैं। सूचना विश्वसनिय होने पर थाना स्तर पर दो अलग-अलग टीमों का गठन किया जाकर टीमों द्वारा रामगढ़ झूठा की काकड़ के जंगल में एक साथ दबिश दी गई। दबिश के अंतर्गत सात व्यक्ति ताश के पत्तों पर रूपये पैसों से दांव लगाकर जुआ खेलते मिले जिनके पास जुआ रकम मिली, जिनको जब्त कर युवराज प्रजापत पुत्र सोहनलाल निवासी कृष्णा कॉलोनी, कैलाशचन्द पुत्र मदनलाल कुम्हार निवासी मेवाडी गेट सब्जी मण्डी रोड, सूर्यप्रकाश उर्फ सूरज पुत्र द्वारकाप्रसाद दाधिच कॉलोनी मसुदा रोड, सुरेश सोनी उर्फ कालुराम पुत्र पुखराज सोनी निवासी अस्पताल रोड मारवाड जंक्शन, कैलाश सिंह पुत्र भरमा सिंह रावत निवासी बिजयनगर रोड सेदरिया जेल के सामने, कालु पुत्र जमाल शेख निवासी बिजयनगर रोड सेदरिया, दीपु पुत्र मनोहरलाल खटीक निवासी लोकाशाह नगर सब्जी मंण्डी के सामने आदि को गिरफ्तार किया।

जुआ खेलते सात गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में उनियारा थानाधिकारी कप्तान सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कस्बा उनियारा में सवाई माधोपुर रोड बंसल पेट्रोल पम्प के पास स्थित एचएस की दुकानों के पास बम्बूलों की आड़ में दो अलग-अलग गुटों को जुआ खेलते हुये सात आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से जुआ राशि 71 हजार रुपये जब्त की।

थाना टीम ने जुआ खेलने की मिली सूचना पर कार्रवाई कर कई स्थानों पर दबिश देकर एक स्थान से चार आरोपी जिनके कब्जे से 43 हजार रूपये की राशि तथा द्वितीय टीम द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 28 हजार रुपये जब्त किये गये। इस कार्रवाई में जितेन्द्र पुत्र मांगीलाल बैरवा, रामजीलाल पुत्र तुलसीराम, बन्ना खां पुत्र फकीर मोहम्मद, विजय कुमार पुत्र प्रकाश, विकास कुमार उर्फ बिड्डु पुत्र रतन लाल, ओमप्रकाश पुत्र आशाराम व रोहिताश पुत्र काशीराम जाट समस्त निवासी थाना बनेठा जिला टोंक को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ बीएनएस व आरपीजीओ में प्रकरण दर्ज किया गया, जिन्हें न्यायालय एसीजेएम उनियारा में पेश किया गया।

जेवर व नगदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। घंटाघर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मकान में घुस सोने चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडत सिंघटवाड़ियों के सेहरी बड़ा बाजार निवासी मिलन सोनी पुत्र हीरालाल ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि 6 सितंबर को अज्ञात चोर मकान में घुस कर अलमारी से सोने कंगन, मंगलसूत्र, 4 अंगूठियां सोने की, एयरिंग, सोने के दो मनके, चेन चांदी की पायल, फूल, 5 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। इसका पता चलने पर जांच की लेकिन सुराग नहीं लगा। वहीं शहर के प्रतापनगर थाना क्षैत्र में युवक की अकाल मौत हो गई। सोमवार सवेरे विजेन्द्र सिंह (50) की तबीयत खराब होने पर परिजन एमबी चिकित्सालय ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

भाजपा कार्यकर्ता के घर पर हमला करने के मामले में चार गिरफ्तार

- **पुलिस ने नयाशहर थाना इलाके से दो नाबालिग को निरूद्ध किया है**

बीकानेर, (निसं)। यहां करमीसर क्षेत्र में प्लॉट विवाद के चलते भाजपा नेता के घर पर महिलाओं को पीटने, बाल पकड़कर फैकने के मामले में पुलिस ने चार जनों को गिरफ्तार किया है। बीकानेर पश्चिम के विधायक जेठानन्द व्यास स्वयं मौके पर पहुंचे थे, इसके बाद भी पुलिस ने गिरफ्तारी में दो दिन लगा दिए।

तीन सितम्बर को गणेश पंवार ने बताया था कि उसके पिता फागुराम व परिवार के अन्य सदस्य घर व बाडी में थे। इसी दौरान बदमाशों ने वहां पहुंचकर मारपीट शुरू कर दी। पिता के सिर पर में चोट लगी। बीच बचाव करने पहुंची महिलाओं के साथ अभद्रता की गई और बाल खींचकर बाहर फेंका गया। आरोप है कि डॉ. राधेश्याम आर्य ने कागजों में हैराफेरी कर हमारे मकान व बाडी पर कब्जा करने की कोशिश की। उस दिन अचानक से धड़ाम की आवाज आई तो गणेश भाग कर बाडी में आगे की तरफ गया तो देखा कि ओमप्रकाश पंवार पुत्र लाखाराम, डॉ. राधेश्याम, मोहनराम जाट, गणेशाराम, सुभाष, ओमप्रकाश जाट व 30-40 अन्य व्यक्ति व 10-12 औरतें दो स्कॉर्पियों, कैम्पर, स्वीफ्ट आदि में आये। मेरे व मेरे परिवार के उपर जानलेवा हमला कर दिया जिससे गणेश के हाथ, पैरों, मुंह, पीठ, कमर पर चोट लगी है।

आईजी हेमन्त शर्मा के निर्देश पर थानाधिकारी विकास बिश्नोई ने इस मामले में चार जनों को गिरफ्तार किया है। इनमें ओमप्रकाश पुत्र दुर्गाराम निवासी गली नम्बर दो रामपुरा बस्ती, मदनलाल पुत्र गैनाराम बस ड्राईवर झाला ट्रेवल्स बीकानेर, दीनदयाल उर्फ दिनेश पुत्र शिवप्रताप निवासी मुनीम सनराईज ट्रैडर्स बीकानेर, पवन पुत्र बुधराम निवासी चुंगी चौकी को गिरफ्तार किया है। इस झगड़े में दो नाबालिग भी शामिल थे। पुलिस ने नयाशहर थाना इलाके से दो नाबालिग को निरूद्ध किया गया। इन दोनों के खिलाफ भी कानून अनुसार कार्रवाई अलग से की जा रही है।

बैंक में चोरी का प्रयास विफल

उदयपुर, (निसं)। जिले में देर रात थाने से महज 150 मीटर दूरी पर चोरों ने पंजाब नेशनल बैंक की दीवार तोड़कर चोरी की कोशिश की। इस दौरान आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए। बाहर आकर देखने पर चोर भाग निकले। चोरों ने बैंक की साइड की दीवार पर नीचे की तरफ करीब दो फीट का छेद कर दिया था। घटना कोटडा थाना क्षेत्र में बीती रात करीब ढाई बजे की है। दीवार तोड़े जाने की आवाज सुनकर आसपास लोग जाग गए। लोगों ने बाहर आकर देखा तो दो युवक दिखाई दिए। इसके बाद बदमाश तुरंत मौके से फरार हो गए। लोगों का कहना है कि कुछ देर से दीवार को तोड़े जाने की आवाज लगातार आ रही थी। कोई घटना का अंदेशा होने से वे घर से बाहर आए तब वारदात का पता लगा।

चौरड़ी कृषि पर्यवेक्षक से चार लोगों ने मारपीट की, अस्पताल में भर्ती कराया

सैंथल थाना के बाहर कृषि पर्यवेक्षकों ने प्रदर्शन किया।

- **कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सैंथल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया**
- **मामला तेजी से बढ़ने की आशंका के चलते पुलिस ने एक जने को गिरफ्तार किया**
- **क्षेत्र में फसलों में हुए खराबा का सर्वे करने के लिए कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी राकेश कुमार मीना अपने कार्य क्षेत्र में आए हुए थे**

दौसा, (निसं)। सैंथल थानान्तर्गत बासड़ी चौराहा पर रविवार रात्रि को चार लोगों ने चौरड़ी कृषि पर्ववेक्षक राकेश कुमार मीणा के साथ जमकर मारपीट कर दी, जिसके चलते कृषि पर्ववेक्षक गंभीर रुप से घायल हो गये, जिन्हे स्थानीय लोगो की मदद से उपचार के लिए राजकीय जिला चिकित्सालय भर्ती कराया है। इधर उक्त घटनायें से गुस्साये कृषि अधिकारी एवं दर्जनों कृषि पर्यवेक्षक सैंथल थाना पहुंचे तथा मारपीट करने वालो को तत्काल गिरफ्तार किये जाने की मांग की। उधर मामला तेजी से बढ़ने की आशंका के चलते सैंथल पुलिस ने मारपीट के आरोप में एक जने को गिरफ्तार कर लिया है।

सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीना ने बताया कि रविवार को क्षेत्र में फसलों में हुए खराबा का सर्वे करने के लिए कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी राकेश कुमार मीना अपने कार्य क्षेत्र में आए हुए थे। राजकार्य करने के बाद सूचना देने के लिए सहायक कृषि अधिकारी मुख्यालय सैंथल जा रहे थे। रास्ते में बासडी चौराहा पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोगों ने उन्हें रास्ते में रोककर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया एवं मारपीट की और उनके पास जो राजकीय दस्तावेज थे उन्हें फाड़ दिया। मौके पर उपस्थित लोगों ने बड़ी मुश्किल से उन्हें इन लोगों से बचाया, उसके बाद सहायक कृषि अधिकारी सैंथल घासीराम मीणा एवं कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी राकेश कुमार मीणा पुलिस थाना सैंथल पहुंचे एवं उक्त सभी चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट एवं राजकार्य में बाधा के संबंध में मुकदमा दर्ज करवाया। वहीं एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

दूरभाष पर सहायक कृषि अधिकारी सैंथल घासीराम मीणा ने इस घटना की सूचना सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीणा एवं संयुक्त निरेशक कृषि (विस्तार) दौसा रामराज मीना को दी। सैंथल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद देर रात्रि राकेश कुमार मीना कृषि पर्यवेक्षक चौरड़ी को राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा में आपातकालीन वार्ड में लेकर पहुंचे एवं उनका इलाज करवाया गया। इस घटना से जिले के कृषि विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। सोमवार को कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सैंथल पुलिस थाना पहुंचे एवं आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई कृषि विभाग के अधिकारियों की मांग है कि जल्द से जल्द अन्य तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए, यदि 2 दिन में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो जिले के कृषि विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा जिला कलक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) दौसा अशोक कुमार मीणा, सहायक कृषि अधिकारी घासीराम मीणा, घासीलाल मीणा, ओमप्रकाश बैरवा, कृषि पर्यवेक्षक वीणा मीणा, अनीता मीणा, चमेलाबाई मीणा, राकेश कुमार मीणा एवं उनके परिजन एवं क्षेत्र के किसान मौजूद रहे।

अफीम से भरा बैग फेंककर भागा एक और आरोपी गिरफ्तार

एनडीपीएस के मामले में लंबे समय से फरार ईनामी आरोपी जगदीश उर्फ जेडी को गिरफ्तार किया

- **आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जोधपुर, फलोदी आदि स्थानों पर गयी एवं स्थानीय पुलिस को अवगत कराया था**

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के नेतृत्व में पुलिस दल ने 10 मई 2023 को अफीम भरा बैग फेंककर भागने के मामले में ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के सुपरविजन में बांसवाड़ा पुलिस व जोधपुर साइक्लोनर टीम ने एनडीपीएस के मामले में लंबे समय से फरार ईनामी आरोपी जगदीश उर्फ जेडी पुत्र मांगीलाल खिलेरी विश्नोई निवासी भारताणियों की ढाणी, एकल खोरी, थाना ओसिया जिला जोधपुर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 10 मई 2023 को तत्कालीन थानाधिकारी कोतवाली रतन सिंह ने मय जाप्ते के नाकाबंदी के दौरान नाकाबंदी तोड़कर भागी कार का पीछा किया तो आरोपियों ने चलती कार से बैग फेंक दिया और कार को लड्ढा हॉस्पिटल के पास छोड़कर भाग गये थे। बैग में 16 किलो 25 ग्राम अवैध अफीम होने से अफीम व कार जब्त की गयी थी। अनुसंधान के दौरान आरोपी भरतदान उर्फ भरतचारण निवासी नोखड़ा चारणान, जिला फलौदी को गिरफ्तार किया था। भरतदान ने बताया कि उसने यह अफीम राहुल लोहार एवं पुश्करदास बैरागी से ली थी जिसने किसी मिलने वाले व्यक्ति से एकत्रित कर रखी थी। इसके पैसे भरतदान व जगदीश उर्फ जेडी ने दिये थे।

इस अफीम में से 1 किलो लक्ष्मण पुत्र बाबुराम बिश्नोई निवासी जेसला व 2 किलो अशोक पुत्र परतापाराम निवासी जेसला को देनी थी। 1 किलो रामस्वरूप निवासी जेसला और 3 किलो सुभाश विश्नोई निवासी नोखड़ा को देनी थी वहीं शेष 9 किलो अफीम जगदीश उर्फ जेडी को अपने पास रखनी थी। अभियुक्त भरतदान व पुष्करदास टाटा हेरियर तथा अशोक व राहुल लोहार क्रेटा गाड़ी में थे। बांसवाड़ा पुलिस ने अशोक की क्रेटा कार रोकने का ईशारा किया था जिस पर अशोक कार लेकर भाग निकला और उसके पीछे-पीछे इन लोगों की गाड़ी भी निकल गयी।

अभियुक्त भरतदान उर्फ भरत चारण को बांसवाड़ा पुलिस ने स्थानीय पुलिस की सहायता से गिरफ्तार किया। शेष आरोपी फरार थे जिन पर जिला पुलिस अधीक्षक ने बीस-बीस हजार रूपये के ईनाम की घोषणा की थी। इसके पश्चात् आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम जोधपुर, फलोदी आदि स्थानों पर गयी एवं स्थानीय पुलिस को अवगत कराया। स्थानीय पुलिस व बांसवाड़ा पुलिस ने आरोपी के निवास पर कई बार दबिश दी व दबाव भी बनाया था। जिसके चलते आरोपी जगदीश उर्फ जेडी विश्नोई को जोधपुर से गिरफ्तार किया गया।

सार-समाचार

बॉक्सिंग क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

पावटा। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, लाडाकाबास में 69वीं जिला स्तरीय बॉक्सिंग क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य व पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सरदार मल यादव की अध्यक्षता व एसीबीईओ सुरेश कसाना, रामेश्वर प्रसाद, बलराम यादव, हनुमान दास स्वामी, एडीएम धूडमल, सुलतान यादव, बनवारी लाल, सीताराम कुमावत, जीएसएस अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद हरिराम चोरिया, रामावतार मोडिया हरसाय, महेश चोरिया, सुलतान दास स्वामी, ईश्वर मूलचंद, रामनिवास पचेरिया, चिरंजी लाल शर्मा, भागीरथ लाठा, कैलाश गुर्जर, जगमाल के विशिष्ट आतिथ्य में बडे ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस चार दिवसीय खेल आयोजन में 9 विद्यालयों के कुल 52 खिलाडियो ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कुलदीप धनखड ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि ये मानसिक शक्ति, आत्मविश्वास और अनुशासन की नींव भी रखते हैं। उन्होंने विशेष रूप से बॉक्सिंग जैसे खेलों को बच्चों में जुझारूपन और साहस की भावना को मजबूत करने वाला बताया। वही विधायक धनकड ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु दो कक्षाएं व एक बरामदे का निर्माण, छात्राओं के लिए शौचालय निर्माण, खेल मैदान का आवंटन की घोषणाएं की।प्रतियोगिता के दौरान शानदार प्रदर्शन के कारण पर यूरो चिल्ड्रन एकेडमी, बहरोड को विजेता विद्यालय घोषित किया गया। वही बेस्ट बॉक्सर विष्णु सिंह एमडीएस स्कूल कोलिला नीमराणा, रनर बॉक्सर लक्की नायक महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, लाडाकाबास मुख्य पुरस्कार विजेता रहे। इस दौरान विधायक धनकड सहित अतिथियों द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त खिलाडियों को गोल्ड मेडल, द्वितीय स्थान प्राप्त खिलाडियों को सिल्वर मेडल, तृतीय स्थान प्राप्त खिलाडियों को कांस्य पदक एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता मदन यादव ने भी खेलों व शिक्षा के महत्व पर सारगर्भित वक्तव्य दिया। समापन समारोह के अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य ओमप्रकाश यादव ने समस्त अतिथियों, प्रतिभागियों एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन का कार्य महेश यादव अध्यापक द्वारा अत्यंत कुशलता से संपादित किया गया।

रंगे हाथ चोर को पकड़ा

पावटा। क्षेत्र में वाहन चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे है। इसकी एक बानगी पावटा कस्बे में मूंगा जी कॉम्पिक्स के सामने रविवार को देखने को मिली। कस्बा पावटा के मूंगा जी कॉम्पेक्स के सामने रविवार को लोगों ने बाइक चोरी करते हुए एक बाइक चोर को पकड पुलिस के हवाले किया। मिली जानकारी के मुताबिक पावटा कस्बा स्थित मूंगा जी कॉम्प्लेक्स में एक बाइक खडी थी। इतने में ही एक चोर बाइक पर हाथ साफ करने लगा व उसे स्टार्ट कर ले जाने लगा तभी जिसकी बाइक थी उसने अनजान युवक को बाइक चोरी करते हुए देख उसके होश उड गए। चोर के बाइक चुराता देख बाइक मालिक ने आस पास के लोगों को शोर मचाकर इकट्ठा किया और बाइक चोरी कर ले जा रहे युवक को दौड़ कर पकड़ लिया। फिर क्या था वहां लोगो की भीड लग गई और बाइक चोर को लोगो ने पकड लिया। इसके बाद किसी ने इस बात की जानकारी प्रागपुरा थाना पुलिस को दी। बाइक चोरी किए जाने की जानकारी मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुच गई। पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस चोर को प्रागपुरा थाना ले गई। जहां उसके खिलाफ मामला दर्ज करने में जुट गई। पुलिस की माने तो युवक से पूछताछ में वह हिस्ट्रीशीटर है। यह पता लगाया जा रहा है कि वह वाहन चोरी में कब से सक्रिय है। वही इस पूरी घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दूदू। राजकीय कन्या महाविद्यालय दूदू के सभागार में विश्व साक्षरता दिवस पर मतदान साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर संदीपन आर्य डॉक्टर मनोहर नावरिया डॉ लक्ष्मण जाट ने मतदान जागरूकता के सशक्त लोकतंत्र का निर्माण मतदान की मुल्यता चुनावी पाठशाला मतदान के अधिकार संवैधानिक उल्लेख से जानकारी दी गई है इस अवसर पर डॉक्टर सरोज ने मतदान का महिला सशक्तिकरण के निर्माण के योगदान पर विचार व्यक्त कीजिए

नील गाय के बच्चे का उपचार

शाहपुरा। शाहपुरा कस्बे में त्रिवेणी रोड पर एक खेत में नील गाय ने एक बच्चे को जन्म दिया ज्यों ही नील गाय इधर-उधर गई तो बच्चे पर दो श्वानों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने श्वानों को भगाया और इसकी सूचना पशुधन निरीक्षक गोविन्द भारद्वाज को दी। सूचना मिलते ही भारद्वाज ने मौके पर पहुंचकर घायल नील गाय के बच्चे का उपचार किया। भारद्वाज ने बताया कि श्वानों ने बच्चे के शरीर पर दो तीन हल्के घाव बना दिये थे जिनकी ड्रेसिंग की गई। उपचार के बाद बच्चे को उसकी माँ नील गाय के पास छोड़ा।

'शहर चलो अभियान' की तैयारियों को लेकर एडीएम ने अधिकारियों की बैठक ली

खैरथल। जिला प्रभारी सचिव के निर्देशो की पालना में जिला सचिवालय पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में शहर चलो अभियान सेवा पखवाडा के आयोजन की सफल तैयारियों को लेकर जिले के सभी नगर निकाय के अधिकारियों की बैठक हुई। उन्होंने अधिकारियों को शिविर में आधारभूत सुविधाओं जैसे बैठने की व्यवस्था, बिजली, पानी, छाया, फोटोकॉपी मशीन आदि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई।

खैरथल। जिला प्रभारी सचिव के निर्देशो की पालना में जिला सचिवालय पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में अधिकारियों की मिटिंग आयोजित हुई।

शहर चलो अभियान (सेवा पखवाडा) के शिविरों के आयोजन हेतु अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने तैयारी शिविर के तहत 13 सितंबर तक जन प्रतिनिधियों से वार्ड समस्याओं, आमजन से जनहित की विभिन्न योजनाओं हेतु आवेदन प्राप्त करने के कार्य, वार्ड वार विभिन्न समस्याओं का चिन्हीकरण आदि कार्य पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए।

इसी के साथ उन्होंने अधिकारियों को निकाय में लंबित प्रकरण एवं राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत प्राप्त आवेदन आदि का चिन्हीकरण संपूर्ण परीक्षण किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए वहीं उन्होंने अभियान के दौरान चिन्हित समस्याओं, लंबित प्रकरणों, राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं सेवा पखवाडा में प्राप्त आवेदनों, प्रार्थना पत्र सुझावों का तत्परता से समाधान व निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने अभियान के दौरान शिविर के आयोजन के साथ-साथ शहर को स्वच्छ सुंदर

शिविरों के सफल आयोजन व व्यवस्थाओं को लेकर दिए दिशा निर्देश

एवं स्वास्थ्य बनाए जाने हेतु संपूर्ण शहर की वृहद स्तर पर साफ सफाई, डामर सडक मरम्मत/पेच के कार्य, स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने, शहर के प्रमुख चौराहे, डिवाइडरों पार्क, सामुदायिक केंद्र, रैन बसेरा एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव एवं सौन्दर्यकरण, नालियों की मरम्मत, सिविल लाइन के लीकेज की मरम्मत, आवारा पशुओं को पकडने, जन्म/मृत्यु/विवाह पंजीयन/फायर एनओसी/ ट्रेड लाइसेंस/ साईनेज लाइसेंस/ ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र आदि बनवाने अनुमोदित योजनाओं के पट्टे का वितरण एवं प्रकरणों का निस्तारण करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य के विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप जनहित योजनाओं के तहत आवेदन प्राप्त कर उनकी स्वीकृति जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग द्वारा दी जाने वाली पेंशन प्रकरणों का निस्तारण कर आम जनता को लाभान्वित करने तथा मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना के आवेदनों को प्राप्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने लाभार्थियों को सीएम सम्मान निधि के लक्ष्य अनुरूप नए आवेदन पत्र प्राप्त करने एवं लंबित आवेदन पत्रों का ऋण वितरण करने, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम जन धन योजना, जननी सुरक्षा योजना, श्रम योगी मानधन योजना, भवन निर्माण वर्कर का पंजीयन, वन नेशन वन राशन कार्ड, मातृ वंदना योजना का लाभ आमजन को दिलाए जाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि शिविरों का आयोजन 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रात: 9:30 बजे से सांय 6:30 तक किया जाएगा। कैंपों का आयोजन वार्डवार जिले के प्रत्येक नगर निकाय में किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की पात्र लाभार्थी शिविर में उपस्थित होकर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर, शिविर को सफल बनाएं। बैठक के दौरान नगर परिषद आयुक्त खैरथल मुकेश शर्मा, नगर परिषद आयुक्त भिवाडी मुकेश कुमार, नगर परिषद तिजारा मनीषा यादव, नगर पालिका मुंडावर योगेश गुर्जर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सार्वजनिक हित में पैसा लगाना संपत्ति का सर्वश्रेष्ठ उपयोग

विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं का विस्तार करने के लिए भामाशाहों से संपर्क किया

पावटा। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुचारा की महात्मा गांधी राजकीय माध्यमिक विद्यालय मीणों का बास बुचारा में विद्यालय की उपलब्धियों के बारे जानकारी देते हुए तथा विद्यार्थियों को जरूरी सुविधाओं का विस्तार करने के लिए, घर-घर जा कर भामाशाहों से संपर्क कर भामाशाहों और विद्यालय में असुविधाओं के बारे में बताया व उन्हें प्रेरित किया गया।

जिस पर सोमवार को पूर्व एसएमसी अध्यक्ष सरदार मल मीणा व ख्याली राम मीणा वर्तमान एसडीएमसी अध्यक्ष की उपस्थिति में भामाशाहो द्वारा शंकर लाल सालासर इंडस्ट्रीज द्वारा छात्र छात्राओ के लिए मॉडर्न शौचालयों का निर्माण, मोहन सिंह शेखावत त्रिवेणी माइंस भोनावास द्वारा डबल बैटरी इनवर्टर, सरदार मल मीणा बुचारा द्वारा 40 छात्र छात्राओ को विद्यालय गणवेश, देवी लाल मीणा द्वारा विद्यालय म्यूजिक साउंड सिस्टम, निखिल जांगिड माइंस बुचारा द्वारा एक लैपटॉप, रोहिताश भेडी देव पवन पुत्र क्रेशर बुचारा द्वारा 11 कुर्सियां, रामकरण मीणा बुचारा द्वारा पानी की टंकी पाइप फिटिंग सहित, महेश मीणा चेयरमैन कोटपुतली द्वारा 40 छात्र छात्राओ को जूते व जुराब समस्त विद्यालय स्टाफ की मौजूदगी में विद्यालय संस्था प्रधान सुभाष चंद मीणा को सौंपी गई।

विद्यालय संस्था प्रधान सुभाष चंद मीणा ने भामाशाहो की सराहना करते हुए कहा कि अपनी संपत्ति में से परोपकार के लिए दान करना एक अद्भुत और प्रेरक बात है तथा इस अंचल में यह परंपरा हमेशा से विद्यमान है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक कार्य के लिए पैसा या संपत्ति दान करना संपत्ति का सबसे बेहतर उपयोग है।

भामाशाहो के बडे दिल की सराहना करते हुए कहा कि कमाई करना बडी बात नहीं है, कमाए गए धन को बेहतर कार्य के लिए दान करने का मन रखना बडी बात है।

उन्होंने कहा कि आज का समय शिक्षा व तकनीक का समय है। प्रत्येक समाज को अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। यह विद्यालय जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण कई प्रतिभाशाली छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

यदि आपके पास संसाधन हैं, तो ऐसे ही सामाजिक पहलों में सहयोग करें और समाज को शिक्षित बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने विद्यालय को दी गई सामग्री के लिए भामाशाहो का आभार व्यक्त किया।

विराटनगर में गोली चलने से मासूम की मौत

विराटनगर थाना। क्षेत्र के ग्राम छीतोली स्थित बरडा की ढाणी में खेल-खेल में घर में रखे लोडेड हथियार से गोली चलने से पांच साल चार महिने के मासूम बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घर में संदूक में लोडेड हथियार रखा हुआ था, बच्चे ने संदूक खोलकर उसे निकाल लिया व उससे खेलने लगा इसी दौरान ट्रिगर दबने से गोली चल गई, जो उसके ललाट में लगी। फायरिंग की आवाज सुन परिजन कमरे की और दौडे तो पांच वर्षीय मासूम देवांशु कमरे में फर्श पर लहूलुहान पडा था।

बच्चे को गंभीर घायल अवस्था में जिला अस्पताल बीडीएम कोटपुतली में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रेफर किया गया। जहां निम्स अस्पताल चन्दबाजी पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लापरवाही की वजह से परिवार का चिराग पलक झपकते ही बुझ गया। मासूम की अचानक मौत से गांव और परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। हंसते-खेलते आंगन की किलकारियां एक पल में चीखों और सन्नाटे में बदल गई। पुलिस की जांच के दौरान आशंका जताई गई है कि घर में रखे हथियार से मशहूर सिंगर कान्हा गुजरी मुकेश गुर्जर का पांच साल चार महिने का मासूम बेटा खेल रहा था। घर में संदूक में हथियार रखा था। बच्चे ने उस संदूक से निकाल उससे खेलने लगा उसी दौरान अचानक उसका ट्रिगर दबने से गोली चल गई व उसके ललाट में जा लगी। घटना की सूचना पर विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत व विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी है। वही मौके पर एसएफएलटीम व एम ओ बी टीम ने पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। वही विराटनगर थाना पुलिस द्वारा जहां यह घटना घटित हुए उस कमरे को सील किया गया है। मासूम देवांशु के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल मोर्चरी में रखवाया गया है। थाना प्रभारी सोहन लाल ने बताया कि घर में रखा हथियार वैध था या अवैध इसकी जांच जारी है। विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत ने बताया कि बच्चे को गोली घर में ही लगी है। एसएफएलटीम व एमओबी टीम ने पहुंचकर साक्ष्य जुटाए है।

जिला निर्वाचन अधिकारी की मौजूदगी में ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र कुमार ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया।

दौसा। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र कुमार ने सोमवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला कलक्ट्रेट परिसर स्थित जिला ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामस्वरूप चौहान ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना में जिला ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं के अवलोकन के लिए किए जाने वाले त्रैमासिक आन्तरिक निरीक्षण किया गया। ईवीएम वेयरहाउस के आन्तरिक निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी आवश्यक होती है। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र कुमार के साथ भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला, इण्डियन नेशनल कांग्रेस के जिला प्रवक्ता मुकेश राणा एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि द्वारिका प्रसाद मीना भी उपस्थित थे।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे प्रिय

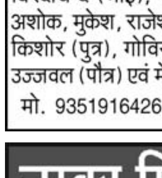

श्री कालुराम जी मेहता

पुत्र स्व. श्री नाथुराम जी बागड़ा का आकस्मिक निधन (रविवार) 07.09.2025 को हो गया है। तीये की बैठक (मंगलवार) 09.09.2025 को 12 से 4 बजे तक निवास स्थान 112, सुन्दर विहार, बेरिया पर होगी।

शोकाकुल- मंगलचन्द, चौगान, पुरूषोत्तम, गोपाल, नारायण, भंवर, बिरदीचन्द (भाई), महादेव, रामेश्वर, अशोक, मुकेश, राजेश, चंद्रप्रकाश, नन्द किशोर (पुत्र), गोविन्द, कर्ण, तोषित, उज्जवल (पौत्र) एवं मेहता परिवार।

मो. 9351916426, 8003914093

नम्बर मिलाइए 9587884433

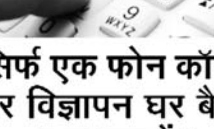

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

देवली में ज्योति सम्मान समारोह में शिक्षिकाओं का अभिनंदन

देवली। यहां सखी सहेली ग्रुप द्वारा शहर के घोसी मोहल्ला स्थित महर्षि गौतम आश्रम में संस्कार ज्योति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन की संयोजिका कमलेश मूंदडा ने जानकारी में बताया कि शहर के पटेल नगर व गणेश रोड कच्ची बस्ती में चल रहे संस्कार केंद्र एवं देवली, कुचलवाडा, हनुमाननगर में चल रही सभी आंगनबाड़ी में सेवाएँ दे रही शिक्षिकाओं, कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनी और सहायिकाओं को माला पहनाकर एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया है। सखी सहेली ग्रुप की शहर अध्यक्ष नीतू मंगल और

देवली के महर्षि गौतम आश्रम में संस्कार ज्योति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कोषाध्यक्ष मोनिका सुराणा ने बताया कि इन शिक्षिकाओं ने शिक्षा और संस्कार का दीप जलाया है। ऐसे में नारी शक्तियों के समर्पण और योगदान को ध्यान में रखते हुए सखी सहेली ग्रुप कि और से उक्त महिलाओं को सम्मानित किया गया है। सखी सहेली देवली शाखा समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को प्रोत्साहन देने का कार्य करती आ रही है।

सभी आंगनबाड़ी में सेवाएँ दे रही शिक्षिकाओं, कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनी और सहायिकाओं को माला पहनाकर कर सम्मानित किया

सतीश गुप्ता सर्वसम्मति से अध्यक्ष बने

किशनगढ़ बास। महावर वैश्य सेवा समिति किशनगढ़ बास की साधारण सभा की बैठक महावर भवन पर मुख्य संरक्षक बनवारी लाल गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इस बैठक में सर्वसम्मिति से सतीश महावर मोठूका वाले को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया तथा रिंकेश गुप्ता को सेक्रेटरी व पहलाद गुप्ता को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। संस्था के चुनाव ग्यासीराम गुप्ता भिवाडी, इंजीनियर मुदित गुप्ता जयपुर, तथा प्रेमचंद गुप्ता अलवर के सानिध्य में संपन्न कराए गए। चुनाव में समाज बन्धुओं ने अध्यक्ष पद के लिए सतीश गुप्ता मोठूका वाले के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पारित कर सतीश गुप्ता को अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष सतीश गुप्ता के उपरांत सेक्रेटरी पद पर रिंकेश गुप्ता व कोषाध्यक्ष पद पर प्रह्लाद गुप्ता खानपुर वालों को चुना गया है। नव नियुक्त पदाधिकारी को समाज की ओर से माला पहनाकर व मुंह मीठा कराकर स्वागत किया गया।इस दौरान अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता ने समाज के सभी लोगों को साथ लेकर चलने और सामाजिक कार्यों को और आगे बढ़ाने का अपना विजन प्रस्तुत कर सहयोग मांगा।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्या श्रवण लाल गुर्जर पुत्र रामकरण गुर्जर निवासी गराटियों की ढाणी, बढारणा जयपुर के द्वारा दुकान नं. 1,2,3,4 पदमावती नगर, मनसा माता, बढारणा, हरमाडा, सीकर रोड जयपुर राजस्थान को श्री बंशीधर पारीक पुत्र किशन लाल पारीक निवासी ए-16, सिन्धु नगर, मुरलीपुरा, जयपुर से खरीद इकरारनामा दिनांक 08.01.2024 को किया गया है। जिस किसी व्यक्ति, बैंक, कम्पनी अथवा संस्था को उज्र या आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन से सात दिवस की मियाद में अपनी उज्र या आपत्ति अधोलिखित नम्बर पर दर्ज करवा सकता है अवधि निकलने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। अत सूचित रहे।

रमेश कुमार शर्मा, एडवोकेट, मोबाईल नं. 9982054234

NAME CHANGE

I, hitherto known as Manpreet Kaur Arora/ Manpreet Arora daughter of Shri Narender Jeet Singh, E-10/ 77, chitrakoot, vaishali, jaipur 302021, rajasthan have changed my name and shall hereafter be known as Manpreet Kaur.

नाम परिवर्तन

मैं लच्छो देवी पत्नि भीकमसिंह आयु 41 वर्ष जाति जाटव निवासी जट नंगला तहसीलहिण्डौनसिटीजिला. करौली (राज.) शपथपूर्वक बयान करती हूं कि मेरी पुत्री पायल कुमारी का स्कूल में प्रवेश दिलाते समय मेरा स्वयं का नाम लक्ष्मी देवी दर्ज हो गया था जो कि गलत है जबकि मेरी पुत्री पायल कुमारी की माता का शुद्ध व सही नाम लच्छो देवी है मैं लच्छो देवी नाम को मेरी पुत्री की समस्त दस्तावेजों में दर्ज कर संशोधन करवाना चाहती हूं। भविष्य में मेरी पुत्री के समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में लच्छो देवी ही पढा जावें। ह. शपथग्रहिता

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-13 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2025-26/100206 **लोक सूचना** दिनांक: 08.09.2025

श्री BHARTARI RESORTS LLP JARIYE PARTNER AND AUTHORIZED SIGNATORY NARENDRA KUMAR TAYAL पुत्र श्री MANOHAR LAL TAYAL, जाति MAHAJAN निवासी B-2/437, CHITRAKOOT NAGAR NEAR VAISHALI NAGAR ROSHAN PATH JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई (रिसोर्ट) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	आवेदित क्षेत्र (हैक्टे.)
1	कीरतपुरा, आमेर (जयपुर)	1.) BHARTARI RESORTS LLP हिस्सा पूर्ण जरिये कार्यालय पता 607 जयलाल मुंशी का रास्ता चांदपोल बाजार जयपुर 302001 खातेदार	204/1	0.09	0.09
2			211	0.41	0.41
3			209/287	0.08	0.08
4			210/298	0.17	0.17
5			212/355	0.07	0.07
6			215/1	0.26	0.26
				कुल	1.08

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Jaipur Development Authority (JDA) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08.09.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-13, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

खोया पाया

मेरे प्लाट नंबर बी-68, रोहिणी एनक्लेव, जेडीए स्कीम का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र व पेमेंट रसीद मालवीय नगर में कहीं खो गई हैं। मिलने पर सूचित करें- अंकुर मेहरा-8955411001

मेरे मकान ए-75-ए, मॉडल टाउन मालवीय नगर के मूल जेडीए पट्टा, लीज पत्र एवं समस्त मूल कागजात जवाहर नगर में कहीं खो गए हैं। मिलने पर सूचित करें-सोनल गुप्ता-9784597361

प्लाट नं. पुराना सी-509 नया प्लाट नं. सी-453-सी, न्यू पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना सिद्धार्थ नगर-सी जयपुर का समिति द्वारा साईट प्लान गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। सुशीला मीना-8118863293

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/571

मुकदमा नम्बर चूंकि प्रार्थी श्री SANJEEV BAIRATHI D-23, JAGAN PATH CHOMU HOUSE C-SCHEME JAIPUR G.P.O JAIPUR-302001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास केजीके हेरिटज रियाइयल सोसायटी 101, HAZRAT ALI NAGAR, AMER ROAD, JAIPUR RAJASTHN-302002 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 03.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 11.11.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-1/TRUST/613

चूंकि प्रार्थी श्री Dr. Chandra Shekhar Chatterjee, 31, Sangram Colony, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री सत्यायतन आश्रम समिति, जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 03.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 06.11.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नोटिस

माननीय न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश सं. 1 महोदय बयाना-भरतपुर

1. श्रीमती धर्मो आयु 62 साल पत्नी स्व. स्व. बनयसिंह, 2. राजेन्द्र आयु 55 साल पुत्र स्व. बनयसिंह सभी जाति जाटव निवासी गांव शेरगढ़, तहसील-बयाना, जिला-भरतपुर (राज.), 3. सीमा आयु 25 साल पुत्री स्व. बनयसिंह, पत्नी बहादुर हाल निवासी घरसोनी, तहसील-वैर, जिला-भरतपुर (राज.) ... याचीगण/प्रार्थीगण

(बनाम)

1. हरखासोआम, 2. श्रीमती सुषमा आयु 30 साल पत्नी स्व. बबलू पुत्र स्व. बनयसिंह जाति जाटव निवासी गांव शेरगढ़, तहसील-बयाना, जिला-भरतपुर (राज.), 3. महक आयु 6 साल पुत्री स्व. बबलू, 4. पायल आयु 4 साल पुत्री स्व. बबलू दोनों नाबालिग जरिये संरक्षक माता सुषमा पत्नी स्व. बबलू जातियान जाटव निवासी गांव शेरगढ़, तहसील-बयाना, जिला-भरतपुर (राज.)

मुत. दीवानी 34/2025 ... गैरयाचीगण/अप्रार्थीगण

याचिका (पिटीशन) अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

नोटिस बनाम हरखासोआम :-

जो कि उक्त याचिका याचीगण प्रार्थीगण की ओर से इस न्यायालय में उक्त अधिनियम की धारा 372 के अन्तर्गत याची संख्या-1 के पति व याची संख्या 2, 3 के पिता व गैरयाची संख्या-2 के श्वसुर व 3, 4 के बाबा बनयसिंह पुत्र हजारी जाति-जाटव निवासी गांव शेरगढ़, तहसील बयाना, जिला-भरतपुर (राज.) के स्थाई निवासी थे जिनका स्वर्गवास दिनांक को गांव शेरगढ़, तहसील बयाना जिला-भरतपुर (राज.) में हो गया था। मृतक बनयसिंह के नाम से बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा बयाना में खाता संख्या 25478100011505 खुला हुआ था जिसमें स्वर्गीय बनयसिंह अपनी बचत राशि जमा कराते थे और स्व. बनयसिंह के उक्त खाते में उनके पुत्र कन्हैया के सिलीकोशिश के कारण हुई मौत पर राजस्थान सरकार द्वारा दी गई राशि 2,10,000/- रुपये शब्देन दो लाख दस हजार रुपये भी जमा हुई थी इस प्रकार स्व. बनयसिंह के उक्त वर्णित बैंक खाता में 2,21,625/- रुपये की राशि जमा है उक्त राशि मय ब्याज प्राप्त करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र अपने हक में जारी करवाने के लिये उक्त याचिका पेश की है कि जिसकी सुनवाई के लिये इस न्यायालय में तारीख पेशी 30.10.2025 वक्त 10.30 ए.एम. नियत की गई है। अतः इस नोटिस के जरिये हरखासोआम को सूचित किया जाता है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त याचिका के स्वीकार किये जाने में कोई उज्र रखता हो तो या मृतक रामकिशन की उक्त राशि में कोई हित या स्वत्व रखता हो तो वह उक्त तारीख पेशी पर व उक्त दालत असालतन व वकालतन इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति व क्लेम प्रस्तुत करें अन्यथा यह याचिका एकतरफा में सुनी जाकर निर्णित की जावेगी और उसके बाद कोई उज्र काबिल समाअत नहीं होगा। यह नोटिस आज दिनांक 19 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

आज्ञा से-रीडर
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सं. 1
गोल मोहर — बयाना (भरतपुर) राज.

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला -अजमेर (राज)

क्रमांक / नपकि / विकास / 2025 / 1721 दिनांक 03.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 16/2025-2026

नगर परिषद किशनगढ की ओर से नगर परिषद किशनगढ एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार निर्धारित श्रेणी सिविल कार्यो में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाऍ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 05.09.2025 को 09:00 एम से तथा प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक 15.09.2025 को 06:00 पीएम तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526A5444

आयुक्त, नगर परिषद, किशनगढ़

राज.संवाद / सी / 25 / 9404

स्वच्छ फुलेरा-स्वस्थ फुलेरा

प्ररूप-10 (नियम 6(7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

लोक सूचना

क्रमांक/न.पा.फु./2025-26/1379 दिनांक-08.09.2025

श्रीमती सरोज पत्नि नेतराम जाति कुमावत निवासी ग्राम श्यामनगर जरिये मुख्तयार आम अंजली कुमावत पुत्री नेतराम कुमावत पत्नि श्री भगवान सहाय कुमावत निवासी श्याम नगर हाल निवासी 91, संतोष नगर, न्यू आतिश मार्केट के सामने, न्यू सांगानेर रोड जयपुर जिला जयपुर राज. आवेदक ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग (भू-रूपान्तरण) हतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
जिला जयपुर जयपुर तहसील फुलेरा	ग्राम श्याम नगर फुलेरा	खसरा नं. 928/786 रकबा 1.2202 अर्थात 12202 वर्गमीटर	1.2202 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08.09.2025 को जारी की गयी।

(सूर्यकान्त शर्मा) अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं पदेन बीआरसीएफ, श्री माधोपुर (सीकर)

क्रमांक- सीबीईओ/श्रीमा./समसा/2025-26/270 दिनांक- 04.09.2025

निविदा-सूचना

श्रीमान राज्य परियोजना निदेशक राजस्थान स्कूल शिक्षा परिशद, जयपुर के पत्र क्रमांक-रा.स्कू.शि.प./जय/प्रशिक्षण/04352/2025-26/17425827 दिनांक 27.08.2025 के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सत्र 2025-26 में STEM प्रशिक्षण एवं अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष पर्यन्त आयोजित होंगे। प्रथम STEM प्रशिक्षण दिनांक 15.09.2025 से 30.09.2025 तक किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए भोजन, अल्पाहार, चाय, पेयजल, बैठक, टैंन्ट व्यवस्था एवं स्टेशनरी सप्लाई के लिए प्रतिष्ठित (रजिस्टर्ड) इच्छुक सम्बन्धित फर्म से मोहरबन्द निविदाए आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार है। निविदा फार्म दिनांक 08.09.2025 से 10.09.2025 तक कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। निविदाएं दिनांक 11.09.2025 दोपहर 02.00 बजे तक जमा की जा सकती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 12.09.2025 को प्रात 11.00 बजे गठित कमेटी के द्वारा उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदाओं का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा निरस्त या तिथि संशोधन का सम्पूर्ण अधिकार उपापन समिति के पास सुरक्षित रहेगा। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र श्रीमाधोपुर रहेगा।

NIB- RSE2526A0479, UBN- RSE2526SSOB00676, RSE2526SSOB00677, RSE2526SSOB00678

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा श्रीमाधोपुर (सीकर)

संक्षिप्त

जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दौसा। अखिल राजस्थान उच्च शिक्षा मंत्रालयिक कर्मचारी संघ (अरुस्मा) के जिलाध्यक्ष रामबाबू शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौपकर राजसेस महाविद्यालयो में मंत्रालयिक संवर्ग के स्वीकृत पदों को कॉलेज शिक्षा विभाग के मूल मंत्रालयिक कर्मचारी संवर्ग में शामिल किए जाकर स्थाई नियुक्तियाँ करने की मांग की है। अरुसमा के जिला अध्यक्ष रामबाबू शर्मा ने बताया कि- राजसेस महाविद्यालयो में स्वीकृत मंत्रालयिक पदों को कॉलेज शिक्षा विभाग के मूल मंत्रालयिक संवर्ग में सम्मिलित किया जाए और इन पर सीधी भर्ती, पदोन्नित एवं स्थानांतरण के माध्यम से स्थाई नियुक्तियाँ की जाएं। संविदा नियुक्तियों से महाविद्यालयों के संचालन में अस्थिरता और कर्मचारियों की भविष्य सुरक्षा पर गहरा प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सरकार अपने 31 अगस्त के मंत्रिमंडल के फैसले पर पुनर्विचार करें। इसी क्रम में ओमप्रकाश राठौड़, राजकुमार सैन, जितेंद्र मोहन मीना, अशोक सैनी, लक्ष्मण सैनी, राजेश अवाना, योगेंद्र गुर्जर एवं अन्य विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का समापन

दौसा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महेश्वरा खुर्द में आयोजित 69 वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में हैंडबॉल, फुटबॉल, भारोत्तलन व रग्बी फुटबॉल छात्र प्रतियोगिता आयोजन किया गया था। शारीरिक शिक्षक बाबूलाल राजोरिया ने बताया कि हैंडबॉल 17 व 19 वर्ष छात्र में लगातार 05 वीं बार महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय छतरी वाली ढाणी विजेता रही व रामकरण जोशी स्कूल उपविजेता रही। फुटबॉल 19 वर्ष में श्री बीएन जोशी स्कूल विजेता व मदर टेरेसा उपविजेता रही व श्री बीएन जोशी स्कूल उपविजेता रही। रग्बी फुटबॉल में 17 व 19 वर्ष में राउमावि पुंदरपाडा विजेता व राउमावि बैजुपाड़ा उपविजेता रही हैं। संयोजक प्राचार्य राउमावि महेश्वरा खुर्द वीर सिंह मीणा ने प्रतियोगिता के सफलता पूर्वक सम्पन्न होने पर सभी शारीरिक शिक्षको व सभी स्टाफ साथियों को धन्यवाद दिया और सभी विजेता व उपविजेता को ट्रॉफी दे कर मनोबल बढ़ाया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सरपंच रामहेत मीना, पार्षद कमलेश कुमार मीणा, वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक कृष्ण अवतार शर्मा, नवीन सामरिया, योगेश मिश्रा एवं समस्त स्टाफ व विभिन्न स्कूलों से पधारे शारीरिक शिक्षक टीम प्रभारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

किसानों ने किया आंदोलन

शाहपुरा। भारतीय किसान संघ जिला शाहपुरा ने जिला अध्यक्ष सुगन लाल बोहरा की अध्यक्षता में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान समस्याओं पर चर्चा की गई, अतिवृष्टि से हुई खराब फसल खराबे की मांग को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन में भारतीय किसान संघ ने मांग की की अति वृष्टि से सौ पर्सेंट हुई फसल खराबा हुआ है जल्द गिरदावरी कराकर बीमा कंपनियों द्वारा बीमा क्लेम दिलवाने की मांग की गई।पिछले 2024 का फसल बीमा क्लेम भी नहीं मिला उसके लिए भी अवगत कराया गया।

दौसा जिले के विभिन्न स्कूलों में रैली निकाल नशा मुक्ति का संदेश दिया

हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय दौसा के तत्वावधान में सोमवार को जिले भर की विभिन्न स्कूलों में नशा मुक्ति अभियान के तहत रैली निकाली।

- **लोगों को नशा मुक्ति एवं पॉलिथीन बहिष्कार के लिए प्रेरित किया**

दौसा। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय दौसा के तत्वावधान में सोमवार को जिले भर की विभिन्न स्कूलों में नशा मुक्ति अभियान के तहत रैली निकालकर लोगों को नशा मुक्ति एवं पॉलिथीन बहिष्कार के लिए प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को हिन्दुस्तार स्काउट एंड गाइड राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय के तत्वावधान में आयोजित नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों में रैली निकाली गई। दौसा ब्लॉक में ब्लॉक सचिव गिर्राज आमटेड़ा व डिस्ट्रिक्ट ट्रैनिंग काउंसलर पवन कुमार सैनी, रोवर लीडर अजीत प्रजापत, कुलदीप बैरवा, चंचल मीना के नेतृत्व में रैली निकाली गई। ब्लॉक पिचूपाड़ा कलाँ में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पॉलिथीन बहिष्कार रैली निकाली गई। जिसमें ब्लॉक सचिव शिवचरण चेची, रोवर लीडर कृष्ण प्रजापत, वैशाली जांगिड़, सीमा सैनी, मोहित प्रजापत उपस्थित रहे। इधर दौसा ब्लॉक की राउमावि दौसा ब्लॉक, चोरड़ी, भांकरी, कुशाला का बास, मोती का बास, बाणे का बरखेड़ा कालखोह, नशा मुक्ति, पॉलिथीन बहिष्कार, जन -चेतना जागृति रैली इन विद्यालय में निकाली गई। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय दौसा में नशा मुक्ति अभियान की मुहिम जागरूकता समाज में प्रेरणा मिलती है। पॉलिथीन के खिलाफ बैनर को हाथ में लेकर पैदल चले। ट्रैनिंग काउंसलरो ने पॉलीथिन व सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जनता को संदेश दिया। इस रैली का उद्देश्य निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकना और युवाओं को नशे के खतरों के प्रति जागरूक करना था। रैली के माध्यम से छात्राओं ने नशा मुक्ति के महत्व को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे के खतरों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया। उन्होंने हाथों में तख्तियां लेकर नशा मुक्ति के संदेश को प्रदर्शित किया और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। रैली में शामिल छात्राओं ने नशा मुक्ति के विभिन्न संदेशों को प्रदर्शित किया।

बाल विवाह के नियम बताए

टोंक। मुख्यालय स्थित बाल अधिकारिता एवं जिला बाल संरक्षण टोंक द्वारा बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान के अन्तर्गत राजकीय देवनारायण आवासीय विद्यालय युसुफपुरा में अध्ययनरत बालिकाओं को बाल विवाह अधिनियम के मुख्य प्रावधानों के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई टोंक के नवल खान ने अध्ययनरत बालिकाओं को बाल विवाह के कारण, दुष्परिणाम, सामाजिक, शारीरिक और मानसिक हानियों को विस्तार से बताया तथा शिकायत कैसे और कहां करें और बाल विवाह में सहभागिता निभाने वालों को सजा के क्या-क्या प्रावधान है आदि के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह के विरूद्व शपथ दिलवाई गई और सभी से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाये।

क्षमावणी पर्व भक्ति भाव से मनाया

- **जिनालयों में अभिषेक, परिमार्जन, शांतिधारा, पूजन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।**

दौसा। जैन समाज द्वारा सोमवार को क्षमावणी पर्व बडे ही हर्षोल्लास, भक्ति, क्षमा भाव से साथ मनाया गयाद। इस दौरान जिनालयों में अभिषेक, परिमार्जन, शांतिधारा, पूजन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

जैन समाज के प्रवक्ता प्रतीक जैन ने बताया कि इस अवसर पर प्रातःकालीन कार्यक्रमों में अभिषेक, परिमार्जन, शान्तिधारा, पूजन के कार्यक्रम हुये। सांयकाल सभी जिनालयों में भगवान के कलशाभिषेक के कार्यक्रम हुये। कलशाभिषेक में जहां पुरूष व बाल वर्ग भगवान के जयकारे लगा रहे थे वहीं महिलाएं मंगल गीत गा रही थी। इस दौरान जैन धर्मशाला स्थित महावीर चैत्यालय में व आदिनाथ मंदिर में भगवान की माल पहनने का सौभाग्य संजय-विधि जैन को प्राप्त हुआ। पाश्र्वनाथ मंदिर से गाजे बाजे के साथ एक शोभायात्रा बनीदास की बावडी में जल लेने पहुंची व वहां से लाये हुये जल से भगवान पाश्र्वनाथ के कलशाभिषेक किये। इस अवसर पर चन्द्रप्रभु जैन मंदिर में भगवान के पंचामृत से कलशाभिषेक हुये। इस दौरान माहौल भक्तिमय हो गया। इसके बाद सामूहिक आरती हुई। कलशाभिषेक के बाद सभी जैन श्रावकों ने प्राचीन परम्परा के अनुसार एक दूसरे के घर जाकर विगत वर्ष में हुई भूल व गलती के लिए क्षमायाचना की। चाहे छोटा हो या बडा सभी एक दूसरे से क्षमायाचना करते नजर आये। लोगों ने आपसी वैमनस्यता भुलाकर एक दूसरे को क्षमा किया। लोगों ने एक दूसरे का खोपरा-मिश्री व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। जैन समाज के अध्यक्ष आलोक जैन ने बताया कि मंगलवार को किला सागर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन लाल मंदिर नसियां जी में हर वर्ष की भांति पूजन, कलशाभिषेक, सामूहिक क्षमावणी पर्व, प्रतिभा सम्मान समारोह का कार्यक्रम होगा। इस हेतू प्रातः 11.15 बजे चन्द्रप्रभु मंदिर से जैन श्रावक भगवान की मूर्ति को लेकर किलासागर स्थित मंदिर में विराजमान करेंगें। उसके बाद कार्यक्रम शुरू होगा। रविवार की रात्रि को आदिनाथ मंदिर में छहढाला की राह पर जैन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में 5 टीमें बनाई गई। इसमें जैन धर्म के ठांथ छहढाला से संबधित प्रश्नों का प्रतिभागियों ने बडी ही सहजता से जवाब दिया। जिसमें संगीता-पारस-नितेश-अतिशय-अनिता की सिद्ध टीम प्रथम स्थान पर व मनन-देशना-सुनिक्षा-विधि-अरविन्द की साधु टीम द्वितीय स्थान पर रही। कार्यक्रम का संचालन आदिश जैन ने किया। सभी विजेताओं को राकेश-राहुल जैन मोरा परिवार द्वारा पारितोषिक प्रदान किये गये।

भागवत कथा का समापन आज

कोटपूतली। खेड़की वीरभान स्थित बाबा तुलसीदासजी आश्रम में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन मंगलवार को पूर्णाहुति के साथ होगा। सताईसा मंडल अध्यक्ष महंत मानदास महाराज के सानिध्य में आयोजित कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा व्यास प्रीतम दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के द्वारिका प्रवास और उनके जीवनोपदेश प्रसंगों को भावपूर्ण ढंग से सुनाया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का पूरा जीवन धर्म और सत्य की स्थापना के लिए समर्पित रहा। अंतिम दिन आश्रम परिसर श्रद्धालुओं के हरे कृष्ण-हरे राम के जयकारों से गूंज उठा। भजन मंडली द्वारा प्रस्तुत संगीतमय भजनों ने वातावरण को भक्तिरस से भर दिया। कथा उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कृष्ण दास महाराज ने बताया कि पूर्णाहुति के पश्चात मंगलवार को विशाल संत सम्मेलन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा

'प्रधानमंत्री मोदी के खेलो इंडिया में भाग लेकर सपनों को पूरा करें'

- **कोटकासिम में पूर्व विधायक रामहेत यादव ने जनसुनवाई कर ग्रामीणों की सुनी समस्या**
- **पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक**
- **बीबीरानी पाटन अहीर और खैरथल उद्घाटन एवं रक्तदान शिविर में शिरकत की**
- **बीबीरानी सीएचसी अस्पताल पर एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ किया तथा खैरथल में थेरेपी डिटॉक्स व पाटन अहीर राव आइटीआई में रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों का हौसला अफजाई किया**

किशनगढ़ बास। राष्ट्रीय परिषद सदस्य, पूर्व विधायक रामहेत यादव ने किशनढ़बास विधानसभा क्षेत्र कोटकासिम भाजपा कार्यालय पर जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और मौके पर फोन से अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव ने पीएम श्री राजकीय विद्यालय बास कृपाल नगर व परमहंस बीबीरानी विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। बीबीरानी सीएचसी अस्पताल पर एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ किया तथा खैरथल में थेरेपी डिटॉक्स व पाटन अहीर राव आइटीआई में रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों का हौसला अफजाई किया।

इस दौरान उन्होंने खेल कूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली टीम खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया फिट इंडिया के तहत अलवर जिले में सांसद खेल उत्सव की शुरुआत केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की ओर से की जा चुकी है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील करते हुए कहा सांसद खेल उत्सव में भाग लेकर सपनों को पूरा करें। कोटकासिम में जनसुनवाई के दौरान पूर्व विधायक रामहेत यादव ने समस्या लेकर पहुंचे लोगों को कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा प्रदेश का समठा विकास करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहें हैं।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री ने किशनगढ़ बास क्षेत्र के लिए अनेक विकास की सौगात दी है। जिसमें सबसे प्रमुख पानी की योजना है आने वाले समय में किसानों को खेत में और आमजन को घरों में आसानी से पानी मिलेगा।

उन्होंने केंद्र सरकार की और से जीएसटी की दरों में किए गए सरलीकरण के निर्णय को ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा सरकार के इस फैसले से गरीब किसान मध्यम वर्ग व व्यापारी सहित समाज के सभी वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा।

इस ऐतिहासिक निर्णय पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्री निर्मला सीतारमण का क्षेत्र की जनता की और से आभार भी व्यक्त किया है। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद भी किया और उनके सुझाव एवं अनुभव को साझा किया। संगठन को और अधिक मजबूत करने पर उनके साथ चर्चा भी की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कहा जो कार्यकता आगे बढ़कर संगठन में काम करेगा उसको भविष्य में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है। इसलिए कार्यकता की पहली प्राथमिकता है संगठन के लिए वह मिलकर के काम करें।

किशनगढ़ के बास कृपाल नगर पी एम श्री राजकीय विद्यालय में आयोजित समापन कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवारा एमपी एस धोला यादव,याकूब खान,पूर्व मंडल महामंत्री रमेश जांगिड, पूर्व पार्षद विश्वास यादव, जसवंत यादव, रामस्वरूप यादव, प्रिंसिपल गोपाल सिंह, करतार सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

पुजारी ने 70 हजार की राशि लौटाई

देवली। आज के बेईमान दोर के बीच युवा पुजारी ने ईमानदारी का परिचय देते हुए यह साबित कर दिया कि कुछ इंसानों मे ईमानदारी आज भी जिंदा है। हुआ यह की ऑनलाइन भुगतान करने के दौरान कोटा निवासी ओम प्रकाश पुत्र भैरूलाल शर्मा ने 70 हजार रू की राशि गलती से बोएडा गणेश जी के युवा पुजारी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। जब इस बात की जानकारी ओम प्रकाश शर्मा पुत्र भैरूलाल शर्मा निवासी कोटा को मैसेज जरिए प्राप्त हुई तो वह हक्क बक्के रह गए। इसके बाद ओमप्रकाश ने राशि ट्रांसफर बैंक खाते धारक की जानकारी जुटाने का प्रयास किया और पुजारी मुकेश मीणा को फोन करके उक्त मामले की सारी जानकारी दी। इस पर युवा पुजारी ने भी देखा कि फोनपे के जरिए उनके खाते में 70 हजार रुपए की राशि जमा हुई है। इस पर युवा पुजारी मोहित मीणा ने अपनी ईमानदारी का परिचय देते हुए ओमप्रकाश शर्मा को देवली बुलाया और उन्हें 70 हजार रु की राशि वापस लौटा दी। ऐसे में मोहित मीणा के द्वारा ईमानदारी का परिचय देना यह साबित करता है कि आज के बेईमान दौर में भी मोहित मीणा जैसे व्यक्तियों के बीच ईमानदारी जिंदा है। पुजारी मोहित मीणा ने ओमप्रकाश शर्मा को शहर के भगवान गुरु कृपा संस्थान के पंडित गुरुदेव मुकेश गौतम के सानिध्य में फोन के द्वारा राशि वायस लौटा दी।

सार-समाचार

तीर्थ स्थल पर पूजा सामग्री के ढेर

सांभरझील। प्रदेश सरकार के निरंतर दिशा निर्देश के बाद भी सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। स्वच्छता अभियान का नारा केवल कागजों तक सीमित है। इसका जीता जागता उदाहरण यहां के देवयानी तीर्थ स्थल पर जाकर देखा जा सकता है। बुद्ध पूर्णिमा के मेले से लेकर अभी तक कोई कदम नहीं उठाए गए है। देवयानी जल से भरी हुई है। चकित करने वाली बात यह है कि तीर्थ स्थल में पूजा के नाम पर सामग्री कोई और नहीं बल्कि बाहर से आने वाले अधिकांश श्रद्धालुओं की ओर से फेंकी जा रही है। पानी में काफी तादाद में तैरते हुए नारियलों, पुष्पमाला, अगरबत्ती के खाली पुडे, हल्दी के गांठे, दीपक, सिक्के तो छोड ही रहे हैं साथ ही पॉलिथीन भी तीर्थ स्थल में बहाई जा रही है। सामठी के पानी में डालने के कारण बदबू भी उठने लगी है। सरोवर में हजारों की संख्या में मछलियां और कछुओं की तादाद काफी है। इनकी वजह से इन जलीय जंतुओं पर भी असर पड़ रहा है। जिम्मेदार प्रशासन के संज्ञान में होने के बावजूद को व्यवस्था नहीं की जा रही है। पूजा सामठी फेंकने से रोकने के लिए कोई जागरूक चेतावनी का संदेश कहीं पर भी लिखा हुआ नहीं है। इसी को दृष्टिगत सकते हुए सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री सुनील शर्मा की तरफ से सरोवर के कचरे को बाहर निकाला गय

दौसा के कलाकारों ने छोड़ी छाप

दौसा। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर राजस्थान सरकार के साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग द्वारा आज ओटीएस जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय साक्षरता समारोह में दौसा की आव्हान संस्था के लोक कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुति दी, जिस पर मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी खूब ठहाके लगाए। दरअसल वर्तमान में साक्षरता विभाग द्वारा संचालित डिजिटल लिटरेसी अभियान को विशेष रूप से आगे बढ़ाने के लिए इस वर्ष साक्षरता दिवस की मुख्य थीम डिजिटल लिटरेसी ही रखी गई थी जिस पर दौसा की आ ान संस्था के कलाकारों ने हास्य नाटिका डिजिटल भाभी का गीत संगीत में पिरोकर ऐसा प्रस्तुतीकरण किया के खुद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर सहित सैकडो दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो गए और देर तक हर डायलॉग पर ताली बजाते रहे। दोसा के ढूंढाडी भाषा में रचे गए गीत एवं संवाद सभी को बहुत प्यारे लगे। सभी कलाकारों को मुख्य अतिथि ने मोमेंट तो भेंट कर उनकी हौसला अफजाई की। कार्यक्रम में आ ान संस्था की ओर से लोक कलाकार मधुसूदन शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, बाबूलाल मिश्रा, कजोड़ मल ज्योतिषी, मीनाक्षी बंजारा, मोहित शर्मा, सुरेंद्र जांगिड, अर्पिता शर्मा, पूजा शर्मा, श्रीमती विजय पारीक, मांगीलाल राणा एवं मास्टर सुधांशु आदि कलाकारों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह में दौसा जिले के जल पुनर्भरण अभियान के जिला समन्वयक महेश आचार्य ने जल साक्षरता कार्यक्रम की अवधारणा मंच पर प्रस्तुत की जिसकी साक्षरता विभाग के निदेशक पीयूष जैन ने सराहना की।

कलक्टर ने ढोलावास में रात बिताई

दौसा। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार की ओर से आमजन की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान के लिए पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा की ग्राम पंचायत ढोलावास में 9 सितम्बर को रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट एवं सहायक निदेशक लोक सेवाएं मनमोहन मीणा ने बताया कि 9 सितम्बर को पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा की ग्राम पंचायत ढोलावास में तथा 10 सितम्बर को पंचायत समिति सिकराय की ग्राम पंचायत नाहर खोहरा में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याएं कलेक्टर को बताई।

अनुज्ञा पत्र के आवेदन आमंत्रित

टोंक। इस वर्ष दीपावली के त्यौहार पर जिले के विभिन्न क्षेत्रो में विस्फोटक आतिशबाजी के अस्थाई अनुज्ञा पत्र 9 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक 15 दिवस की अवधि के लिए जारी किये जायेगे। उपखंड मजिस्ट्रेट टोंक हुक्मी चंद रोहलानिया ने बताया कि विस्फोटक नियम 2008 के तहत आवेदक निर्धारित प्रपत्र में 11 से 25 सितम्बर तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। एसडीओ ने बताया कि आवेदनकर्ता कार्यालय एवं न्याय शाखा, उपखंड मजिस्ट्रेट टोंक में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

20 किलो प्लास्टिक जब्त

फुलेरा। राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जयपुर के निर्देशानुसार फुलेरा नगर पालिका क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध एक विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की गई। इस दौरान करीब 20 किलो प्लास्टिक थैलियों को जब्त किया गया साथ ही 5 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला गया। यह कार्रवाई प्रदूषण बोर्ड जयपुर उत्तर के कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता हिमांशु व राकेश मीणा के सानिध्य में संपन्न हुई। इस विशेष अभियान के दौरान पालिका स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश कुमार, एमआईएस अभियंता कृष्ण वाधवानी, तनुज शर्मा, जमादार सचिन तम्बोली, कालूराम, दुर्गाशंकर, अजहरुद्दीन सहित पालिका कर्मचारी मौजूद रहे। प्रदूषण बोर्ड एवं प्रशासन ने आमजन से अपील की कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूरी तरह से बंद करें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें, प्लास्टिक का उपयोग न केवल प्रदूषण बढ़ाता है बल्कि स्वास्थ्य व स्वच्छता के लिए भी हानिकारक है। पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेंगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई से मचा हड़कंप

- **मामा सुपारी, मास्टर जी ब्रांड गुलाब शरबत सहित पनीर व मसाले के लिए सैंपल। 3500 पैकेट मामा सुपारी व 250 किलो मिर्च की जप्त।**
- **उत्पादों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूपता की जांच के लिए आगे भेजा जाएगा**

खैरथल। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से 4 सितंबर से 30 सितंबर तक चल रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को विभाग की जिला टीम ने तिजारा में विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों से खाद्य सामठियों के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला को भेजें है। जिसमें मामा सुपारी, मास्टर जी ब्रांड गुलाब शरबत, सहित मसाला पनीर व बूंदी रायता आदि के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत निरीक्षण टीम ने जगदीश प्रसाद पुत्र श्यामलाल (मेसर्स जगदीश किराना स्टोर) से लाल मिर्च पाउडर, रोशन लाल अठावाल पुत्र छगनलाल अठावाल (मेसर्स रोशन लाल ब्रदर्स) से गुलाब शरबत मास्टर जी ब्रांड, राहुल अठावाल पुत्र कपूर चंद्र अठावाल (मेसर्स कपूर प्रोविजनल किराना स्टोर) से मामा ब्रांड सुपारी, तथा राजकुमार पुत्र तेजपाल (मेसर्स राजपाल ढाबा) से पनीर व बूंदी रायता के सैंपल लिए।

निरीक्षण के दौरान टीम ने मेसर्स कपूर प्रोविजनल किराना स्टोर से लगभग 3500 पैकेट मामा सुपारी और मेसर्स जगदीश किराना स्टोर से लगभग 250 किलो लाल मिर्च पाउडर को मौके पर ही जप्त किया है। इन उत्पादों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूपता की जांच के लिए आगे भेजा जाएगा। इस दौरान टीम अधिकारी ने सभी संबंधित व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 की पालना करने के लिए पाबंद किया है।

बैंक ऑफ इण्डिया ने स्थापना दिवस मनाया

फुलेरा। बैंक ऑफ इण्डिया शाखा फुलेरा ने सोमवार को बैंक का 120वां स्थापना दिवस कार्यक्रम शाखा प्रबंधक जितेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वन्दना से किया गया, शाखा प्रबंधक जितेन्द्रसिंह तंवर ने बताया कि बैंक ऑफ़ इंडिया की स्थापना मुंबई के प्रतिष्ठित व्यवसायियों के एक समूह द्वारा 7 सितंबर 1906 में की गई थी, जो आज एक वटवृक्ष की भांति सम्पूर्ण देश में फैली हुई है। कार्यक्रम का संचालन बैंक सलाहकार एडवोकेट निशांत शर्मा ने किया।

बैंक की ओर से प्रमुख खाताधारक सहित अन्य लोगों को स्मृति चिन्ह व माला पहना कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व व्यापार महासंघ अध्यक्ष अशोक सोनी, सुबोध छाबडा, हरजीत सिंह, सुन्दरलाल संदारगांनी, भानू सिंह सहित बैंक स्टाफ, अनेक व्यापारी व अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर बैंक के शाखा प्रबंधक तंवर से शाखा में लोकर की सुविधा शुरू करवाने की मांग की गई।

सीएम से खरीफ फसल खराबे का मुआवजा जल्द दिलाने की मांग

- **सीएम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा**
- **खरीफ की फसल अत्यधिक वर्षा से 90 से 100 फीसदी गल कर खराब हो चुकी है उसकी अति शीघ्र गिरदावरी करवाकर आपदा राहत मुआवजा दिलवाया जाने की मांग की**

टोंक। भारतीय किसान संघ इकाई टोंक ने सोमवार को टोंक उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रोहलानिया को किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा।

भारतीय किसान संघ इकाई टोंक ने सोमवार को टोंक उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रोहलानिया को किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उन्होंने 2024- 25 खरीफ फसल खराबे का आपदा राहत मुआवजा किसानों को अति शीघ्र दिया जाने तथा 2025-26 खरीफ की फसल अत्यधिक वर्षा से 90 से 100 फीसदी गल कर खराब हो चुकी है उसकी अति शीघ्र गिरदावरी करवाकर आपदा राहत मुआवजा दिलवाया जाने की मांग की। उन्होने वर्ष 2024-25 खरीफ और रबी फसल बीमा का भुगतान शीघ्र किसानों के खातों में स्थानान्तरण करवाने की मांग एवं रबी फसलों के लिए डीएपी एनपीके एसएसपी और यूरिया उर्वरकों की मांग अनुरूप आपूर्ति सहकारी समितियों के माध्यम से सुनिश्चित करवाई जाए ताकि किसानों को कालाबाजारी और मारा-मारी और टेगिंग का सामना न करना पड़े तथा भारतीय किसान संघ स्मार्ट मीटर का विरोध करता है यह किसान विरोधी फैसला है अतः अविलंब स्मार्ट मीटर लगाना बंद किया जाए।

शाहपुरा में वरिष्ठ दिव्यांग कैम्प

शाहपुरा। पंचायत समिति मुख्यालय शाहपुरा में सोमवार को सुबह 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक "सक्षम जयपुर अभियान" के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्धघाटन उपेन यादव भाजपा विधायक प्रत्याशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी संजीव कुमार खेदर ने बताया कि जिला कलेक्टर जयपुर एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की पहल से दिव्यांग जन एवं वृद्धजन लोगों का पात्रतानुसार सहायक उपकरण उपलब्ध करायें जाने हेतु चिन्हीकरण शिविर वरदान साबित होते है। इन शिविर के माध्यम से इन लोगों को एवं परिवारजनों को राहत मिलती है। विकास अधिकारी राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि ऐसे शिविरों में दिव्यांग लोगों को एक स्थान पर ही राहत मिलती है। दिव्यांग एवं बुजुर्ग लोगों के द्वारा इस शिविर मेला में लाभान्वित होने वाले आवेदकों की संख्या 154 थी। जिनमें से 28 आवेदन राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत एवं 55 आवेदन एडीप योजनान्तर्गत स्वीकृत किए गए है। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गिरवर सिंह नरूका आदि मौजूद थे।

यह कार्यक्रम आदर्श नहीं है। यह ऐसा ही है और इसमें कोई बदलाव नहीं होने वाला है, इसलिए हमें इससे निपटने के तरीके ढूंढने होंगे... हमें ऐसे तरीके ढूंढने होंगे जिससे हम इस बार की तुलना में अधिक तेजी से काम शुरू कर सकें। - ब्रेंडन मैकुलम

इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच, टीम को अपने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम से बेहतर तरीके से निपटना होगा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हीरो एशिया कप 2025 का खिताब जीतने के बाद सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि अब हमारा पूरा ध्यान एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप पर होगा। हरमनप्रीत सिंह ने कहा, सभी खिलाड़ी पूरी तरह से एकाग्र थे। हम जानते थे कि हमें यह मैच जीतना है और हमने खुद से कहा कि विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का यही एकमात्र रास्ता है। आज एशिया की नंबर एक टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरते हुए, हम अपनी उम्मीदों पर खरा उतरना चाहते थे। हालांकि हमने अपनी उम्मीदों के मुताबिक शुरुआत नहीं की।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने एशिया कप में कई सारे रिकॉर्ड बनाए सचिन ने ये रिकॉर्ड बैट और गेंद दोनों से बनाया जिसे आज तक कोई भी तोड़ नहीं सका।

कुल 18 बार एशिया कप में भारत-पाक का हुआ आमना-सामना

नई दिल्ली, 8 सितंबर। दोनों ही टीमें एशिया कप के इतिहास में एक-दूसरे से 18 बार भिड़ चुकी हैं। जहां भारत को 10 तो पाकिस्तान को 8 में जीत नसीब हुई है।फिलहाल, इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। जबकि इस टूर्नामेंट की शुरुआत वनडे फॉर्मेट के साथ हुई थी। अब दोनों फॉर्मेट में ये खेला जाता है। एशिया कप टी20 फॉर्मेट में भारत और पाकिस्तान के बीच 3 मैच हुए हैं जबकि 15 बार दोनों ही टीमें वनडे फॉर्मेट में टकराई हैं। आखिरी बार जब एशिया कप में दोनों आमने-सामने थी वो ओडीआई फॉर्मेट था।टी20 में भारत-पाकिस्तान हेड टू हेड रिकॉर्ड- कुल मैच- 13, भारत ने जीते- 9, पाकिस्तान ने जीते- 3, टाई- 1

एशिया कप 2025 का आगाज आज से

एशिया कप का पिछला सीजन 2023 में खेला गया था, जो की वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 1 मैच खेला गया था। 10 सितंबर को हुए इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 228 रनों के बड़े अंतर से हराया था। भारत ने 356 रन बनाए थे और पाकिस्तान की पूरी टीम 128 रन पर ही ढेर हो गई थी। कोहली ने 94 गंदों में नाबाद 122 रन बनाए थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। जबकि कुलदीप यादव ने 8 ओवरों में 25 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए थे। जबकि टी20 फॉर्मेट में एशिया कप का पिछला सीजन 2022 में खेला गया था। इसके ग्रुप मैच में भारत ने पाकिस्तान को हराया था लेकिन सुपर-4 में पाकिस्तान ने बाजी मारी थी। एशिया कप टी20 फॉर्मेट में ये दोनों टीमों का आखिरी मैच था। पाकिस्तान ने 182 रनों के लक्ष्य को आखिरी ओवर में हासिल कर 5 विकेट से जीत अपने नाम की थी।

संजू सैमसन को लेकर रवि शास्त्री ने टीम इंडिया को चेताया, कहा-टॉप ऑर्डर में ना करें छेड़खानी

नई दिल्ली, 8 सितंबर। एशिया कप 2025 के आगाज से पहले ही भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, संजू सैमसन भले ही टी20 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हों, लेकिन एशिया कप के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलेगी या नहीं इस पर अभी से मंथन चल रहा है। टीम में शुभमन गिल की वापसी और उन्हें उपकप्तान बनाए जाने के बाद सैमसन की प्लेइंग इलेवन में जगह तय नहीं है। वहीं इस कड़ी में अब पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी टीम इंडिया को चेताया है।

संजू सैमसन ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालते हुए तीन शतक जड़े थे। 12 मैचों में उन्होंने बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ 417 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 37.90 और स्ट्राइक रेट 183.70 का रहा। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ उनकी आखिरी सीरीज फीकी रही, जिसमें पांच मैचों में उनका बेस्ट स्कोर केवल 26 रन था।

शुभमन गिल की वापसी ने सैमसन के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। संभावना है कि गिल को टॉप ऑर्डर पर मौका दिया जाएगा जिससे सैमसन को मिडिल ऑर्डर में खेलना पड़ सकता है। इस स्थिति में उन्हें जितेश शर्मा से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होगी।

इस बीच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन को लेकर बड़ा बयान दिया है। रवि शास्त्री का मानना है कि सैमसन को ओपनिंग पोजिशन से हटाना ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि टॉप ऑर्डर में ही संजू सबसे खतरनाक बल्लेबाज माने जाते हैं। उन्हें टॉप आर्डर में ही खेलने देना चाहिए।

शास्त्री ने आगे कहा कि, अगर गिल को शामिल करना है तो किसी और की जगह हो सकती है, लेकिन सैमसन को ओपनिंग से हटाना टीम के लिए सही नहीं है। सैमसन का पिछला आईपीएल चोटों के कारण उतार-चढ़ाव भरा रहा। लेकिन उन्होंने केरल क्रिकेट लीग में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर एशिया कप से पहले लय हासिल की जिसमें एक शतक भी शामिल था।

भारत-पाकिस्तान मैच में एसीसी ने जारी की अंपायर लिस्ट

नई दिल्ली, 8 सितंबर। एशिया कप 2025 का आगाज होने में कुछ ही घंटे शेष हैं। 9 सितंबर से टूर्नामेंट का 17वां सीजन खेला जाएगा। इतना ही नहीं ये टूर्नामेंट इस बार टी20 फॉर्मेट में यूएई में खेला जाएगा। पहले मैच में मंगलवार को अफगानिस्तान और हांगकांग भिड़ेंगे। जबकि 10 सितंबर को भारत और यूएई का आमना-सामना होगा। इसके अलावा एसीसी ने भारत और पाकिस्तान मैच के लिए अंपायर्स का ऐलान कर दिया है।

बता दें कि, भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को कड़ी भिड़ंत देखने को मिलेगी। दोनों ही देशों समेत पूरी दुनिया की नजर इस महामुकाबले पर होगी। फैंस इस मैच से जुड़ी हर छोटी-बड़ी चीज को जानने के लिए उत्सुक हैं। अनुभवी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन और एंडी पाइक्रॉफ्ट एशिया कप टी20 के लिए आधिकारियों के पैनल का नेतृत्व करेंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद ने सोमवार को टूर्नामेंट के ग्रुप चरण के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की है।

अंपायरिंग लाइन-अपमें भारत के वीरेंद्र शर्मा और रोहन पंडित, श्रीलंका के रवींद्र विमलसिरी और रुचिरा पल्लियागुरुगे, अफगानिस्तान के अहमद पकतीन और इजतुल्लाह सफी, पाकिस्तान के आसिफ याकूब और फैसल अफरीदी और बांग्लादेश के गाजी सोहेल और मसूदुर रहमान शामिल हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच - इसके अलावा 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच में एंडी पाइक्रॉफ्ट को मैच रेफरी नियुक्त किया गया है, जबकि रुचिरा पल्लियागुरुगे और मसूदुर रहमान को इस हाई-वोल्टेज मुकाबले के लिए मैदान अंपायर बनाया गया है।

एशिया कप में संजू तोड़ सकते हैं धोनी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 8 सितंबर। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाने वाले आगामी एशिया कप 2025 में संजू सैमसन पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के टी-20 में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ सकते है। हाल ही में संजू सैमसन के 'नो लुक सिक्स' की भी काफी चर्चा हुई। जब वो फॉर्म में होते हैं तो उनके बल्ले को रोकना नामुमकिन होता है, केरल लीग में उन्होंने पांच मैचों में ही 30 छक्के लगाकर साबित कर दिया कि वो अंतरराष्ट्रीय टी-20 के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं और एशिया कप में उन्हें प्लेइंग इलेवन में रखना फायदेमंद साबित होगा। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि वे किस नंबर पर खेलने वाले हैं। संजू इस एशिया कप में धोनी का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। दरअसल धोनी के नाम किसी

विकेटकीपर के द्वारा अंतरराष्ट्रीय टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 85 मैचों में 52 छक्के मारे हैं। उनका ये रिकॉर्ड फिलहाल कोई विकेट कीपर बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया। लेकिन संजू सैमसन इसके बहुत करीब हैं और मजे की बात है कि वो फुल फॉर्म में भी हैं। संजू फिलहाल 36 छक्के जड़ चुके हैं और धोनी से केवल 17 छक्के दूर हैं। ऐसे में बहुत संभावनाएं हैं कि संजू सैमसन एशिया कप में ही धोनी का ये रिकॉर्ड तोड़ दे। संजू के बाद ऋषभ पंत का नंबर है जो 35 छक्कों के दूसरे साथ नंबर पर हैं। भारतीय टीम अभ्यास के लिए दुबई रवाना हो चुकी है। संजू भी टीम में शामिल हैं और इसीलिए केरल लीग को उन्होंने बीच में ही छोड़ दिया। अबतक खेले मैचों में ही उनका तूफानी अवतार किसी से छिपा नहीं है। केरल लीग में उन्होंने केवल पांच मैच खेले जिसमें उन्होंने 368 रन बनाएं जिसमें 24 चौके और 30 छक्के शामिल हैं। इसी दौरान उन्होंने चार अर्धशतक और एक शतक भी जड़ा। उनका एक गेंद पर 13 रन बनाना भी काफी चर्चा में रहा था। इसी लीग में संजू का स्ट्राइक रेट 186 रहा था जो काबिल ए तारीफ है। पिछले एक साल में ही संजू ने भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय टी-20 में खेलते हुए 12 मैचों में तीन शतक जड़े हैं, हाल में वो फुल फॉर्म में भी चल रहे हैं ऐसे में देखना है कि उन्हें किस नंबर पर खेलने भेजा जाता है साथ ही वो धोनी का सबसे ज्यादा छक्के का रिकार्ड तोड़ पाते हैं या नहीं।

कोग्निवेरा एएससी ने खिताब जीता

जयपुर, 8 सितम्बर। कोग्निवेरा एएससी पोलो टीम ने आर्मी कमांडर्स कप 2025 के ग्रैंड फ़ाइनल में थंडरबोल्ट पोलो टीम को 8 गोल के मुक़ाबले 2.5 गोल के निर्णायक स्कोर से हराकर जीत हासिल की।

डॉ. शिवांगी जय सिंह और सवीर गोदारा ने अपनी टीम के लिए 1- 1, शमशीर अली ने 2 गोल और बटिस्टा अल्बर्डी ने 4 गोल कर एक शानदार जीत सुनिश्चित हुई और प्रतिष्ठित आर्मी कमांडर्स कप पर कब्ज़ा जमाया गया। कोग्निवेरा एएससी ने शुरुआत से ही अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया। उनके तालमेल और सामरिक अनुशासन ने उन्हें गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखने और तीखे हमले करने में सक्षम बनाया, जिससे फ़ाइनल के दौरान थंडरबोल्ट पर उनकी बढ़त लगातार बढ़ती गई। दूसरी ओर हार के बावजूद, आधे गोल का हैंडीकैप लेकर थंडरबोल्ट पोलो टीम ने बहादुरी से मुकाबला किया, मेजर मृत्युंजय सिंह ने बारिश से नरम हुई पिच पर लगातार आक्रमण का नेतृत्व किया। टीम की ओर से मेजर एम एस चौहान और मेजर राघव राज सिंह ने 1- 1 गोल किया। यह रोमांचक मुकाबला दक्षिण पश्चिमी कमान के जीओसी-इन-सी, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम सहित प्रतिष्ठित दर्शकों के सामने हुआ, जिसने इस अवसर को गरिमा और गरिमा प्रदान की।

अल्काराज ने जीता यूएस ओपन पुरुष एकल खिताब

न्यूयॉर्क, 8 सितंबर। स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने एथलेटिक कौशल और शॉट-मेकिंग का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इटली के स्टार जैनिक सिनर को हराकर पुरूष एकल का खिताब अपने नाम किया। दूसरी वरीयता प्राप्त 22 वर्षीय खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात खेले गये फाइनल मुकाबले में सिनर को 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर यूएस ओपन पुरुष एकल खिताब फिर से हासिल किया और विश्व टेनिस के शिखर पर पहुंच गये है। इस जीत के साथ अल्काराज़ ने 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विंबलडन में जीत के बाद अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया और उन्होंने इस साल की शुरुआत में विंबलडन फाइनल में सिनर से मिली हार का बदला भी लिया। अल्काराज ने शुरुआती सेट 6-2 से जीत लिया, दोनों ओर से विजयी शॉट लगाए और सिनर की शुरुआती

सर्विस ब्रेक कर लगातार दबाव में रखा। हालांकि, इतालवी खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अपनी लय पकड़ी, अपनी सर्विस में सुधार किया और अल्काराज के बैकहैंड को निशाना बनाकर मुकाबला 6-3 से बराबर कर दिया। तीसरा सेट में अल्काराज ने सटीक सर्विस की और शानदार शॉट लगाकर 6-1 से जीत हासिल की। चौथे सेट में सिनर ने डटकर मुकाबला किया, लेकिन अल्काराज ने 6-4 चौथा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ, अल्काराज़ नोवाक जोकोविच के बाद तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी फिटनेस, सामरिक बहुमुखी प्रतिभा और बड़े मंचों पर उभरने की क्षमता ने उन्हें पुरुष टेनिस में एक नए युग की शुरुआत में अग्रणी बना दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि सिनर के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता अगले दशक को परिभाषित कर सकती है, ठीक उसी तरह जैसे फेडरर, नडाल और जोकोविच के बीच हुए शानदार मुकाबलों ने किया था।

रामेश्वरम क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 8 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में जानकी नंदन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर में 142 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। रामेश्वरम क्रिकेट अकादमी की ओर से धैर्य स्वामी और विराट शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रामेश्वरम क्रिकेट अकादमी ने 35 ओवर में 145 रन 3 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली ! अथर्व ने 54 और विराट शर्मा ने 38 रनों का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच विराट शर्मा को चुना गया।

भारतीय महिला हॉकी टीम सिंगापुर को 12-0 से रौंदकर सुपर-4 में

हांगझोऊ (चीन), 8 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को महिला एशिया कप 2025 में अपनी लय बरकरार रखते हुए सिंगापुर पर 12-0 से एकतरफा जीत दर्ज कर सुपर-4 मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली।

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से मुमताज खान (दूसरे, 32वें,39वें मिनट में) और नवनीत कौर (14वें, 20वें, 28वें मिनट में) नेहा (11वें, 38वें मिनट), लालरेम्सियामी (13वें मिनट में) उदिता (29वें मिनट में), शर्मिला सिंह (45वें मिनट में) और रुतुजा दादासो पिसाल (53वें मिनट में) ने गोल किए

भारतीय टीम मैच की शुरुआत से ही सिंगापुर की टीम पर हावी रही। पहले क्वार्टर में ही भारत ने सिंगापुर की रक्षापंक्ति को भेदते हुए चार गोल दागे। मैच शुरू होने के दूसरे मिनट में मुमताज खान ने अपने शानदार मैदानी गोल से भारत का खोला। इसके बाद भारत ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, जिसे उदिता गोल में नहीं बदल सकीं। लेकिन इसके बाद भारत ने दो मैदानी गोल दागे। 11वें मिनट में

नेहा ने मैदानी गोल के साथ भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया और 13वें मिनट में लालरेम्सियामी ने फील्ड गोल कर स्कोर 3-0 किया। 14वें मिनट में नवनीत कौर ने सिंगापुर के गोलकीपर को चकमा देते हुए पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 4-0 कर दिया। वहीं, सिंगापुर एक भी गोल करने में सफल नहीं हुआ और उसकी टीम काफी संघर्ष करना पड़ा।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने आक्रमक प्रदर्शन करना जारी रखा। इस क्वार्टर की शुरुआत में सिंगापुर ने पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल करने में विफल रहे। इस क्वार्टर में भी भारत ने तीन गोल किए। नवनीत ने इस क्वार्टर ने दो और गोल किए।

20वें मिनट में नवनीत ने मैदानी गोल दागा। इसके बाद 28वें मिनट में उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल किया। इस गोल के साथ नवनीत ने अपनी हैट्रिक पूरी की। इस क्वार्टर का समापन उदिता के गोल से हुआ, उन्होंने 29वें मिनट में पीसी को गोल में बदला। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने 7-0 से अपनी बढ़त को बनाए रखा। वहीं, सिंगापुर मौके बनाने में विफल रही।

तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। भारत ने कई पेनल्टी कॉर्नर अपने नाम की। इस क्वार्टर में भारत ने चार गोल दागे। वहीं, कमजोर डिफेंस के साथ सिंगापुर ने एक भी गोल नहीं कर पाई।

इस क्वार्टर में मुमताज ने दो मैदानी गोल दागे और उनकी भी इस मैच में हैट्रिक पूरी हुई। वहीं, नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए अपना दूसरा गोल दागा। क्वार्टर के आखिरी मिनट में शर्मिला सिंह ने पीसी को गोल में बदला। इसी के साथ भारत ने 11-0 स्कोर के साथ बड़ी बढ़त हासिल कर ली, जिसे कम करने की सिंगापुर की सभी कोशिशें भारत ने विफल कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और 53वें मिनट में रुतुजा ने पीसी के जरिए गोल कर भारत का स्कोर 12-0 कर दिया। इसी के साथ भारत ने इस मुकाबले में एकतरफा जीत दर्ज की।

भारतीय टीम सुपर-4 मैच 10 सितंबर को खेलेगा - एशिया कप जीतने वाली टीम को 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले महिला हॉकी विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफिकेशन मिलेगा।

शुभम का भारतीय 17 वर्ष फुटबॉल टीम में चयन

जयपुर, 8 सितम्बर। राजस्थान फुटबाल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि नोहर (हनुमानगढ़) राजस्थान के छोटे से गाँव धोलिपाल से शुभम पूनिया जिनका

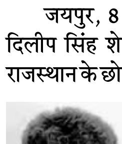

चयन भारतीय फुटबॉल अंडर 17 टीम में हुआ है जो कि श्रीलंका में होने वाली प्रतियोगिता में भारतीय फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। शुभम अभी नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब सिक्किम में खेल रहा है। शुभम पूनिया ने हनुमानगढ़ का ही नही अपितु राजस्थान का नाम पूरे भारत में ऊंचा किया। राजस्थान से मुन्नी भांभू व मोहम्मद कैफ, अमित कुमार, के बाद शुभम पूनिया का चयन ये साबित करता है कि राजस्थान का फुटबॉल बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजस्थान फुटबाल संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टॉक व राजस्थान फुटबॉल संघ और पुराने सभी खिलाड़ियों की तरफ से राजस्थान के शुभम पूनिया को बहुत बधाई व शुभकामनाएं दीं गई।

राज्य स्तरीय अंडर-19 वीमेन टी-20 चैम्पियनशिप ट्रॉफी का फाइनल आज

जयपुर, 8 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की वीमेन अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर वीमेन टी 20 चैम्पयनशिप ट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए सेमीफाइनल मैचों का परिणाम :-

पहला मैच टीम ए - टीम औ (टीम ए 15 रन से जीती), टीम ए पारी 116/9, टीम के लिए रोचले यादव 32 , दृष्टि खोड़ा 26 रन। टीम औ की गेंदबाज अल्पना रावत 15 /4 विकेट। टीम औ पारी 101/7, टीम के लिए मुस्कान बिश्नोई नाबाद 66 व अल्पना रावत 18 रन, टीम ऐ की गेंदबाज मैना सियोल 11 /3 व दृष्टि खोड़ा 20 /1 विकेट।

दूसरा मैच टीम आई - टीम एफ (टीम एफ 6 विकेट से जीती), टीम आई पारी 103/3, टीम के लिए सरिता कसना नाबाद 62, जानवी 16 रन। टीम एफ की गेंदबाज प्रतिज्ञा, रितिका प्रत्येक 1-1 विकेट। टीम एफ पारी 109/4, कनिष्का प्रजापति नाबाद 45 व नीतू कँवर 23 व किलम 22 रन। टीम आई की गेंदबाज निकिता - माहिरा प्रत्येक 1-1 विकेट। कल दिनांक 9 सितम्बर को राज्य स्तरीय अंडर 19 वीमेन टी 20 चैंपियनशिप का फाइनल मैच आरसीए अकादमी पर शाम 5.30 बजे दूधिया रोशिनी में खेला जायेगा।

कार्यालय नगर पालिका किशनगढ़बास (खैरथल-तिजारा) राज.

Mail ID-npkishangarhbas@gmail.com PH. 01460-242233

क्रमांक-न.पा.कि.बास/2025/1982 दिनांक-08.06.2025

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के अन्तर्गत 69-क के एक्ट के तहत ऑनलाईन पट्टा बनवाने हेतु निम्न प्रकार ऑनलाईन पत्रावली इस कार्यालय में प्राप्त हुई है। अत इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति संस्था या किसी को भी कोई भी आपत्ति हो तो 7 दिवस में इस कार्यालय में अपनी आपत्ति मय सबूत इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। मयाद निकलने के बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	आवेदन का नाम	पिता/पति/पत्नी का नाम	पता	खसरा नं.
1	महेन्द्र कुमार	बाबूलाल	पुरानी सब्जी मण्डी के पास कि.बास	575
2	पंकज यादव	अशोक यादव	वार्ड नं. 12 न्यू आदर्श कॉलानी जैन मंदिर के पीछे	409
3	सुभाष जांगिड	चेतराम जांगिड	वार्ड नं. 07 शिव कॉलोनी कि. बास	236/822
4	पवन कुमार सिंहल	बिशम्बर दयाल	वार्ड नं. 19 नियर तोप सर्किल कि. बास	343/814
5	बीना	सुरेश	वार्ड नं. 08 किले के पास कि.बास	535
6	मनजीत कुमार	फूलसिंह	वार्ड नं. 20 बासडा कि. बास	474
7	मुकेश चंद	सुरजमल	वार्ड नं. 14 अलवर रोड कि. बास	327
8	विजय कुमार	मदनलाल शर्मा	वार्ड नं. 05 खारा कुंआ बासकृपा नगर कि. बास	612
9	देशराज	सूरजमल	वार्ड नं. 14 अलवर रोड कि.बास	327
10	बीना	सुरेश	वार्ड नं.08 किले के पास कि.बास	535
11	मोहन सिंह	दर्शन सिंह	वार्ड नं. 06 चर्च कॉलोनी कि.बास	296
12	बबीता	अनिल कुमार	वार्ड नं. 11 घंटाघर के पास कि.बास	535
13	राजेश कुमार	जगदीश	वार्ड नं. 23 माटूका रोड कि.बास.	
14	सतीश कुमार,	धमण्डी यादव,	वार्ड नं. 24 कांकरा रोड कि. बास	129
	अभय सिंह	राजाराम यादव		
15	तुलसीराम	पूरण मल	वार्ड नं. 11 कि. बास	535
16	दुली चंद	बाबूलाल	वार्ड नं. 02 कसाईवाडा मौहल्ला बासकृपाल नगर	612
17	जय गोपाल	दयाल चंद	वार्ड नं. 17 खातीपाढा मौहल्ला गंज	141
18	गोरधन दास	कल्लूमल	वार्ड नं. 14 लख्याणी मार्केट कि.बास	341
19	पूनम उर्फ प्रिया	वेद प्रकाश	वार्ड नं. 14 लख्याणी मार्केट कि.बास	341
20	कमला	गोरधन दास	वार्ड नं. 14 लख्याणी मार्केट कि.बास	341
21	गोरधन दास	कल्ललूमल	वार्ड नं. 14 लख्याणी मार्केट कि.बास	341
22	वेद प्रकाश	गोरधन दास	वार्ड नं. 14 लख्याणी मार्केट कि.बास	341
23	बीना देवी	दिनेश कुमार	वार्ड नं. 11 मैन मार्केट कि. बास	583
24	त्रिलोक चन्द बसवाल	स्व. श्री अमीचंद बसवाल	वार्ड नं. 23 गरीबनाथ मंदिर के पास कि.बास	517
25	हुकम चन्द	बबूलाल	गंज कि.बास	146
26	विजय सिंह	जय दयाल	वार्ड नं. 04 बासकृपा नगर कि.बास	612
27	कमलेश बंसल	सुभाष महाजन	वार्ड नं. 14 आदर्श कॉलोनी कि.बास	328
28	संत कंवर राम हरि मंदिर		मैन मार्केट किशनगढबास	535
29	राजेश कुमार	चिरंजीलाल	वार्ड नं. 20 बासडा किशनगढबास	689
30	मनजीत	फूल सिंह	वार्ड नं. 20 बासडा किशनगढबास	474

उपरोक्त व्यक्ति को 69-क एक्ट पट्टा के लिए कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से 7 दिवस में इस कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उपयुक्त व्यक्ति का पट्टा जारी कर दिया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका किशनगढ़बास

‘हर साल होगा राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव का आयोजन’

मुख्यमंत्री ने मसालों की प्रोसेसिंग, मार्केटिंग व निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए यह घोषणा की

जयपुर, 8 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित ''राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025'' का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि अब यह आयोजन हर वर्ष किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मसालों के क्षेत्र में

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर के आंगणवा में तथा टोंक के सोहेला में स्थापित इन्क्यूबेशन सेंटर्स का वर्चुअल लोकार्पण किया।**

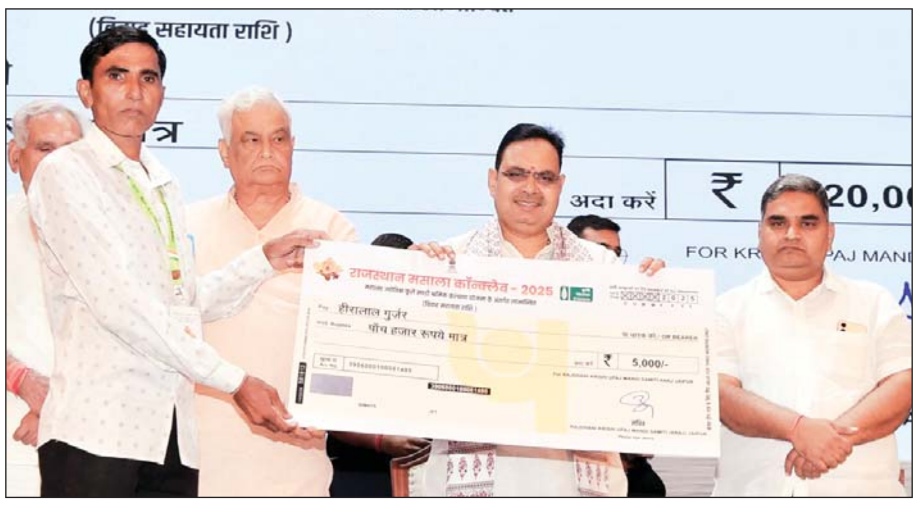

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के बिड़ला सभागार में ''राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025'' का शुभारंभ किया और एफपीओ पंजीयन प्रमाण पत्र, श्रम सम्मान कार्ड, मसालों से जुड़ी योजनाओं के फोल्डर और कृषि विपणन योजनाओं के चैक भी वितरित किए गए।

राजस्थान की समृद्ध परंपरा और उत्पादन क्षमताएं इसे देश और दुनिया में विशिष्ट स्थान दिलाती हैं। यह कॉन्क्लेव किसानों, उत्पादकों और व्यापारियों को एक वैश्विक मंच उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि राजस्थान देश में जीरा उत्पादन में प्रथम, मेथी और सौंफ में द्वितीय तथा धनिया और अजवाइन उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि मसालों के क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रसंस्करण, विपणन और निर्यात के क्षेत्रों में सरकार द्वारा ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जोधपुर के आंगणवा और टोंक के सोहेला में स्थापित इन्क्यूबेशन सेंटर्स का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसी के साथ टोंक जिले के सोनवा में फूड पार्क का भी उद्घाटन किया गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज-स्पाइस मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया और एफपीओ पंजीयन प्रमाण पत्र, श्रम सम्मान कार्ड, मसालों से जुड़ी योजनाओं के फोल्डर और कृषि विपणन योजनाओं के चेक भी वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि खाद और बीज की आपूर्ति में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। इस आयोजन में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, शासन सचिव कृषि राजन विशाल सहित बड़ी संख्या में कृषक, मसाला व्यापारी और कृषि विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

''आधार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

राज्य में विपक्ष, जिसमें कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल शामिल हैं और जो महागठबंधन का हिस्सा हैं, ने तर्क दिया है कि यह पुनरीक्षण लाखों ऐसे पुरुषों और महिलाओं को मताधिकार से वंचित करने की साज़िश है, जो परंपरागत रूप से उनके पक्ष में मतदान करते हैं। कांग्रेस ने यहाँ तक आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर वोटर लिस्ट में धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं।

हालाँकि, चुनाव आयोग ने ज़ोर देकर कहा है कि उसका गहन पूनरीक्षण कानूनी और संवैधानिक दायरे में है और मतदाता दोबारा सत्यापन की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की गई है।

संघ के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले कोर कमेटी के कुछ सदस्यों के साथ यहीं रुके हुए हैं। सोमवार दोपहर दो बजे के करीब होसबोले की तबीयत बिगड़ गई। तत्काल उनको एम्स में भर्ती करवाया गया। सूचना पर बाड़मेर के पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह जसोल, आरएसएस जोधपुर प्रांत के विद्यानंद भाईसाहब, कलेक्टर गौरव अग्रवाल और कमिश्नर ओमप्रकाश पासवान भी एम्स पहुंचे। होसबोले आरएसएस में मोहन भागवत के बाद दूसरे सबसे बड़े पदाधिकारी हैं।

जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **पर, बी.आर.एस. व बी.जे.डी. के समर्थन के बिना भी एन.डी.ए. को 436 वोट मिलने की संभावना।**
- **आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालिवाल भी केजरीवाल के खिलाफ हैं, जब से केजरीवाल के नुमाइन्दे ने उस पर राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिलवाने का भारी दबाव डाला था।**
- **परन्तु, अगर ये सभी पार्टियां, इण्डिया गठबंधन के पक्ष में मतदान करती भी हैं, तो भी इण्डिया गठबंधन को जीतने के लिए सत्तर वोट कम पड़ेंगे।**
- **इस सत्य से विपक्ष भी अनभिज्ञ नहीं, पर विपक्ष का मानना है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में अगर उनका प्रदर्शन ठीक रहे, और चुनाव में विपक्ष की एकता बरकरार रही, तो इस माहौल का लाभ इस वर्ष व अगले वर्ष, बिहार, बंगाल व तमिनलाडु के विधानसभा चुनाव में मिलेगा।**

बीआरएस (चार सांसद) और बीजद (सात सांसद) का रुख़ अभी स्पष्ट नहीं है। बीआरएस पार्टी प्रमुख केसीआर की बेटी के. कविता के इस्तीफ़े और भाजपा व कांग्रेस दोनों के खिलाफ़ आक्रामक रुख़ के कारण बी आर एस में आंतरिक उथल-पुथल चल रही है, इसलिए उसके चुनाव से दूर रहने की संभावना है। इसके अलावा, बीआरएस की नज़र जुबली हिल्स विधानसभा सीट के उपचुनाव पर भी है, जहाँ मुस्लिम वोट अहम माने जाते हैं। यह सीट मगन्ती गोपीनाथ ने 2018 और 2023 में बी.आर.एस. के लिए जीती थी, गोपीनाथ की जून में मृत्यु हो गई।

बीजू जनता दल (बीजद) से समर्थन की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन उसने अब तक औपचारिक घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि वह अब भी असमंजस में है, क्योंकि पिछले साल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उसे कड़ी टक्कर दी थी।

इसके बावजूद, बीआरएस और बीजद का समर्थन नहीं मिलने पर भी एनडीए के पास 436 वोट होंगे और यह संख्या और भी बढ़ सकती है। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भी इस चुनाव में एक दिलचस्प पहलू हैं। पिछले साल उनका अपनी ही पार्टी से रिश्ता उस समय टूट गया था, जब उन्होंने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी पर शारीरिक उत्पीडन का आरोप लगाया था। तब से उनके आप को छोड़ देने तथा भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जाती रहीं, लेकिन उन्होंने न तो अपने पद से इस्तीफ़ा दिया और न ही पार्टी बदली। इससे चुनाव और रोचक हो गया है। इसके अलावा, लोकसभा के सात निर्दलीय सांसदों के बारे में भी अनिश्चितता की स्थिति है। इसी तरह अकाली दल और मिज़ोरम की ज़ेडपीएम का भी रुख़ साफ़ नहीं है, जिनमें से प्रत्येक के एक-एक सांसद हैं।

अगर ये सभी वोट राधाकृष्णन के पक्ष में पड़ते हैं, तो भाजपा उम्मीदवार 458 वोट तक पहुँच सकते हैं। यह संख्या तीन साल पहले धनखड़ को मिले 528 वोटों से काफी कम होगी, लेकिन जीत के लिए पर्याप्त रहेगी। विपक्षी खेमे में, कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। दोनों सदनों को मिलाकर, काग़ज़ पर विपक्ष के पास 324 वोट हैं।

इस बार चुनाव 2022 की तुलना में कड़ा दिख रहा है, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के चलते विपक्ष के पास ज्यादा सांसद हैं।

लेकिन फिर भी उनकी जीत की संभावना लगभग ''नहीं'' के बराबर है। अगर विपक्ष के सारे सांसद वोट डालें और सभी न्यायमूर्ति रेड्डी के पक्ष में वोट दें, तब भी उन्हें 100 से 135 वोट कम ही मिल पायेंगे। यह स्थिति तब भी नहीं बदलेगी, यदि बीआरएस, बीजद, स्वाति मालीवाल, सभी निर्दलीय, एक-सांसद वाली पार्टियाँ और यहां तक कि वाईएसआर कांग्रेस भी विपक्ष के साथ चली जाएं। तब भी इंडिया ब्लॉक के करीब 70 वोट कम रह जाएंगे। स्थिति और भी कठिन इसलिए हो गई है, क्योंकि एनडीए के सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि उन्हें सिर्फ़ राज्यसभा में ही कम से कम 150 क्रॉस वोट की उम्मीद है। इंडिया ब्लॉक पहले ही मान चुका है कि वह यह चुनाव जीतने की उम्मीद नहीं कर रहा। सूत्रों का कहना है कि यह चुनाव कराना विपक्ष की रणनीति का हिस्सा है-ताकि विपक्ष पिछली बार के उपराष्ट्रपति चुनाव की तुलना में अपनी अतिरिक्त ताक़त दिखा सके और आने वाले विधानसभा चुनावों (जिनमें बिहार, बंगाल और तमिलनाडु शामिल हैं) से पहले गति पकड़ सके।

‘वो बात सारे फसाने में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नकल करके पास हुए अभ्यर्थियों से अलग करना असंभव है। इस रोचक मामले की सुनवाई के दौरान ही ना तो राज्य सरकार और ना ही प्रतिवादी पक्ष, जो परीक्षा को रद्द करने के पक्ष में नहीं था, ने याचिकाकर्ता पर अंगुली उठाई और कहा कि उनके द्वारा प्रस्तुत की गई एसआईटी रिपोर्ट वास्तविक नहीं है। उल्लेखनीय है कि राफेल खरीद के मामले के दौरान भी यशवंत सिन्हा और हिंदू अखबार के संपादक व चेयरमैन रह चुके एन. राम पर आरोप लगे थे कि, उन्होंने राफेल की खरीद के संबंध में दस्तावेज जो अदालत में प्रस्तुत किए थे, वह डिफेंस मिनिस्ट्री से चुराए हैं और इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से भारत की अखंडता व सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इस मामले में केन्द्र सरकार द्वारा यह भी जिरह की गई थी कि, राफेल की खरीद, उसके दाम और इसकी विशिष्टता विभागीय गोपनीय दस्तावेज हैं, जिसकी चोरी की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि, दस्तावेज जहां से भी लाए गए हों, परंतु जनहित में इन्हें अदालत में प्रस्तुत किया जा सकता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि, एस.आई.भर्ती-2021 में राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के समक्ष प्रस्तुत जिस एसआईटी रिपोर्ट पर इतना बवाल खंडपीठ खड़ा कर रही है। उस रिपोर्ट को अब तक ना तो कभी एस.ओ.जी. ने झूठा बताया और ना ही राज्य सरकार ने इस पर कोई सवाल खड़े किए। इनके अलावा प्रतिवादी पक्ष ने भी कभी इसे चुनौती नहीं दी तो आखिर अब खंडपीठ इसकी वास्तविकता का प्रश्न क्यों किस के आधार पर उठा रही है? इस मामले को जानने वाले सूत्रों का कहना है कि, अगर इस मामले की सुनवाई अगली तारीख 8 अक्टूबर को नहीं हुई और स्टे जारी रहा तो इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी जा सकती है।

कई देशों में ''जैनरेशन ज़ी'' का असंतोष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, ''हैरानी की बात यह थी कि हमें किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा कोई झंडा-बैनर या पहचान नहीं दिखी।''

काठमांडू की गंभीर स्थिति को देखते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आनन-फानन में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई।

संकट की समीक्षा के लिये संध्या को मंत्रिपरिषद और सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई गई।

काठमांडू के कई हिस्सों में झड़पों के बाद दिनभर का कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। ताज़ा जानकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन के गेट को क्षतिग्रस्त कर दिया है क्योंकि प्रदर्शन हिंसक हो गया था।

स्थिति तब और बिगड़ गई, जब प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्र की सीमाएं तोड़ दीं और संसद भवन के परिसर में घुस गए। पुलिस ने जवाब में वॉटर कैनन, आंसू गैस का प्रयोग किया और फायरिंग की, जिससे कई लोग घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कम से कम 42 लोग घायल हुए हैं।

सरकार ने कहा कि जिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक किया गया है, वे सरकार के साथ पंजीकरण नहीं करवा रहे थे। इन प्लेटफॉर्म्स के दुरुपयोग पर नाराजगी जताते हुये सरकार ने कहा कि फर्जी आईडी का उपयोग करके नफरत फैलाना, अफवाहें उड़ाना, साइबर क्राइम करना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना इन प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए किया जा रहा था, वास्तविकता यह है कि देश की 3 करोड़ आबादी का 90 प्रतिशत हिस्सा इंटरनेट का उपयोग करता है।

सबसे पहले न्यू बानेश्वर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लगाये गये कर्फ्यू को, प्रदर्शनकारियों के प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश कर जाने के बाद, कर्फ्यू बढ़ा दिया गया है और इसमें राष्ट्रपति निवास (शीतल निवास), महाराजगंज, उपराष्ट्रपति निवास (लैनचौर), सिंगदरबार का पूरा क्षेत्र, प्रधानमंत्री निवास (बालुवाटार) और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं।

फायरिंग के बाद, गृहमंत्री रमेश लेखक, जो उस समय एक संसदीय समिति की बैठक में थे, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत बैठक से बाहर निकल आए। न्यू बानेश्वर में गोलियां चल रही थीं, और जैसे ही उन्हें सूचना मिली, उन्होंने आपात बैठक बुलाने की जरुरत बताई।

पीलीभीत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई पुष्टि नहीं की है। डीएम पीलीभीत ने बताया कि पीलीभीत से नेपाल के बीच व्यापारिक संबंध होने के कारण यहां के परिवार बड़ी संख्या में नेपाल के महेंद्र नगर में ही निवास करने के साथ व्यापार भी करते है। बड़ी संख्या में वहां की नागरिकता भी उन्होंने ले रखी है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908